राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक अखबार

वर्ष : 05 अंक 25
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00/– रू.
UPHIN/2014/67765

क्राइम रिव्यू

साहस सच लिखने का

लखनऊ
शुक्रवार, 7 दिसम्बर 2018
www.crimereview.co.in
www.facebook.com/crimereview
@crimereview2012

26वीं बरसीः अयोध्या के लोग अब भी 1992 के भयावह दिन को याद कर सिहर उठते हैं

अयोध्या। अयोध्या के ऑटो ड्राइवर मोहम्मद आजिम को अब भी छह दिसंबर, 1992 की डरावनी रात याद है जब उन्होंने यहां के कुछ अन्य मुस्लिम बाशिंदों के साथ अपनी जान की खातिर खेतों में शरण ली थी। तब महज 20 साल के रहे आजिम ने कहा, ''उन्मादी ष्कारसेवकोंष की फौज ने बाबरी मस्जिद ढ़हा दी थी जिसके बाद अशांति एवं डर का माहौल बन गया था। हम इतने डर गये थे कि हमें नहीं पता था कि हम क्या करें।''

अब चार बच्चों के पिता 46 वर्षीय आजिम परेशान हो उठे हैं कि राममंदिर मुद्दा फिर कुछ नेताओं और संघ परिवार द्वारा उठाया जा रहा है और अयोध्या के 'नाजुक शांतिपूर्ण माहौल' के लिए खतरा पैदा किया जा रहा है। जबकि यहां के बाशिंदे 26 साल बाद अब भी इस त्रासदी से उबरने के लिए प्रयत्नशील हैं। आजिम ने अफसोस प्रकट किया, ''हर साल इस समय हम उन मनोभावों से जूझते हैं। हमने अतीत को पीछा छोड़ने का प्रयास किया लेकिन

त्रासद यादें जाती नहीं हैं। अयोध्या और अन्यत्र मंदिर मुद्दे पर शोर–शराबे से हमारे जख्म हरे हो जाते हैं।''

वह कहते हैं कि वह दुर्भाग्यपूर्ण रात अब भी उनकी नजरों के सामने घूमती है। जब दो समुदाय एक दूसरे के खून के प्यासे हो रहे थे तब एक हिंदू परिवार ने उन्हें शरण दी थी। उन्होंने कहा, ''हमने पूरी रात खेत में गुजारी। बहुत ठंड और दर्दभरी रात थी, मैं कभी नहीं भूल पाउंगा। तड़के ही हमने एक ठाकुर परिवार, जिसे हम जानते थे, का दरवाजा खटखटाया, उसने कुछ दिनों तक हमें शरण दी।'' मोहम्मद मुस्लिम (78) इस घटना की चर्चा कर विचलित हो जाते हैं और कहते हैं, ''तब हम असुरक्षित थे और आज भी हम तब असुरक्षा महसूस करते हैं जब बाहर से भीड़ (उनका इशारा विहिप की धर्मसभा) हमारे शहर की ओर आती है।'' मुस्लिम, आजिम और कई अन्य अल्पसंख्यक इस घटना को लोकतंत्र के लिए धब्बा करार देते हैं। ऐसा नहीं है कि केवल अल्पसंख्यक समुदाय ही दर्द महसूस कर रहा है। विवादित रामजन्मभूमि ढांचे के समीप रहने वाले पेशे से चिकित्सक विजय सिंह जिस दिन मस्जिद ढ़हायी गयी थी, उस दिन वह अयोध्या में ही थे और उन्होंने हिंसा देखी थी। उन्होंने कहा, ''यह बड़ा डरावना था। हम एक और अयोध्या त्रासदी नहीं चाहते हैं। हम शांतिपूर्ण माहौल चाहते हैं लेकिन नेता अपने एजेंडे के तहत भावनाएं भड़काते हैं। 1992 में भी इस ढांचे को ढ़हाने के लिए बाहर से बड़ी संख्या में लोग लाए गए थे। यह त्रासद और दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी जो आज भी अयोध्या के जेहन में है।'' सामाजिक कार्यकर्ता शबनम हाशमी ने कहा कि अयोध्या प्राचीन संस्कृति और सांप्रदायिक सद्भाव का स्थान रहा है लेकिन 1992 में मेल–जोल वाली प्रकृति छीन ली गयी और शहर अब भी उसकी कीमत चुका रहा है।

वीवीआईपी हेलीकॉप्टर घोटालाः फर्जी कंपनियों को लेकर मिशेल से पूछताछ करेगा ED

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) 3,600 करोड़ रुपये के वीवीआईपी हेलीकॉप्टर सौदे में कथित बिचौलिए क्रिश्चियन मिशेल से उसके तथा अन्य द्वारा भारत और विदेश में ''फर्जी कंपनियां'' बनाने तथा रिश्वत के रूप में मिले काले धन को वैध बनाने के आरोपों पर पूछताछ करेगी। केंद्रीय जांच एजेंसी मिशेल की हिरासत मांग सकती है या धन शोधन निरोधक कानून (पीएमएलए) के तहत सीबीआई के साथ आरोपी से पूछताछ के लिए एक अर्जी दे सकती है।

एजेंसी अन्य आरोपियों की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए इस मामले में ताजा आरोप पत्र भी दाखिल कर सकती है।सीबीआई के साथ इस मामले की जांच कर रहे ईडी ने 2016 में मिशेल के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था और आरोप लगाया था कि मिशेल को अगस्ता वेस्टलैंड से 225 करोड़ रुपये मिले। उसे यह धन राशि कंपनी को 12 हेलीकॉप्टर का सौदा दिलाने के लिए मिली। भारत ने 57 वर्षीय मिशेल को संयुक्त अरब अमीरात से प्रत्यर्पित किया और उसे मंगलवार देर रात दिल्ली लाया गया। उसे औपचारिक तौर पर सीबीआई ने गिरफ्तार किया और बुधवार को यहां एक विशेष अदालत के समक्ष पेश किया जहां उसे एजेंसी की पांच दिन की हिरासत में भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि मिशेल से उन दस्तावेजों के बारे में पूछताछ की जाएगी जो एजेंसी ने इस जांच में अभी तक जब्त किए या बरामद किए।

उससे उस समय सत्ता में बैठे नेताओं और नौकरशाहों तथा उसके द्वारा किए गए कथित संदिग्ध लेनदेन या रिश्वत के बारे में भी पूछा जाएगा। सूत्रों ने बताया कि ईडी खासतौर से वीवीआईपी हेलीकॉप्टर सौदे के दौरान भारतीय वायु सेना के अधिकारियों के साथ उसके ''लेनदेन'' के बारे में पूछेगी। उन्होंने बताया कि एजेंसी के पास इस बात के सबूत है कि गैरकानूनी धन विदेश भेजा गया या विदेशी कंपनी से भारत में आया और मिशेल के धन के इस पूरे लेनदेन के बारे में जांचकर्ताओं को बताने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि भारत और विदेश में इस कथित रिश्वत की रकम के लेनदेन के लिए कुछ कंपनियां है और ऐसी कंपनियां कुछ नहीं बल्कि फर्जी कंपनियां हैं। क्रिश्चियन मिशेल इस सौदे में शामिल तीन बिचौलियों में से एक है।

इसके अलावा ग्यूडो हैशके और कार्लो गेरोसा है।ईडी ने अपने आरोप पत्र में कहा था कि ये तीन बिचौलिए साल 2005 में हेलीकॉप्टर की उड़ान भरने की ऊंचाई 6,000 मीटर से 4,500 मीटर तक कराने के संबंध में वायु सेना के रुख को बदलने के लिए भारतीय वायु सेना में पहुंच बनाने में कामयाब रहे। जिसके बाद अगस्ता वेस्टलैंड इस सौदे में बनी रही।

सरकार ने हाईकोर्ट को बताया, ढहाया गया नीरव मोदी का अलीबाग स्थित अवैध बंगला

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने बॉम्बे उच्च न्यायालय को बताया किया कि भगोड़े कारोबारी नीरव

मोदी के रायगढ़ जिले में बने अवैध बंगले को ढहा दिया गया है। यह बंगला अलीबाग इलाके में समुद्र तट के किनारे बनाया गया था। सरकारी वकील पी बी काकोडे ने मुख्य न्यायाधीश नरेश पाटिल और न्यायाधीश एम एस कार्णिक की खंडपीठ को यह भी बताया कि इसके अलावा राज्य के नियमों और तटीय क्षेत्र मानकों का उल्लंघन करके बनीं 58 निजी संपत्तियों को ढहाने का नोटिस जारी कर दिया गया है।उन्होंने खंडपीठ के पूर्व के एक आदेश का पालन करते हुये यह जानकारी दी। अदालत ने सरकार द्वारा उठाए गए सभी कदमों और अलीबाग के बीच पर अवैध निर्माण से जुड़े लंबित मुकदमों के बारे में विस्तृत जानकारी देने को कहा था। अलीबाग को पर्यटकों की पसंदीदा जगह माना जाता है। सरकार ने शपथपत्र दायर करके अदालत को बताया नीरव मोदी का अवैध बंगला पांच दिसम्बर को जमींदोज कर दिया गया और चार दिसम्बर को ढहाने संबंधित नोटिस जारी करके दूसरे बंगलों के मालिकों से कहा गया है कि वे एक सप्ताह के भीतर सभी अवैध इमारतों को गिरा दें। शपथपत्र में कहा गया है कि 61 दूसरी संपत्तियों के मालिकों ने स्थानीय अदालतों से भवन तोड़े जाने पर स्थगन आदेश हासिल कर लिया है। सरकार इन आदेशों पर विधिक कार्रवाई कर रही है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 20 दिसम्बर तय की है। न्यायालय इस मामले में सामाजिक कार्यकर्ता सुरेंद्र ध ावले की याचिका पर सुनवाई कर रही है। इसमें अदालत से शासन को यह आदेश देने का आग्रह किया गया है कि अलीबाग के कई गांवों में ''ज्वार भाटे वाले इलाकों की सीमा'' में आने वाले सभी अवैध बंगलों को गिरा दिया जाए। याचिका में कहा गया है कि ये बंगले महाराष्ट्र तटीय क्षेत्र प्रबंधन प्राधिकरण के नियमों और राज्य के भू नियमों का उल्लंघन करके बनाए गए हैं।

PK ने नीतीश को दिया जीत का तोहफा, PU छात्र संघ चुनाव में JDU का कब्जा

पटना। बिहार में सत्तारूढ़ जदयू ने राज्य में सहयोगी भाजपा के हंगामे के बाजवूद पार्टी ने

पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में अध्यक्ष और कोषागार के पद पर कब्जा कर लिया है। इस चुनाव में भाजपा समर्थित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने उपाध्यक्ष समेत तीन पदों पर जीत हासिल की। पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ के लिए कल कराये गए चुनाव के परिणाम में छात्र जदयू से अध्यक्ष पद के उम्मीदवार मोहित प्रकाश और कोषागार पद पर सत्यम कुमार निर्वाचित घोषित किए गये। जदयू ने दूसरी बार पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव के किसी महत्वपूर्ण पद पर जीत हासिल की है। इससे पूर्व जदयू की छात्र इकाई ने 2012 में संयुक्त सचिव का पद जीता था।

इस चुनाव में एबीवीपी से अंजना सिंह उपाध्यक्ष, मणिकांत मणि महासचिव और रवि राज संयुक्त सचिव निर्वाचित घोषित किए गए हैं। पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव के प्रचार के अंतिम दिन जदयू के राष्ट्रीय उपाध यक्ष प्रशांत किशोर की गत सोमवार की देर शाम विश्वविद्यालय के कुलपति से मुलाकात का छात्र संगठनों और भाजपा सहित विभिन्न राजनीतिक दलों ने विरोध किया। एबीवीपी के कार्यकर्ता रवि करण को अब भी हिरासत में रखे जाने के विरोध ा में गत मंगलवार को एक धरने का आयोजन किया गया। इसमं भाजपा के स्थानीय विधायक अरुण कुमार सिन्हा ने भी हिस्सा लिया। सिन्हा ने प्रशांत पर चुनाव आचार संहित का उल्लंघन करने, पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव को प्रभावित करने के लिए कुलपति सहित सभी चुनाव पदाधिकारियों पर अपने उम्मीदवारों के पक्ष में दबाव बनाने का आरोप लगाते हुए उनकी गिरफ्तारी की मांग की थी। एबीवीपी के इस धरने में शामिल भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष और भाजपा के स्थानीय विधायक नीतिन नवीन ने कहा था कि हमलोगों ने राज्यपाल से कल संपन्न हुए पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव के निष्पक्ष और पारदर्शी संपन्न कराए जाने तथा कानून तोडने वाले प्रशांत किशोर के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की थी। प्रशांत किशोर ने ट्वीट कर कहा था कि पटना यूनिवर्सिटी के छात्रसंघ चुनाव में संभावित हार की घबराहट मेरी गाड़ी पर पत्थर मारने से कम नहीं होगी।

तेलंगाना की बागडोर कांग्रेस-तेदेपा गठबंधन के हाथों में ना सौपेः चंद्रशेखर राव

हैदराबाद। तेलंगाना में सात दिसंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए तेदेपा प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू और कांग्रेस–तेदेपा गठबंधन पर हमला बोलते हुए टीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव ने बुधवार को मतदाताओं से राज्य की बागडोर विपक्षी गठबंधन के हाथों में ना देने की अपील की। तेलंगाना में कांग्रेस नेताओं का साफ तौर पर जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ''दिल्ली के गुलामों'' की सरकार सत्ता में नहीं आनी चाहिए।उन्होंने मतदाताओं से कहा कि ''प्रवासी ताकतों'' को सत्ता में ना आने दें। वह गजवेल में पार्टी की आखिरी चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। राव गजवेल से चुनावी मैदान में हैं। राव ने कहा, ''2018 चुनाव की आखिरी सभा से तेलंगाना के सभी लोगों से कहना चाहता हूं कि अगर हमारे बीच कोई भी मतभेद होंगे तो उन्हें हल किया जाएगा। यह कोई बड़ी बात नहीं है लेकिन प्रवासी ताकतों को मत आने दें।''

टीआरएस अकेले चुनाव लड़ रही है जबकि कांग्रेस, तेदेपा, भाकपा और तेलंगाना जन समिति (टीजेएस) ने गठबंधन कर 'पीपुल्स फ्रंट' बनाया है। राज्य में सिंचाई परियोजनाओं का विरोध करने के लिए नायडू पर तेलंगाना विरोधी होने का आरोप लगाते हुए राव ने कहा कि ऐसे समय में राज्य की बागडोर विपक्षी गठबंधन के हाथों में नहीं सौंपनी चाहिए जब टीआरएस द्वारा बोए विकास के बीज उग रहे हैं।कोडाद में 'पीपुल्स फ्रंट' की आखिरी चुनावी रैली में कृष्णा नदी में पानी की कथित कमी के बारे में नायडू की टिप्पणी पर उन्होंने कहा, ''चंद्रबाबू नायडू ने कोडाद में क्या बोला? कृष्णा नदी में पानी नहीं है। चलिए गोदावरी का जल साझा करें। तेलंगाना कांग्रेस नेताओं और उनके प्रमुख राहुल गांधी की मौजूदगी में नायडू इसका समर्थन कर रहे हैं।'' राव ने पूछा, ''कृष्णा में पानी नहीं है? हमारा हिस्सा वहां नहीं है?'' ।।उन्होंने कहा, ''पूरे तेलंगाना को अपने वोटों से इसका जवाब देना चाहिए कि नायडू ने यह कहने की हिम्मत कैसे की कि राज्य का हिस्सा वहां नहीं है।''

शिवराज का दावा, ईवीएम से छेड़छाड़ गुड्डा–गुड़िया का खेल नहीं

भोपाल। कांग्रेस द्वारा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की सुरक्षा एवं इसमें की जाने वाली छेड़छाड़ का आरोप लगाने पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा ईवीएम से छेड़छाड़ गुड्डे–गुड़िया का खेल नहीं। मध्यप्रदेश विधानसभा के लिए 28 नवंबर को हुए मतदान के बाद ईवीएम की सुरक्षा एवं छेड़छाड़ पर कांग्रेस द्वारा उठाये जाने वाले सवाल के जवाब में चौहान ने यहां मुख्यमंत्री निवास पर संवाददाताओं को बताया, ''मीडिया है, जागरूक लोग हैं, सरकारी कर्मचारी–अधिकारियों में सब तरह के लोग हैं। कोई ईवीएम में छेड़छाड़ कर सकता है क्या? ये कोई गुड्डा–गुडिया का खेल है जो कोई भी छेड़छाड़ कर देगा।''उन्होंने कहा कि कांग्रेस को चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भरोसा भी नहीं होता। भारतीय राजनीति में कभी ऐसा नहीं हुआ कि चुनाव आयोग ने ईवीएम बदल दी हो। ये तकनीकी रूप से भी कहीं संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि ईवीएम पर संदेह करना ठीक नहीं है। एक नहीं, अनेक परिणाम ऐसे आये हैं कि उसी ईवीएम ने दूसरी पार्टी को भी जिताया है। चौहान ने बताया कि कांग्रेस मतदान के दिन से ही अनर्गल प्रलाप कर रही है। मतदान के दिन तीन बजे ही मध्यप्रदेश कांग्रेस चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष एवं गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने चुनाव आयोग को चिट्ठी लिखी। मतदान के दिन और उसके बाद कांग्रेस ने ईवीएम में गड़बड़ी का एक अभियान छेड़ा।

उन्होंने कहा, ''कांग्रेस को अपनी विजय का विश्वास नहीं है। वह हार की पूर्व भूमिका तैयार कर रही है। इसलिए बौखलाकर हार का ठीकरा अभी से ईवीएम के माथे पर फोड़ रही है।'' चौहान ने बताया, ''आज हमने कैबिनेट में कुछ जरूरी विषयों की समीक्षा की। अधिकारियों को बुलाया और बातचीत की। लेकिन उस कैबिनेट के बारे में भी कांग्रेस द्वारा ऐसा हंगामा मचाया गया, जैसे भाजपा की सरकार कोई बड़ा असंवैधानिक काम कर रही हो। हमने अपने कर्तव्यों का पालन किया है और लगातार करते रहेंगे।''

तेलंगाना में भी नाम बदलो अभियान चलाएंगे UP के CM योगी आदित्यनाथ

करीमनगर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि तेलंगाना में यदि भाजपा सरकार बनी तो वह लोगों की भावनाओं का सम्मान करते हुए करीमनगर जिले का नाम 'करीपुरम' करेगी। योगी ने तेलंगाना में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''यदि भाजपा तेलंगाना में सत्ता में आयी तो वह आपकी भावनाओं का सम्मान करेगी और करीमनगर का नाम बदलकर ''करीपुरम'' करेगी। आदित्यनाथ ने गत दो दिसम्बर को हैदराबाद में चुनाव प्रचार अभियान के दौरान तेलंगाना के मतदाताओं से कहा था कि यदि वे हैदराबाद शहर को ''भाग्यनगर'' में परिवर्तित होते देखना चाहते हैं तो भाजपा की सरकार चुनें।

भाजपा ने अमित शाह की रथ यात्रा स्थगित की, अदालत के आदेश का पालन करेगी

कूचबिहार। भाजपा ने शुक्रवार को पार्टी अध्यक्ष अमित शाह की कूचबिहार में प्रस्तावित रैली और रथयात्रा को स्थगति करने का निर्णय लेते हुए कहा कि वह कलकत्ता उच्च न्यायालय के अंतिम फैसले का इंतजार करेगी जो उसी दिन पार्टी की अपील पर सुनवाई करेगा। पार्टी महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने बृहस्पतिवार को कहा कि भाजपा एक ''जिम्मेदार राजनीतिक दल'' है और वह अदालत के आदेश का पालन करेगी। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''रथ यात्रा कार्यक्रम के लिए हमारी सारी तैयारी पूरी हो गई है। अमित शाह भी कल आने के लिए तैयार हैं।'' उच्च न्यायालय ने इस आधार पर रथ यात्रा आयोजित करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया कि इससे साम्प्रदायिक तनाव उत्पन्न हो सकता है। पार्टी की खंडपीठ के समक्ष सुनवाई की अपील को बृहस्पतिवार को मुख्य न्यायाधीश देबाशीष कारगुप्ता ने ठुकरा दिया। उन्होंने कहा कि सुनवाई शुक्रवार को होगी। इससे

पहले, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप घोष ने कहा था कि पार्टी शुक्रवार को रैली करेगी लेकिन रथ यात्रा को स्थगित करेगी जो पश्चिम बंगाल में पार्टी का सबसे बड़ा राजनीतिक अभियान बताया जा रहा है।अदालत के आदेश के बाद भाजपा के शीर्ष नेताओं ने यहां पार्टी की रणनीति बनाने के लिए एक आपात बैठक की। न्यायमूर्ति तपब्रत चक्रवर्ती ने साथ ही यह भी कहा कि रैली नौ जनवरी को अगली सुनवाई तक स्थगित की जाती है। विजयवर्गीय ने कहा कि पार्टी ने एकल पीठ के आदेश को चुनौती देने के लिए कलकत्ता उच्च न्यायालय की खंडपीठ का रुख करने का फैसला लिया है।।उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरविंद मेनन, प्रदेश भाजपा नेता मुकुल रॉय और घोष के साथ पार्टी के अगले कदम के लिए आपात बैठक की। रॉय ने कहा, ''हमारे पास प्लान बी है। खंडपीठ में अदालत के फैसले का इंतजार करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''अगर सरकार कहती है कि हमारे रथ यात्रा निकालने पर वह कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बनाए नहीं रख सकती तो मुझे लगता है कि राज्य में तत्काल राज्यपाल शासन लागू किया जाना चाहिए।'' उच्च न्यायालय के आदेश की खबर मिलने के बाद भाजपा के खेमे में निराशा फैल गई। रथ यात्रा के लिए व्यापक बंदोबस्त कर लिए गए थे। पार्टी ने इस रथ यात्रा को पश्चिम बंगाल की राजनीति में ''अहम'' बताया। स्थानीय भाजपा नेता और उस जगह के मालिक जहां कल रैली होनी थी, चीनू कुंडु ने कहा, ''हम तृणमूल कांग्रेस की सभी अड़चनों से निपटते हुए जिले में रथ यात्रा अभियान के लिए कड़ी मेहनत कर रहे थे।''

आसपास के जिलों से पार्टी कार्यकर्ता पहले ही कूचबिहार पहुंच चुके हैं और उन्हें निराश लौटना पड़ा। भाजपा युवा मोर्चा के सैकड़ों सदस्य पिछली दो रातों से घटनास्थल और मंच की सुरक्षा कर रहे थे।, राज्य में भाजपा और सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के बीच पोस्टरों के जरिए लड़ाई देखी जा सकती है। भाजपा ने रथ यात्रा कार्यक्रम पर पोस्टर लगाए हैं और तृणमूल ने पोस्टरों में कहा, ''केवल भगवान मदन मोहन रथ पर सवार हो सकते हैं और भाजपा की रथ यात्रा साम्प्रदायिक तनाव भड़काने की कोशिश है।'' शाह का 'लोकतंत्र बचाओ रैली' अभियान शुरू करने का कार्यक्रम था।

भाजपा का सात दिसंबर से उत्तर में कूचबिहार से अभियान शुरू करने का कार्यक्रम था इसके बाद नौ दिसंबर को दक्षिण 24 परगना जिला और 14 दिसंबर को बीरभूमि जिले में तारापीठ मंदिर से भाजपा का रथ यात्रा शुरू करने का कार्यक्रम था।

हिंदुस्तान को 'लिंचिस्तान' में बदलना चाहती है भाजपाः कांग्रेस

नयी दिल्ली। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में गोहत्या की अफवाह के बाद भीड़ द्वारा एक पुलिस अधि ाकारी की हत्या के मामले में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कांग्रेस ने बृस्पतिवार को आरोप लगाया कि भाजपा हिंदुस्तान को 'लिंचिस्तान' बनाना चाह रही है। पार्टी ने यह भी दावा किया कि हिंसा में भाजपा और उससे जुड़े संगठनों के लोग शामिल थे और यह इस बात का उदाहरण है कि उत्तर प्रदेश में अपराधियों के 'अच्छे दिन' आ गए हैं। कांग्रेस प्रवक्ता जयवीर शेरगिल ने संवाददाताओं से कहा, ''हिंसा करने वालों को लेकर अजय सिंह बिष्ट (योगी) कुछ नहीं बोलेंगे क्योंकि इस घटना में भाजपा और उनके समर्थित लोग शामिल थे। यह भाजपा और भीड़ के बीच फिक्स्ड मैच था।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''अजय सिंह बिष्ट और मोदी जी लोकतंत्र को भीड़तंत्र में बदलना चाहते हैं। अगर यही हालात रहे तो हिंदुस्तान, लिंचिस्तान में बदल जाएगा। भाजपा यही चाहती है।' शेरगिल ने हिंसा की विस्तृत जांच की मांग करते हुए कहा, ''इस घटना से साफ है कि उत्तर प्रदेश में अपराधियों के अच्छे दिन आ गए हैं।'' ।गौरतलब है कि सोमवार को बुलंदशहर के स्याना में गोकशी की अफवाह के बाद फैली हिंसा में सुबोध सिंह नामक एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई थी।

सुरक्षा की दृष्टि से लगाये गये सीसीटीवी कैमरे

इटावा । सुरक्षा की दृष्टि को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेश पर इटावा जिला चौबिया थाना के इटावा बरेली नेशनल हाईवे 92 पर स्थित इटावा जनपद की अंतिम चौकी कर्री पर सीसीटीवी कैमरें लगवाये गये। साथ ही चौकी के आस पास हाइवे पर भी दोनों ओर सीसीटीवी कैमरे लगाये गये। इससे अपराधों को रोक कर अपराधियों को पकड़ा जा सकता है।

कैण्डिल जलाकर बुलन्दशहर में शहीद पुलिस इंस्पेक्टर को श्रद्धांजलि दी

लखनऊ । भारतीय जनता पार्टी की सरकार में पुलिस इंस्पेक्टर की निर्मम हत्या एवं राजधानी लखनऊ में बढ़ते अपराध के विरोध में आज जिला युवा कांग्रेस लखनऊ के अध्यक्ष सुरजीत सिंह बरनाला के नेतृत्व में जीपीओ स्थित गांधी प्रतिमा पर कैण्डिल जलाकर बुलन्दशहर में शहीद पुलिस इंस्पेक्टर को श्रद्धांजलि दी गयी व बदहाल कानून व्यवस्था के प्रति रोष व्यक्त किया गया। इस मौके पर प्रमुख रूप से मनोज तिवारी, पन्ना लाल, हंसराज चौहान, रोहित अवस्थी, शक्ति सिंह, आकाश दीप, श्री राजन सिंह, सुश्री तान्या सिंह, सुश्री किरन सिंह, सुश्री वीरांगना सिंह, श्री प्रदीप, श्री मोहित कौल, अभिनव तिवारी, धर्मेन्द्र सिंह, नीरज चौहान, मो0 शादिक, नवाज खान, उत्कर्ष तिवारी, श्री राहुल गौतम, इमरान खान सहित तमाम युवा कांग्रेसजन मौजूद रहे।

तंबाकू मुक्त सात दूतों को सम्मानित किया

लखनऊ । तंबाकू मुक्त लखनऊ अभियान के तहत जागरुकता फैलाने वाले तंबाकू मुक्त सात दूतों को सम्मानित किया गया। तकरीबन तीन दर्जन से ज्यादा लोगों ने भागीदारी की। विनोबा सेवा आश्रम से आए रमेश भैया ने बताया तंबाकू एक जानलेवा महामारी की तरह से पैर पसार रही है। इससे सबसे ज्यादा नवयुवक प्रभावित हैं। नरेंद्र कुमार ने कैम्पेन फॉर टोबैको फ्री किड्स के बारे में बताते हुए कहा कि भारत में हर वर्ष 12 लाख से ज्यादा लोग तंबाकू खाने से बीमार हो रहे हैं। तंबाकू और धूम्रपान से लगातार लोगों की मौत हो रही है। इससे सबसे ज्यादा बच्चे शिकार हो रहे हैं। सम्मानित होने वालों में टीडी गर्ल्स से प्रधानाचार्या लक्ष्मी सिंह, मारकंडेय पांडेय, जितेंद्र पटेल, छात्रा गौरी प्रजापति, विनोद यादव आदि शामिल हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आभा भारद्वाज, दिव्या, अपूर्व सिंह, पंकज मिश्र, मुमताज अली, शिवकांत मौजूद रहे।

भाकियू अराजनैतिक के नगर अध्यक्ष बने संदीप जैन

ग्रेटर नोएडा । भाकियू अराजनैतिक संगठन के पदाधिकारियों और किसानों की कैम्प कार्यलय पर बैठक हुई। बैठक में सर्वसम्मती से करबा निवासी संदीप जैन को संगठन का नगर अध्यक्ष नियुक्त किया गया। संगठन के किसानों और व्यापारियों ने अध्यक्ष को फूलमाला पहनाकर बधाई दी। अध्यक्ष ने किसानों की लड़ाई को प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर लड़ने की अपील की। इस दौरान राजे प्रधान, अनित कसाना, रजनीकांत अग्रवाल, संदीप गर्ग, कमल चौधरी, चंद्रपाल नागर, गजेंद्र सिंह, संजय प्रधान, पवन खटाना, गोपाल अग्रवाल, बले नागर, जीवन सिंह और जयवीर नागर मौजूद रहे।

राज्य महिला आयोग ने 25 जनपदों में की जनसुनवाई

लखनऊ । राज्य महिला आयोग की ओर से महिला उत्पीड़न के खिलाफ बुधवार को अभियान की शुरूआत की गई है जिसके तहत 25 जनपदों में महिला उत्पीड़न, प्रताड़ना यातनाओं और घरेलू हिंसा के बारे में जनसुनवाई सदस्यों द्वारा की गई। इस जनसुनवाई में राजधानी से महिला आयोग की अध्यक्ष विमला बाथम, उपाध्यक्ष अंजू चौधरी और आयोग के 23 सदस्य जनपदों में जाकर जनसुनवाई में महिलाओं की पीड़ा सुनी। महिला आयोग द्वारा जनसुनवाई में जनपदों में महिलाओं से संबधित घटनाओं की विवेचना संग उनकी समीक्षा की गई। जिसमें बलरामपुर गोंडा जौनपुर गौतमबुद्धनगर बाराबंकी भदोही बहराइच कानपुर देहात गाजियाबाद समेत अन्य जिलों में जनसुनवाई की गई।

किशोरी की गुमशुदगी दर्ज

लखनऊ । मोहनलालगंज के भावाखेड़ा से एक किशोरी रंजना (14) लापता हो गई है। पुलिस ने बुधवार को मामले में किशोरी के पिता की तहरीर पर गुमशुदगी दर्ज की है। रायबरेली के कसरांवा निवासी किशोरी के पिता ने बताया कि रंजना भावाखेड़ा में अपनी नानी के घर पर रहती थी। 27 नवंबर की रात को वह संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई थी। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चल सका है।

युवा गायिका नेहा कक्कड़ आठ को लखनऊ में

लखनऊ । युवा म्यूजिकल आइकॉन गायिका नेहा कक्कड़ आगामी आठ दिसम्बर को लखनऊ पहुंच रही है। जो एनआर स्टेडियम में होने जा रहे म्यूजिकल शो इम्पीरियल ब्लू नाइट्स में परफार्म करेंगी। इस जाने–माने म्यूजिकल टूर के इस सीजन में डीजे सुकेतु भी होंगे, जोकि करिश्माई धुनों पर थिरकते हुए नजर आयेंगे। इस आयोजन के बारे में पर्नोड के कार्तिक मोहिंदर ने बताया कि सुपरस्टार परफॉर्मर नेहा कक्कड़ अपने शानदार परफॉर्मेंस से लखनऊ के दर्शकों को बांधने वाली हैं। अपने जोश और करिश्माई आकर्षण से मंच पर आग लगाने को तैयार नेहा, डीजे सुकेतु के साथ होंगी और उनके साथ बेहतरीन व काबिल म्यूजिशियन का पूरा ट्रूप होगा। वे अपने कुछ बेहतरीन गानों को मंच पर जीवंत करने वाले हैं, जिनमें 'निकले करंट', 'दिलबर', 'छोटे छोटे पैग', 'हाई रेटेड गबरू', और 'लंदन ठुमकदा' जैसे गाने होंगे। इसका पिछला सीजन दमदार म्यूजिकल परफॉर्मेंस का एकमात्र ठिकाना था। उसमें फरहान अख्तर, सलीम सुलेमान, सुखविंदर सिंह और मोहित चौहान जैसे जाने–माने कलाकार थे। उस जादू को बरकरार रखते हुए संगीत का यह भव्य उत्सव दर्शकों का मनोरंजन उसी रोमांच और उत्साह के साथ करेगा। यह बहुप्रतीक्षित संगीतमय उत्सव 8 दिसंबर को लखनऊ में शुरू होगा।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अध्यक्ष ने किया निरीक्षण

आगरा । ताजमहल के शहर में लगातार बढ़ रहे प्रदूषण के स्तर को लेकर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अध्यक्ष एसपी सिंह चिंतित नजर आए। बुधवार को सीपीसीबी के अध्यक्ष एसपी सिंह ने सर्किट हाउस में आला अधिकारियों के साथ शहर के प्रदूषण पर मंथन किया। इसके साथ ही ताजमहल के पास स्थित नाले सहित अन्य स्थानों का निरीक्षण किया और निर्देश दिए। सर्किट हाउस में हुई बैठक में एसपी सिंह ने कहा कि शहर में घर–घर जाकर सूखा और गीला कचरा उठाने की योजना तैयार की गई है। सीपीसीबी के अध्यक्ष ने अधिकारियों के साथ की बैठक में प्रदूषण पर चिंता जताने के साथ शहर में पीने के पानी और कूड़ा निस्तारण और सीवेज सिस्टम को लेकर चर्चा की।

शांति व्यवस्था बनाये रखने के उद्देश्य से जनपद में धारा 144 लागू

कानपुर देहात । बाबरी मस्जिद ढहाये जाने के कारण प्रत्येक वर्ष 06 दिसम्बर को मुस्लिम व हिन्दू सम्प्रदाय द्वारा अलग अलग ढंग से प्रतिक्रियायें व्यक्त की जाती है जहां मुस्लिम सम्प्रदाय के लोग काली पट्टी बांध कर व ज्ञापन आदि देकर घटना का विरोध करते है, वहीं हिन्दू समुदाय के कुछ संगठन इसे शौर्य दिवस के रूप में मनाते है। उक्त कार्यक्रमों से दोनो सम्प्रदायों में आपसी सौहार्द एवं भाईचारे में कमी आती है तथा कहीं कहीं पर शांति व्यवस्था की समस्यायें भी उत्पन्न होती है। जनपद में शांति एवं कानून–व्यवस्था सुदृढ़ बनाये रखने हेतु धारा 144 दण्ड प्रक्रिया संहिता के तहत कार्यवाही किया जाना आवश्यक हो गया है। उक्त जानकारी देते हुए अपर जिला अधिकारी प्रशासन पंकज वर्मा ने देते हुए बताया कि जनपद कानपुर देहात में कानून व शांति व्यवस्था बनाये रखने के प्रयोजन से धारा 144 लगाये जाने के आदेश दिये है। उक्त के क्रम में जनपद की सीमा के अन्तर्गत कोई भी व्यक्ति आग्नेयास्त्र, भाला, बल्लम, धारदार हथियार, हाकी, बेंत, लाठी, डंडा या अन्य कोई शस्त्र व्यक्तिशः या समूह में बिना सक्षम अधिकारी की पूर्वानुमति लिए नहीं चलेगा। बीमार अथवा शारीरिक रूप से अपंग व्यक्ति जिसे सहारे के लिए लाठी की जरूरत पड सकती है तथा प्रशासनिक अधिकारी अथवा कर्मचारी जो ड्यूटी पर हो, पर उक्त प्रतिबन्ध लागू नही होगा।

कोई भी व्यक्ति पांच अथवा पांच से अधिक व्यक्तियों का समूह नही बनायेंगे और न ही समूह के साथ चलेगा, बारात, शव यात्रा तथा परीक्षार्थियों पर यह प्रतिबंध लागू नही होगा। कोई भी व्यक्ति विस्फोटक पदार्थ, पटाखा, आतिशबाजी या अन्य प्रकार का विस्फोटक सामान आदि लेकर सार्वजनिक स्थल पर नही चलेगा तथा कंकड़, पत्थर या अन्य कोई मारक पदार्थ सार्वजनिक स्थल पर बिना अनुमति के एकत्र नही करेगा। शस्त्र व शराब की दुकानों पर सर्तक दृष्टि रखी जाये, जिससे इनका दुरुपयोग न हो सके। किसी भी व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह द्वारा सार्वजनिक रास्ते में कोई अवरोध उत्पन्न नही किया जायेगा। जिससे कि यातायात/व्यवधान आवागमन में कोई अवरोध/व्यवधान उत्पन्न हो दिनांक 06 दिसम्बर 2018 को किसी प्रकार के धार्मिक आयोजन, उत्सव रैली, या सभा किये जाने की अनुमति प्रदान नही की जायेगी। कोई अश्लील पोस्टर, बैनर, या पम्पलेट छपवाकर वितरित नही करेगा तथा अश्लील/अभद्र भाषा का प्रयोग नही करेगा जिससे किसी समुदाय के व्यक्तियों या किसी व्यक्ति विशेष की भावनाओं को ठेस पहुंचे, किसी भी व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के समूह द्वारा उत्तेजक नारा, अभ्रद भाषा का प्रयोग नही किया जायेगा और न ही जाति धर्म सम्प्रदाय के आधार पर भड़काने वाला अथवा दूसरे जाति धर्म तथा सम्प्रदाय के व्यक्तियों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला भाषण गाना अथवा नारा ही उच्चरित किया जायेगा। उपरोक्त आदशों का उल्लंघन भारतीय दण्ड संहिता धारा 188 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध होगा। यह आदेश जनपद कानपुर देहात की सीमा में दिनांक 15 दिसम्बर 2018 तक प्रभावी रहेगा। बसर्ते किसी सक्षम अधिकारी द्वारा इसे पूर्व विखंडित न कर दिया दिया जाये।

धान खरीद हेतु 46 धान क्रय केन्द्र विभिन्न ब्लाकों में संचालित, किसान ले लाभ : डीएम

कानपुर देहात । जनपद में मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत धान खरीद हेतु 46 धान क्रय केन्द्र विभिन्न ब्लाकों में संचालित है। इस वर्ष धान का सरकारी खरीद मूल्य कामन धान रू0 1750/–प्रति कुन्तल निर्धारित है। धान विक्रय हेतु खाद्य विभाग के पोर्टल http://cs.up.nic.in पर धान विक्रय हेतु पंजीयन कराना होगा। पंजीकृत कृषकों से जोतबही/कम्प्यूटराइज्ड खतौनी, आधार कार्ड, बैंक पासबुक के आधार पर किसानों से सीधे खरीद की जायेगी। उपरोक्त जानकारी देते हुए जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि जनपद में धान खरीद की अन्तिम तिथि 28 फरवरी, 2019 तक निर्धारित है। किसान भाईयों को केन्द्र प्रभारी द्वारा धान के मूल्य का भुगतान आर0टी0जी0एस0 से किये जाने की व्यवस्था है। क्रय केन्द्रों पर उतराई व छनाई में आने वाला व्यय कृषक द्वारा वहन किया जायेगा, जिसका भुगतान रू0 20/– प्रति कुन्तल की दर से आर0टी0जी0एस0 के माध्यम से उनके बैंक एकाउण्ट में खरीद मूल्य के साथ क्रय एजेन्सी द्वारा किया जायेगा। इसी प्रकार मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत जनपद में मक्का की खरीद हेतु तीन क्रय केन्द्र–सन्दलपुर, मण्डी समिति–झींझक व मण्डी समिति–पुखरायाँ में संचालित हैं। मक्का का समर्थन मूल्य रू0 1700/– प्रति कुन्तल निर्धारित है। जनपद में मक्का खरीद की अन्तिम तिथि 15 जनवरी , 2019 तक निर्धारित है।

महिला आयोग की सदस्य ने जिला जेल का किया निरीक्षण, सुनी बंदी महिलाओं की समस्यायें

कानपुर देहात । जिलाकारागार माती में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य पूनम कपूर ने महिला बंदियों की जनसुनवाई व समीक्षा की। उन्होंने महिला उत्पीडन की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाएं जाने एवं पीडित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाये जाने के लिए अधिकारियों से बातचीत किया। महिला आयोग की सदस्य ने जिलाकारागार का निरीक्षण किया। निरीक्षण में जनसुनवाई के दौरान महिला आयोग की सदस्य पूनम कपूर ने महिला बंदियों से जानकारी ली कि जिला कारागार में कोई दिक्कत तो नही है जिस पर महिला बंदियों द्वारा बताया गया कि यहां पर सारी व्यवस्थायें सही है समय से प्रातः काल का नास्ता, दोपहर का भोजन, सांय काल का भोजन मिलता है तथा स्वेटर, कंबल आदि सही मिलता है किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत नही होती है। निरीक्षण के दौरान महिला बंदियों द्वारा बताया गया कि प्रातःकाल का नास्ते में दलिया, गुड, चाय मिलता है। इसी प्रकार दोपहर के भोजन में उरद, चना, दाल, मूली सब्जी, रोटी मिलती है तथा सायं काल का भोजन में मसूर दाल, आलू गरम साग सब्जी, रोटी आदि मिलती है। महिला आयोग की सदस्य ने जिला कारागार में बने अस्पताल, किचेन, फ्रीजर आदि का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण में महिला बन्दी 66 मिली महिला बन्दियों के साथ रह रहे बच्चों की संख्या 11मिली। जेलर द्वारा बताया गया कि कुल बन्दी 1379 है जिसमें किशोर बन्दी 33, सिद्धदोष बन्दी महिला 13 व पुरुष 272 है। इसी प्रकार विचाराधीन बन्दी पुरुष 1008 तथा महिला 53 है। महिला आयोग की सदस्य ने जिला कारागार की सारी व्यवस्थायें ठीक पाये जाने पर जेल अधिकारी की प्रशंसा भी की। निरीक्षण के दौरान जेलर कुश कुमार सिंह, उप जेलर कुंवर रणजय सिंह व राजेश राय, मिथलेश सिंह, चिकित्साधिकारी पवन कुमार आदि अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं महिला आयोग की सदस्य ने सर्किट हाउस में जन सुनवाई की। जन सुनवाई के दौरान उन्होंने क्षेत्राधिकारी, महिला थाना निरीक्षक, महिला हेल्पलाइन आदि को निर्देशित किया कि महिलाओं के प्रकरण में किसी की कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। पीड़ित महिलाओं की शिकायतों की सुनवाई कर एक सप्ताह के भीतर करके प्रकरण निस्तारित करें। इस मौके पर जिला प्रोबेशन अधिकारी गिरिजा शंकर सरोज, क्षेत्राधिकारी अर्पित कपूर, महिला थाना निरीक्षक दुर्गा धीमांग आदि अधिकारीगण उपस्थित रहे।

120 रुपए के लिए किशोर की गला दबाकर हत्या

- चिल्ला थाना क्षेत्र के सादीमदनपुर गांव में हुई घटना
- साथियों ने ही रुपयों के बटवारे को लेकर मार डाला

बांदा । चिल्ला थाना क्षेत्र के सादीमदनपुर गांव में सनसनीखेज एक वारदात में साथियों ने ही महज 120 रुपए के बटवारे के लिए अपने ही किशोर उम्र साथी की गला दबाकर हत्या कर दी और मौके से भाग निकले। परिजनों को बेटे की हत्या की जानकारी हुई तो कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। इसके बाद आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। सादी मदनपुर गांव निवासी मोहम्मद हुसैन (17) पुत्र यासीन शाह तीन दिन पूर्व अपने दोस्त आरिफ और सरवर के साथ घूम रहा था। इसी दौरान आरिफ ने मोहम्मद हुसैन की जेब में यह कहते हुए रुपए डाल दिया कि उसने 120 रुपए उसकी जेब में डाल दिए हैं। इसके बाद बात खत्म हो गई। अगले दिन आरिफ ने हुसैन से अपने 120 रुपए मांगे।

हुसैन ने कहा कि उसकी जेब में एक भी रुपया नहीं था। इसी बात को लेकर आरिफ और हुसैन के बीच कहासुनी भी हुई थी। लेकिन मामला शांत हो गया था। बताते हैं कि मंगलवार को गांव में आदिल नाम के युवक की शादी थी। आरिफ और सरवर हुसैन को लेकर शादी में जाने के लिए निकले। शादी में न जाकर सरवर और आरिफ हुसैन को गांव से तकरीबन तीन किलोमीटर दूर ले गए।

वहां पर सुनसान इलाके में आरिफ ने हुसैन से उसकी जेब में डाले गए 120 रुपयों की मांग की। हुसैन ने कहा कि उसकी जेब में रुपए थे ही नहीं तो वह कहां से दे दे। इसी बात को लेकर कहासुनी हो गई और हुसैन की गला दबाकर हत्या कर दी गई। हत्या करने के बाद आरोपी मौके से भाग निकले। इधर जब शाम तक हुसैन अपने घर नहीं पहुंचा तो परिवार के लोगों ने ढूंढ़ना शुरू किया। गांव से तकरीबन तीन किलोमीटर दूरी पर झाड़ियों के समीप हुसैन का शव बरामद हुआ। परिवारीजनों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इधर, पुलिस ने आरिफ और सरवर को पकड़ लिया और सख्ती से पूछताछ की तो राज खुलकर सामने आ गया।

दुष्कर्म के बाद युवती का बेरहमी से कत्ल

- युवती का दाहिना हाथ भी काटकर ले गए हत्यारे
- देहात कोतवाली क्षेत्र के बिलवई गांव में मिला शव
- शव की नहीं हो सकी शिनाख्त, कपड़े बरामद
- पुलिस अधीक्षक ने मौके पर पहुंचकर किया निरीक्षण

बांदा । रात के सन्नाटे में वहसी दरिंदों ने एक युवती के साथ न सिर्फ दुष्कर्म किया बल्कि उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। हत्यारे इतने निर्दयी थे कि युवती का दाहिना हाथ तक काटकर ले गए। सुबह होने पर पुल के नीचे पड़े बेपर्द क्षत–विक्षत शव को देखकर हड़कंप मच गाय। खबर पाकर मौके पर पुलिस पहुंची। पुलिस अधीक्षक मौके पर पहुंचे और बारीकी से मौका मुआयना किया। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। लेकिन शव की अभी तक शिनाख्त नहीं हो सकी है। देहात कोतवाली क्षेत्र के बिलवई गांव से तकरीबन दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक नहर पुल के नीचे 26 वर्षीय युवती का बेपर्द शव बरामद हुआ। दाहिना हाथ भी काट ले गए। शव बुधवार की सुबह वहां से निकले लोगों ने देखा तो हड़कंप मच गया। खबर पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस अधीक्षक गणेश साहा मौके पर पहुंच गए और बारीकी के साथ घटनास्थल का मुआयना किया है। घटनास्थल पर खून के छीटे और युवती के कपड़े बरामद हुए हैं। हालांकि शव की अभी तक शिनाख्त नहीं हो सकी है। हत्यारे इतने निर्दयी थे कि युवती का हाथ भी काट ले गए। पर आई खरोंचों और हालात को देखकर यह स्पष्ट हो रहा था कि पहले युवती के साथ दुष्कर्म किया गया, इसके बाद उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई। हत्यारों की संख्या एक से अधिक आंकी जा रही है। एसओ देहात कोतवाली का कहना है कि बहुत ही निर्मम तरीके से युवती की हत्या की गई है। उन्होंने बताया कि शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है।

वर्ल्ड विजन इंडिया की ओर से पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

लखनऊ । शहरी इलाकों में कुछ बच्चे ऐसे भी हैं जिनके पास रहने के लिए छत नहीं है ये झुग्गियों में या सड़क पर रहकर गुजर बसर कर रहे हैं। वर्ल्ड विजन इंडिया की ओर से पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। बस्तियों में रह रहे बच्चों को अपने जन्म दिवस की भी जानकारी नहीं थी। अधिकतर बच्चे ऐसे थे जिन्होंने कभी अपना जन्मदिन नहीं मनाया। कार्यशाला के आखिरि दिन बच्चों ने साथ मिलकर अपना जन्मदिन मनाया। सभी ने केक काटकर संस्था के साथ हाथ मिलाया। बस्तियों में तीन हजार बच्चों ने बाल अधिकारों पर हुई कार्यशाला में हिस्सा लिया। लखनऊ की चालीस बस्तियों में कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में तीन से अठारह साल तक के बच्चों के लिए विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों ने लाइव सेशन का आयोजन किया।

मेरा परिवार मेरी दुनिया थीम के इर्द गिर्द कार्यशाला के कार्यक्रमों को बनाया गया। कार्यशाला के दौरान बच्चों ने स्वीकार किया कि कई बार उनके साथ शोषण हुआ पर समाज के डर से बच्चों ने अपनी आवाज दबाकर रखी। वर्ल्ड विजन की कार्यशाला में बच्चों ने अपनी शिक्षा पूरी करने और अत्याचारों के खिलाफ अपनी आवाज उठाने की शपथ ली। बच्चों को सही और गलत टच के बारे में बताया गया।

दिल का दौरा पड़ने से नलकूप चालक की मौत

बांदा । ड्यूटी के दौरान नलकूप चालक को दिल का दौरा पड़ गया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। ग्रामीणों ने देखा तो परिवारीजनों को सूचना दी।

मौके पर पहुंचे परिवार के लोग उसे स्वास्थ्य केंद्र तिंदवारी ले गए, वहां उसकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिवारीजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। तिंदवारी थाना क्षेत्र के जसईपुर गांव निवासी जगराम (58) पुत्र हनुमान यादव भुजरख और लोहारी गांव में नलकूप चलाने का काम करता था। भुजरख गांव में ड्यूटी के दौरान जगराम को दिल का दौरा पड़ गया। आसपास मौजूद लोगों ने देखा तो जगराम को संभाला और परिवारीजनों को सूचना दी। खबर पाकर मौके पर पहुंचे परिवार के लोग आनन–फानन में जगराम को उठाकर स्वास्थ्य केंद्र तिंदवारी ले गए, वहां पर चिकित्सक ने जगराम को मृत घोषित कर दिया। खबर पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम हाउस में मृतक के पुत्र अश्वनी ने बताया कि उसकी तीन बहनों में दो की शादी हो चुकी है। एक बहन शादी के योग्य है। उसके पिता ने इलाहाबाद बैंक शाखा से एक लाख रुपया का कर्ज भी ले रखा था। अचानक हुई इस घटना से परिवारीजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

सड़क किनारे खाईं में गिरी बाइक, युवक की मौत

- बाइक सवार दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल
- तिगरिया नाले के समीप मंगलवार रात हुई दुर्घटना

बांदा । अतर्रा थाना क्षेत्र के उमरेहंडा गांव से बाइक में सवार होकर सोमवार की रात को बिसंडा की ओर जा रहे बाइक सवार दो युवकों की बाइक अनियंत्रित होकर तिगलिया नाले के पास अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाईं में गिर गई। इस दुर्घटना में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरा युवक भी अचेत हो गया। जब वह होश में आया तो आधीरात के बाद उसने घरवालों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने पुलिस की मदद से दोनो को जिला अस्पताल लाया गया, जहां पर चिकित्सकों ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम कराया है। घायल का उपचार जिला अस्पताल में किया जा रहा है।

अतर्रा थाने के बिहारी का पुरवा निवासी शारदा (35) पुत्र रामदयाल की शादी उमरेहंडा गांव में हुई थी। शारदा अपने ससुर सांवले प्रसाद का ट्रैक्टर चलाकर अपना भरण पोषण करता था। वहीं रहता भी था।

सोमवार को खेतों की जुताई करने के बाद वह ट्रैक्टर लेकर शाम के समय उमरेहंडा पहुंचा। सांवले प्रसाद की बिल्डिंग की दुकान भी है। वहां मोहित (18) नाम का एक कर्मचारी काम करता था। शारदा मोहित को बाइक में बैठाकर बिसंडा के लिए रवाना हो गया। बाइक सवार शारदा और मोहित अभी तिगलिया नाले के पास ही पहुंचे थे कि अचानक उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे तकरीबन 15 फिट की खाईं में जा गिरी।

इस दुर्घटना में शारदा गंभीर रूप से घायल हो गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जबकि हादसे में मोहित भी अचेत हो गया। आधी रात को जब मोहित को होश आया तो उसने परिवारीजनों को जानकारी दी। खबर पाते ही शारदा के घरवाले मौके पर पहुंचे और दोनों को उठाकर स्वास्थ्य केंद्र ले आए। वहां पर चिकित्सकों ने शारदा को मृत घोषित कर दिया और मोहित का उपचार किया जा रहा है। शारदा की मौत की खबर मिलते ही परिवारीजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम हाउस में परिवारीजनों ने बताया कि मृतक के दो बच्चे हैं। पत्नी सहोद्रा सहित समेत परिवारीजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

दनकौर में निकली भाजपा की कमल सन्देश यात्रा, केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा हुए शामिल

ग्रेटर नोएडा । कमल संदेश पद यात्रा निकालकर भाजपाइयों ने लोगों को केंद्र और प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी. इस मौके पर क्षेत्रीय सांसद डॉ. महेश शर्मा और जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह जिलाध्यक्ष विजय भाटी भी मौजूद रहे. उन्होंने नरेंद्र मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री बनाने के लिए जुट जाने का आह्वान किया. दनकौर में केंद्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा और विधायक धीरेन्द्र सिंह का कमल संदेश पद यात्रा के तहत दनकौर के मेन बाजार में अभूतपूर्व सभी समुदाय के व्यापारियों ने फूल माला व शॉल ओढ़ा करके स्वागत किया. इस मौके पर उनके साथ जिलाध्यक्ष विजय भाटी भी मौजूद थे। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री डॉ महेश शर्मा ने बताया इस कमल संदेश यात्रा का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा की गई घोषणाओं को जन आकांक्षाओं को जन–जन तक पहुंचाना है. इस मौके पर जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि हमारी सरकार की योजनाओं का सर्वजन को लाभ मिल रहा है .

इस मौके पर जिलाध्यक्ष विजय भाटी ने कहा कि कार्यकर्ता केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों को जन जन तक पहुंचाएं।

यह कार्यक्रम सर्वप्रथम बिजली घर पर केंद्रीय मंत्री डॉ महेश शर्मा व विधायक जेवर धीरेन्द्र सिंह ने किया. इसके बाद मुहफाड गांव में जाकर ग्रामीणों की समस्याओं को सुना. फिर कार्यालय दनकौर नगर पंचायत आए लाभार्थियों को लाभ के प्रपत्र दिए. उसके बाद द्रोणाचार्य मंदिर से कमल सन्देश यात्रा निकाली गई. इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष मास्टर अजय भाटी अधिशासी अधिकारी भोलानाथ कुशवाहा ने केंद्रीय मंत्री डॉ महेश शर्मा को अभूतपूर्व स्वागत किया इस मौके पर ठाकुर राजवीर सिंह पंकज कौशिक हरिदत्त शर्मा रसूला भाई जगदीश सैनी सोनू वर्मा सर्वेद्र कपासिया रामपाल प्रजापति जगदीश मित्तल अतुल मित्तल निजाम खां मिथिलेश गौतम गोपाल कृष्ण बजाज योगेश बाबूजी रसूला भाई,नासिर अब्बासी, आरिफ मलिक, जगदीश सैनी विमल गर्ग नवीन पंडित विवेक कसाना ,नितिन मेंबर राजपाल मेंबर ललित कुमार सभासद कुशाग्र शर्मा मौजूद रहे।

कामगार महिलाओं ने जूरी के सदस्यों के सामने दिक्कतों को बयां किया

लखनऊ । घरों में काम करने वाली महिलाओं को छोटी से गलती पर काम से निकाल दिया जाता है। उनके साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार किया जाता है। वेतन इतना कम मिलता है कि परिवार चलाना मुश्किल है।

राष्ट्रीय घरेलू कामगार संगठन उप्र की ओर से अंतर्राष्ट्रिय बौद्ध शोध संस्थान में बुधवार को आयोजित जनसुनवाई में कामगार महिलाओं ने जूरी के सदस्यों के सामने अपनी–अपनी दिक्कतों को बयां किया। रूपा ने बताया कि घरेलू कामगार महिलाओं की सबसे बड़ी समस्या यह है कि उनको छोटी सी गलती होने पर काम से निकाल दिया जाता है।

मानसी देवी ने बताया कि भेदभावपूर्ण व्यवहार किया जाता है। रेनू देवी का कहना है कि घरेलू कामगारों पर अक्सर झूठे आरोप लगा दिए जाते हैं। निर्मला देवी ने बताया कि खुद का घर न होने से खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

प्री-वेडिंग डाइट प्लान, परफेक्ट बॉडी शेप के लिए करें फॉलो

शादी का सीजन जोरों–शोरों से चल रहा है। शादी से पहले लड़कियों को सबसे ज्यादा इस बात की टेंशन होती है कि कहीं वह लहंगे में ज्यादा मोटी ना लगे। इसके चक्कर में लड़कियां शादी से पहले एक समय का खाना छोड़ देती हैं या हार्ड वर्कआउट करने लगती हैं लेकिन इससे शरीर में सिर्फ कमजोरी आती है और चेहरे का ग्लो भी छिन जाता है। आज हम आपको बताएंगे स्पेशल डाइट के बारे में बताएंगे, जिससे वेडिंग डेट्स के हिसाब से फॉलो करके आप मनचाहा फिगर पा सकती हैं।

शादी से 6 महीने पहले का डाइट प्लान

अगर आपकी शादी को 6 महीने पड़े हैं तो आप बिना किसी टेंशन के सिर्फ इस डाइट चार्ट को फॉलो करती रहें। इससे ना सिर्फ आपका वजन कम होगा बल्कि वह कंट्रोल में भी रहेगा।

मार्निंग व ब्रेकफास्ट में क्या खाएं?

सुबह सबसे पहले आप ग्रीन टी के साथ 5–6 भीगे हुए बादाम लें। इसके बाद ब्रेकफास्ट में वेजी ओट्स, इडली सांभर, 3 एग व्हाइट का आमलेट और संतरे का फ्रेश जूस लें।

स्नैक्सः मूंगफली, चने व अंकुरित दाल का सलाद लें।

लंच

लंच में आप दाल व सब्जी के साथ रोटी या चावल खाएं।

स्नैक्सः फलों का सलाद, मुट्ठी भर नट्स या मक्खाने खाएं।

डिनर

रात के खाने में ग्रिल्ड व रोस्टेड चिकन या सब्जियां, पोटेटो मैश, बेसन चीला, मेथी की रोटी, दाल और सब्जी खाएं।

शादी से 3 महीने पहले का डाइट चार्ट

शादी से 3 महीने पहले आप इस डाइट चार्ट को फॉलो करके अपने वजन को कंट्रोल कर सकती हैं। साथ ही इससे आपके चेहरे पर ग्लो भी बना रहेगा।

मार्निंग व ब्रेकफास्ट

ग्रीन टी के साथ भीगे हुए बादाम व 1 केला सुबह खाएं। फिर ब्रेकफास्ट में होल वीट टोस्ट, एग व्हाइट, ओट्स चीला, पोहा और इडली सांभर लें।

स्नैक्सः फ्लेवर्ड योगर्ट, लेट्स के पत्तों का या फ्रूट सलाद

लंच

लंच में दाल, सब्जी, रोटी व चावल खाएं।

स्नैक्सः उबला अंडा, चना या सब्जियों का मिक्स सलाद

डिनर

फ्राई सब्जियां (चिकन व मछली के साथ या उसके बिना), 1 बाउल ब्राउन राइस, 1 बड़ी कटोरी दाल, सब्जी और सलाद रात को खाने में खाएं।

शादी से 1 महीने पहले का डाइट प्लान

अगर आपकी शादी को सिर्फ 1 महीना बचा है तो परेशान ना हो और सिर्फ इस डाइट चार्ट को फॉलो करें। इससे आप वेडिंग डेट तक मनचाहा फिगर पा सकती हैं।

मार्निंग व ब्रेकफास्ट

सुबह सबसे पहले ग्रीन टी के साथ 1 केला या सेब खाएं। इसके बाद नाश्ते में बनाना स्मूदी, बादाम 1 उबले अंडे और वेजिटेबल सलाद खाएं।

स्नैक्सः पीनट सलाद

लंच

दोपहर को दाल–सब्जी के साथ रोटी या चावल खाएं।

स्नैक्सः छाछ पीएं व मुट्ठी नट्स खाएं।

डिनर

रात को खाने में आप ग्रिल्ड सब्जियां (चिकन व मछली के साथ या उसके बिना), 1 कटोरी ब्राउन राइस खिचड़ी, 2 मल्टीग्रेन रोटी, दाल व सब्जी खा सकती हैं।

शादी के 10 दिन पहले का डाइट चार्ट

अगर आपकी शादी को 10 दिन बचे हैं तो भी आप इस स्पेशल डाइट को फॉलो करके स्लिम फिगर के साथ ग्लोइंग स्किन पा सकती हैं।

मार्निंग व ब्रेकफास्ट

सुबह 1 ग्रीन टी पीएं। उसके बाद ब्रेकफास्ट में पपीता, 1 केला और पालक स्मूदी पीएं।

स्नैक्सः 2 उबले अंडे और चनों का सलाद

लंच

दोपहर को दाल–सब्जी के साथ रोटी या चावल खाएं।

स्नैक्सः 1 गिलास छाछ

डिनर

शाम 7.30 बजे से पहले डिनर करें। आप बेक्ड चिकन विद सैलेड, एक बड़ी कटोरी दाल, सब्जी और वेजिटेबल सलाद ले सकती हैं।

इन बातों का भी रखें ध्यान

शाम 7.30 से पहले डिनर करें।

रोजाना कम से कम 45 मिनट एक्सरसाइज जरूर करें।

दिनभर में रोजाना कम से कम 2 लीटर और ज्यादा से ज्यादा 4 लीटर पानी जरूर पीएं।

शराब से परहेज करें क्योंकि इससे आंखों के नीचे सूजन की समस्या हो सकती है।

खुद को तनावमुक्त और खुश रखें।

सेहत से है प्यार तो खाना पकाते समय न करें ये गलतियां

हर किसी के खाने पकाने का तरीका अलग–अलग होता है। सब्जी के पौष्टिक गुणों को बरकरार रखने के लिए उसे बनाने की सही विधि का पता होना बहुत जरूरी है। ज्यादा विटामिन्स या मिनरल्स का फायदा एक साथ पाने के लिए हम एक साथ कई सब्जियों को मिलाकर पका लेते हैं लेकिन हो सकता है कि इनका गलत कंबीनेशन फायदे कि जगह आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा रहा हो। जैसे सी–फूड्स के साथ दही, दूध के साथ फल, शहद के साथ मक्खन आदि ऐसी बहुत चीजें हैं जिनका एक साथ सेवन करना सेहत के लिए हानिकारक है। इसके अलावा इन्हें पकाने का सही तरीका पता होना भी बहुत जरूरी है।

सही तरीके से पका कर खाएं ये आहार

चिकन हो या वेजिटेरियन फूड्स इन्हें पकाने के लिए कुछ खास बातों के ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है ताकि खाने में मौजूद विटामिन्स और खनिज को सही पोषण शरीर को मिलता रहे।

कम नमक मिलाएं

नॉनवेज बनाते समय इस बात का ख्याल रखें कि इसका फ्लेवर मसालों से ही आता है इसलिए इसमें ज्यादा नमक न मिलाएं। इसकी बजाए सब्जी में नींबू और हर्ब्स डालने से पौष्टिकता बरकरार रहती है।

सही तरीके से पकाएं नॉनवेज

इसे पकाते समय कम तेल का इस्तेमाल करें, इसे फ्राई करने की बजाय ग्रिलिंग, रोस्टिंग, बेकिंग और उबालना बेस्ट रहता है। नॉन वेज फ्राई करने से इसके पौष्टिक तत्व नष्ट हो जाते हैं।

दालें और स्प्राउट्स

दालें और अंकुरित अनाज सेहत के लिए बहुत लाभकारी माने जाते हैं लेकिन इन्हें सिर्फ भिगोकर खाना सही नहीं है। इससे बदहजमी हो सकती है, भिगोने के बाद इसे पका कर खाएं। जब अनाज अंकुरित हो जाता है तो इसे स्टीम द्वारा पका कर खाना भी फायदेमंद है।

सब्जियां

शिमला मिर्च, पालक, बीन्स, अंडे, कलेजी आदि में फाइबर,विटामिन बी और सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। जब ये सब्जियां ज्यादा देर तक पकाई जाती हैं तो इनके पौष्टिक तत्व नष्ट हो जाते हैं। इनकी पौष्टिकता बरकरार रखने के लिए हल्की स्टिम देकर ही इन्हें पकाना अच्छा रहता है।

सी–फूड और मीट

आयरन और प्रोटीन से भरपूर ये नॉन–वेजीटेरियन फूड्स सेहत के लिए बहुत फायदेमंद हैं लेकिन इन्हें कच्चा खाने से फूड प्वाइजनिंग भी हो सकता है। इसे अच्छी तरह पका कर ही खाना चाहिए। इन चीजों को माइक्रोवेव,तंदूर या कम आंच पर पका कर खाएं। इससे खाने का स्वाद भी बढ़ेगा और प्रोटीन की मात्रा भी बरकरार रहेगी।

एक साथ न खाएं ये चीजें

कुछ चीजों की तासीर गर्म तो कुछ की ठंडी होती है। ऐसे में इनका एक साथ सेवन करने से नुकसान हो सकता है।

दही के साथ क्या न खाएं?

दही में खटास होती है और आयुर्वेद के अनुसार इसकी तासीर गर्म होती है। दही को फलों से साथ न खाएं, इनके अलग–अलग एंजाइम पचाने में मुश्किल पैदा करते हैं। मछली के साथ भी दही नहीं खाना चाहिए। असके अलावा पूरी या बाकी तली हुई चीजों के साथ इसका सेवन करने से पाचन क्रिया में गड़बड़ी पैदा हो सकती है। खजूर और दही के पौष्टिक तत्व भी अलग–अलग होते हैं। इनका एक साथ सेवन नहीं करना चाहिए।

दूध के साथ न खाएं ये आहार

दूध के साथ नमकीन नहीं खानी चाहिए। इससे दूध के प्रोटीन नष्ट हो जाते हैं। इसके अलावा दूध के साथ फल मिलाकर खाने से दूध में मौजूद कैल्शियम फलों के एंजाइम को सोख लेता है, इससे शरीर को पर्याप्त पोषण नहीं मिल पाता। हरी पत्तेदार सब्जियां, अंडा, मीट, चिकन खाने के एकदम बाद भी दूध का सेवन नहीं करना चाहिए।

शहद के साथ ये आहार खाने से करें परहेज

शहद को गर्म करने नहीं खाना चाहिए इसे उसके कुदरती एंटी ऑक्सीडेंट गुण खत्म हो जाते हैं। इसके अलावा शहद के साथ मक्खन, शहद के साथ घी, और शहद के साथ पानी मिलाकर खाने से भी सेहत को नुकसान होता है।

संतरा और केला न खाएं एक साथ

फ्रूट सलाद खा रहे हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि संतरा और केला एक साथ न खाएं। खट्टे फल और मीठे फल से निकलने वाली शुगर अलग–अलग तरह की होती है। इससे पौष्टिकता नष्ट होने के साथ–साथ पाचन क्रिया में भी गड़बड़ी पैदा हो जाती है।

इन 8 बीमारियों का संकेत हैं समय से पहले बालों का सफेद होना

सफेद बाल बुढ़ापे की निशानी मानी जाती है लेकिन आजकल समय से पहले ही लोगों के बाल सफेद होना शुरू हो जाते हैं। समय से पहले ही बालों में सफेदी आने का सबसे बड़ा कारण तनाव, खान–पान की गलत आदतें व प्रदूषण है। मगर इसके अलावा कुछ बीमारियां ऐसी हैं, जिनके कारण समय से पहले ही बाल सफेद हो जाते हैं। बालों को देखकर आप उन बीमारियों के बारे में पता भी लगा सकते हैं। चलिए जानते हैं कि समय से पहले बाल सफेद होना किन बीमारियों का संकेत है।

दिल के रोगों का संकेत

एक अध्ययन की रिपोर्ट के अनुसार, बालों का असमय सफेद होना हृदय रोग की ओर संकेत करता है। शोध के निष्कर्षों से पता चलता है कि उम्र कम होने के बावजूद बालों में सफेदी व्यक्ति की जैविक उम्र को बयां करती है और यह हृदय रोग की चेतावनी का संकेत हो सकता है।

थायराइड की समस्या

थायराइड डिसऑर्डर, हाइपोथायरायडिज्म व हाइपरथायरायडिज्म के कारण बालों का रंग उड़ने लगता है, जिसके कारण वह धीरे–धीरे सफेद होने लगते हैं। ऐसे में अगर आपके बाल सफेद होने के साथ–साथ तनाव, कमजोरी, थकान, पेट में दर्द और वजन बढ़ना या घटने जैसे लक्षण दिखाई दें तो तुरंत चेकअप करवाएं।

फंगल इंफेक्शन

बालों की ठीक से सफाई ना करने पर स्कैल्प में फंगल इंफेक्शन की समस्या हो जाती है। बार–बार यह प्रॉब्लम होने के कारण बाल सफेद होने लगते हैं। ऐसे में आपको चेकअप करवाकर प्रोपर ट्रीटमेंट लेना चाहिए। साथ ही बालों की सफाई का भी ध्यान रखएं।

एनीमिया

अगर आपके बाल समय से पहले ही सफेद हो रहे हैं तो यह एनीमिया का संकेत हो सकता है। दरअसल, खून की कमी के कारण शरीर के अधिकांश भागों में ऑक्सीजन की आपूर्ति कम हो जाती है, जिस वजह से भी बाल सफेद होते हैं।

हार्मोन असंतुलन

बालों का सफेद होना और हेयरफॉल की प्रॉब्लम होना हार्मोन्स असंतुलन का संकेत भी होता है। ऐसे में अगर आपके बाल सफेद हो रहे हैं तो किसी डॉक्टर से टेस्ट करवा लें।

जिंक की कमी

शरीर में जिंक की कमी के कारण भी बाल सफेद होना और हेयरफॉल जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में अपनी डाइट में जिंक से भरपूर चीजों को शामिल करें और शरीर में जिंक की मात्रा कम न होने दें।

विटामिन बी 12 की कमी

बालों का कतेजी से सफेद होना विटामिन बी12 की कमी का संकेत भी हो सकता है। विटामिन बी की कमी से पनीशियस एनीमिया की शिकायत हो जाती है, जिससे बाल सफेद होने लगते हैं।

तनाव या डिप्रेशन

बालों का सफेद होना तनाव या डिप्रेशन का संकेत भी हो सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि ज्यादा टेंशन लेने से बालों को काला रखने वाले मेलेनिन नामक तत्व का स्त्राव प्रभावित हो जाता है, जिससे बाल सफेद होने लगते हैं।

अभ्यर्थी फल फूडो का प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते है : प्रधानाचार्य

कानपुर देहात । प्रधानाचार्य राजकीय खाद्य विज्ञान प्रशिक्षण केन्द्र कानपुर 110ध्25–26 द्वितीय तल नेहरू नगर सरवन टेन्ट हाउस के पास 80 फीट रोड कानपुर नगर द्वारा एक मासीय अल्पकालीन बेकरी तथा एक मासीय अंशकालिक सम्मिलित प्रशिक्षण अतिशीघ्र संचालित किया जायेगा। इच्छुक अभ्यर्थी जो प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते है कार्यालय दिवस में आकर जानकारी प्राप्त कर सकते है। जिसमें प्रशिक्षार्थियों को जैम, जैली, अचार, मुरब्बा, विभिन्न प्रकार से फल तथा सब्जियों को संरक्षित करना केक, बिस्किट, ब्रेड, कुकीज एवं विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाकर स्वावलम्बी बनाने हेतु प्रशिक्षण दिया जायेगा। अधिक जानकार के लिए अरविन्द बाजपेयी प्रधानाचार्य राजकीय खाद्य विज्ञान प्रशिक्षण केन्द्र कानपुर नगर का मो0नं0 8787227152 पर सम्पर्क कर सकते है।

अवैध छुरी सहित दो गिरफ्तार

इटावा । गश्त के दौरान थाना पुलिस ने क्षेत्र के सन्तगोड आश्रम के पास दो व्यक्तियों को संदिग्ध अवस्था में घूमते देखा। पुलिस द्वारा संदेह पर दोनों व्यक्तियों को पकड़ लिया गया। तलाशी पर पुलिस ने दोनों व्यक्तियों के कब्जे से एक–एक अदद नाजायज छुरी बरामद कर दोनों अभियुक्तों को पकड़ लिया गया। पुलिस द्वारा पूछताछ पर अभियुक्तों ने अपना नाम शहजाद पुत्र कतलू निवासी दलेलनगर थाना अजीतमल जिला औरैया व शाहरुख पुत्र सिराज निवासी नौरंगाबाद थाना कोतवाली इटावा बताया। अतः दोनों अभियुक्तों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर दोनों को जेल भेज दिया गया।

प्राथमिक विद्यालय से सामना चोरी रिपोर्ट दर्ज

पछायगांव/इटावा । थाना क्षेत्र के अर्न्तगत स्थित अड्डा लखनपुरा प्राइमरी विद्यालय से चोर विद्यालय का ताला तोड़कर अनेक सामना चोरी कर ले गये। जानकारी होने पर सत्यवीर सिंह ने थाना क्षेत्र में अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। सत्यवीर सिंह ने बताया कि चोर रात्रि के समय विद्यालय का ताला तोड़कर विद्यालय की रसोई से मिड–डे मिल का सामान आदि चोरी कर ले गये। अतः थाना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली।

रेल मार्ग पर मरम्मत के कारण सडक यातायात 7 व 8 दिसम्बर को बन्द

कानपुर देहात । कि0मी0 1062ध्11–13 (अप तथा डाउन) रूरा यार्ड–अम्बियापुर के मध्य गेट नं0 94–बी के रेलपथ मरम्मत कार्य होना है जिसके कारण सड़क यातायात दिनांक 7 दिसम्बर से 8 दिसम्बर 2018 को गेट नम्बर 94–बी पर सडक यातायात बन्द करने का समय सुबह 11 बजे से शाम 18 बजे तक रहेगा। वैकल्पिक यातायात की व्यवस्था गेट नं0 91–सी तथा 92 सी रहेगी। यह जानकारी वरिष्ठ खण्ड अभियन्ता,रेलपथ,द्वितीय उत्तर मध्य रेलवे कानपुर ने दी है।

राजपाल को सम्बोधित कर डीएम को ज्ञापन सौंपा

इटावा । समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष गोपाल यादव व पूर्व सांसद प्रेमदास कठेरिया समेत कई सपा नेताओं ने इटावा धान केन्द्रों का दौरा किया। जहां धान केन्द्रों पर धान की खरीद न होने से किसान परेशान था। इस सम्बन्ध में सपा नेताओं ने किसानों की समस्याओं को देखते हुए धान ब्रिकी को लेकर एक ज्ञापन राज्यपाल को संबोधित कर डीएम सेल्वा कुमारी जे को ज्ञापन सौंपा।

छेड़छाड़ को लेकर रिपोर्ट दर्ज

इकदिल/इटावा । थाना क्षेत्र अर्न्तगत अड्डा सती निवासी 12 वर्षीय बालिका के साथ गांव के ही नामजद व्यक्ति ने छेड़छाड़ कर बालिका को जान से मारने की धमकी दी। तभी घटना के बारे में बालिका ने अपने परिवार वालों को अवगत कराया। इस सम्बन्ध में लड़की के पिता ने थाना क्षेत्र में नातजद व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कराया। बालिका के पिता ने बताया कि उनकी पुत्री पास के ही खेत में शौच किया के लिए गई हुई थी। तभी वहां मौजूद गांव के ही नामजद ने उनकी पुत्री के साथ जबरन छेड़छाड़ की।

अंशुल यादव ने ईट उद्ययोग का फीता काट कर किया शुभारम्भ

चकरनगर/इटावा । तहसील क्षेत्र चकरनगर कके ग्राम सिंडोस में किशन सिंह राजावत की मेसर्स सिंह कंकरीट ईट उदयोग का शुभारम्भ जिला पंचायत अध्यक्ष अभिषेक उर्फ अंशुल यादव ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर क्षेत्र के सैकड़ों लोग मौके पर उपस्थित रहे। इस मौके पर अंशुल यादव ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा किया।

उक्त कार्यक्रम के दौरान जिला अध्यक्ष के साथ पूर्व सांसद प्रेमदास कठेरिया, पूर्व ब्लाक प्रमुख विमल भदौरिया, सचिन यादव युवा नेता, बापू सहेल सिंह परिहार, पूर्व ब्लाक प्रमुख महिपाल सिंह यादव व प्रेमपाल दिवाकर, राजाराव सिंह राजवत का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इधर ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि शिव किशोर यादव, अपनी समूची टीम के साथ मौजूद दिखे। उनके साथ जिलाउपाध्यक्ष हेमरुद्र सिंह सेंगर, मुन्ना सिंह राजावत, लंकू यादव, गोविन्द यादव, राजेन्द्र यादव, शिवराज सिंह राजावत, जितेन्द्र यादव धुरंदर, मुनेश प्रधान ब्रजेश प्रधान पति, पटू यादव, गुर्जर समाज के अभिन्न अंग गब्बर सिंह गुर्जर, सतीश यादव, कल्लू परिहार, अमर सिंह प्रधान कुर्छा, चित्तर सिंह, सुलखान सिंह आदि सैकड़ों क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

प्राथमिकता के आधार पर विकास, निर्माण कार्यो में लागयें तेजी: डीएम

❑ जनपद में बिना लाइसेंस संचालित होने वाले अस्पताल को सीएमओ कराये बन्द: डीएम

कानपुर देहात । जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार परिसर में विकास कार्यो की मासिक बैठक की समीक्षा की। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिये कि जनपद में संचालित बिना लाइसेंस के अस्पतालों का निरीक्षण कर फर्जी तरीके से चला रहे अस्पतालों को बन्द कराये। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि जिला अस्पताल, महिला अस्पताल, स्वास्थ्य केन्द्र, उपकेन्द्रों पर दवाओं की उपलब्धता, चिकित्सकों की उपस्थिति शतप्रतिशत होनी चाहिए। जनता को हर हाल में हमें बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करानी है। महिला हेल्प लाईन के संबंध में आमजनमानस को जागरूक करने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार कराया जाए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि जनपद में किये जा रहे निर्माण कार्यो को समयसीमा के अन्दर कराये। उक्त समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने सीएमओ को निर्देश दिये कि जिला अस्पताल में दवा, डाक्टरों की उपस्थित रहे तथा जनपद में संचालित फर्जी तरीके से अस्पतालों का निरीक्षण कर फर्जी अस्पतालों को बन्द करायें तथा खसरा रूबैला टीकाकरण के लिए अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करे जिससे कि लोगों को जानकारी हो। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत के तहत लोगों को जागरुक करे तथा ब्लाकों आदि जगहों पर पेंटिग आदि के माध्यम से प्रचार प्रसार भी कराया जाये। डीपीआरओ को निर्देश दिए कि छूटे हुए शौचालयों को जल्द से जल्द निर्माण कराये जाये। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जो भी निर्माण कार्य चल रहे हैं, उनका गुणवत्तापूर्ण निर्माण होना चाहिए, शौचालय निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाये। संस्थागत प्रसव, टीकाकरण की प्रगति में सुधार करते हुए जेएसवाई भुगतान में तेजी लाई जाए। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत वाले विवाह कार्यक्रम हेतु सभी संबंधित अधिकारी तैयारी पूर्ण करना अभी से प्रारंभ कर दे। जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिये कि चल रहे आंगनबाडी निर्माण कार्यो में तेजी लाये तथा समय से निर्माण करायें। जिलाधिकारी ने बीएसए को निर्देश दिये कि बच्चों को स्वेटर, मोजा आदि समय से उपलब्ध करा दे। जिलाधिकारी ने विद्युत अधिकारी को निर्देशित किया कि विद्युत व्यवस्था पूरी तरह से दुरुस्त रहे तथा जहां कहीं भी तार ढीले है वहां पर तारों को कसा दिया जाये। उन्होंने ईओ, डीपीआरओ, लोक निर्माण विभाग आदि को निर्देश दिये है कि सड़को को गढ्ढा मुक्त करायें तथा कही कोई किसी भी प्रकार की समस्या नही होनी चाहिए। बैठक में समाज कल्याण, प्रोबेशन, दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग, जल निगम आदि विभागों की विस्तार से समीक्षा की गयी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी महेन्द्र कुमार राय, सीएमओ डा हीरा सिंह, डीडीओ अभिराम त्रिवेदी, पीडी शिव शंकर पाण्डेय, जिला सूचना अधिकारी वीएन पाण्डेय अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, नलकूप सहित अन्य विभागीय अधिकारी, कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि आदि मौजूद रहे।

पूर्व छात्रों ने अपना चौथा स्थापना दिवस मनाया

लखनऊ । 23 साल बाद जब लखनऊ विश्वविद्यालय मानव शास्त्र विभाग पूर्व छात्र दोबारा मिले तो मानो यादों का पिटारा खुल गया हो। कैंटीन की मस्ती से लेकर क्लास रूम की शरारतों जिक्र छिड़ गया। टीचर की डांट और उनके दिए गए इल्म को भी छात्रों ने साझा किया। बुधवार को मानव शास्त्र विभाग के पूर्व छात्रों ने अपना चौथा स्थापना दिवस मनाया। इस मौके पर कई पूर्व छात्रों को सम्मानित भी किया गया। इसमें मलेशिया की लिंकन यूनिवर्सिटी के प्रतिकुलपति व एलयू के पूर्व छात्र प्रो अमिया भौमिक भी शामिल थे। कार्यक्रम की शुरूआत एल्मनॉय संगठन के अध्यक्ष प्रो बीआरके शुक्ल ने दीप जलाकर किया।

संगठन की महासचिव व नारी शिक्षा निकेतन में शिक्षिका डॉ विभा अग्निहोत्री ने कहा कि ये कार्यक्रम पुरातन व नवीन छात्रों को जोड़ने वाली एक कड़ी है। एक दूसरे के अनुभव साझा करने से छात्रों को काफी फायदा मिलता है। कार्यक्रम में मानव शास्त्र विभाग के हेड प्रो यूपी सिंह ने छात्रों से पुरानी यादों को ताजा किया। इस मौके पर पूर्व छात्र डॉ विभा अग्निहोत्री, अलोक सहगल, प्रो अमिआ भौमिक, हरिशंकर तिवारी, रंजना सिंह, स्मिता पांडे, शैलेंद्र कुमार शर्मा, प्रोफेसर उदय प्रताप सिंह, राजकुमार वर्मा व विपिन सक्सेना व कुलदीप रस्तोगी को सम्मानित किया गया। छात्रों से भी हुए रूबरूइस मौके पर मलेशिया के लिंकन यूनिवर्सिटी में प्रतिकुलपति प्रो अमिया भौमिक का मानव शास्त्र के व्यापारिक पहलू पर आधारित एक व्याख्यान का आयोजन भी किया गया। इस मौके पर उन्होंने छात्रों को मानव शास्त्र की व्यापारिक पहलू पर छात्रों को गुर दिए।

दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज

भरथना/इटावा । कस्बा थाना क्षेत्र के इन्द्रानगर निवासी शिवांगी ने दहेज उत्पीड़न को लेकर पति व सुसराल वालों द्वारा प्रताड़ित किये जाने पर पति व ससुराल वालो के खिलाफ मामला दर्ज कराया। मामला दर्ज कराते हुए शिवांगी उर्फ प्रीति पत्नी रजनीश कुमार ने बताया कि उसके पिता ने उसका विवाह दिल्ली के अरिहन्त चौक मोहन गार्डन उत्तम नगर निवासी राकेश कुमार गुप्ता के पुत्र रजनीश कुमार गुप्ता के साथ किया था। वादिया ने बताया कि उसके पिता ने अपनी सामर्थ्य अनुसार शादी में दहेज भी दिया था। लेकिन शादी में मिले दहेज से उसका पति व ससुराल वाले खुश नहीं हुए और शादी के बाद से ही उससे दहेज की अतिरिक्त मांग करने लगे। वादिया द्वारा विरोध पर तथा मांग पूरी न होने पर पति व ससुराल वालों ने वादिया को प्रताड़ित कर उससे जान से मारने की धमकी देते हुए घर से निकाल दिया। अतः भरथना थाना पुलिस ने पीड़ित वादिया की तहरीर पर पति समेत चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली। पुलिस मामलें की जांच कर रही है।

सम्पादकीय

ताकि महागठबंधन न बने

पिछले सप्ताह निजामाबाद (तेलंगाना) की चुनावी रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चौंकानेवाला एक वक्तव्य दिया. उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में अखिलेश या मायावती से कोई दिक्कत नहीं है. पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी या वाम दलों से कोई समस्या नहीं है. कांग्रेस ही एक ऐसी पार्टी है, जिसको इस देश से सदा के लिए मिटा देना चाहिए. उन्होंने कहा कि बाकी सब स्वीकार्य हैं. कांग्रेस को छोड़ अन्य दलों के साथ मिलकर हम काम कर सकते हैं. साल 2013 से ही मोदी कांग्रेस–मुक्त भारत बनाने की घोषणाएं करते रहे हैं, किंतु भाजपा–विरोधी दलों के प्रति यह प्यार नया है. उत्तर प्रदेश में सपा और बसपा तथा पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस वर्तमान राजनीतिक स्थितियों में मोदी के सबसे बड़े प्रतिद्वंद्वी हैं.इन राज्यों में कांग्रेस आज भाजपा की मुख्य विरोधी नहीं है. साल 2019 में अगर उत्तर प्रदेश में उन्हें अपनी सीटें बचानी हैं और बंगाल में भाजपा को बढ़त दिलानी है, तो सपा–बसपा और तृणमूल कांग्रेस को शत्रु नंबर एक मानना होगा. तब मोदी ने उन्हें स्वीकार्य क्यों कह दिया?

नरेंद्र मोदी चतुर–सुजान राजनीतिक नेता हैं. वे कोई भी बात, तथ्यात्मक हो या निराधार, बिना सोचे–विचारे नहीं कहते. चुनावी सभाओं में तो वे साधकर निशाना लगाते हैं. विरोधी को परास्त करने के लिए बातों–जुमलों के नये–नये तीर छोड़ते हैं. इसलिए निजामाबाद की चुनावी रैली में उन्होंने जो कहा, उसका विशेष मंतव्य होगा. क्या मोदी यह कहना चाहते हैं कि 2019 में त्रिशंकु लोकसभा की स्थिति होने पर भाजपा अखिलेश, मायावती और ममता से हाथ मिलाने को तैयार हैं? क्या उनके इस वक्तव्य में यह देखा जाये कि आम चुनाव के बाद उन्हें नये सहयोगी दलों की जरूरत पड़ सकती है? यानी उन्हें लगता है कि भाजपा या वर्तमान एनडीए पूर्ण बहुमत नहीं पानेवाला है? निश्चय ही मोदी जैसे खांटी राजनेता और रणनीतिकार ऐसा संकेत कतई नहीं दे सकते. उन्हें सचमुच बहुमत न मिलने की आहट मिल रही हो, तब भी नहीं. यह तो अपनी कमजोरी जाहिर कर देने जैसा होगा. इसलिए मोदी ने निजामाबाद में जो कहा, वह कोई गहरी बात है. गौर किया जाये कि तेलंगाना में कांग्रेस, तेलुगु देशम पार्टी, भाकपा और तेलंगाना जन समिति का गठबंधन 'प्रजाकुटुमी' सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति के विरुद्ध चुनाव लड़ रहा है. भाजपा अकेले मैदान में है. इस गठबंधन को संभव बनानेवाले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और टीडीपी नेता चंद्रबाबू नायडू हैं. नायडू लोकसभा चुनावों में भाजपा के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता की पहल कर रहे हैं. नायडू साफ कहते हैं कि भाजपा के विरुद्ध विपक्षी एकता की धुरी कांग्रेस ही हो सकती है. जिस टीडीपी का जन्म कांग्रेस–विरोध के बीज से हुआ था, उसी का अब कांग्रेस के साथ आ जाना तेलंगाना और आंध्र में ही नहीं, बाकी देश में भी भाजपा के लिए खतरा बन सकता है. जल्दी ही भाजपा–विरोधी दलों के नेताओं की बैठक होनेवाली है.ममता बनर्जी, अखिलेश और मायावती भी भाजपा विरोध का झंडा उठाये हुए हैं. इनमें मायावती को छोड़कर बाकी दो कांग्रेस को साथ लेने के इच्छुक हैं. नायडू उसके साथ आ ही चुके हैं. बिहार में लालू यादव की पार्टी कांग्रेस के साथ है ही. अगर यूपी, बिहार, बंगाल जैसे बड़े राज्यों में भाजपा के मुकाबले तगड़ा गठबंधन बनता है, तो उसे काफी नुकसान होने के आसार हैं. उत्तर प्रदेश में सपा–बसपा बहुत मजबूत स्थिति में हैं. ऐसे ताकतवर क्षेत्रीय दलों का कांग्रेस से गठबंधन होना भाजपा–विरोधी मोर्चे को राष्ट्रीय स्वरूप और ताकत देता है. इसके उलट क्षेत्रीय दल अपने राज्यों में मजबूत होकर उभरे, तो भी उनकी कोई संयुक्त राष्ट्रीय ताकत नहीं बनती. जरूरत पड़ने पर भाजपा का उन्हें अपने साथ लेने का विकल्प भी बना रहेगा. कांग्रेस इन दलों को जोड़नेवाली डोर बन गयी, तो भाजपा के मुकाबले राष्ट्रीय विकल्प बन सकता है. स्वाभाविक है, मोदी कभी नहीं चाहेंगे कि क्षेत्रीय दलों का ऐसा गठबंधन बने और कांग्रेस उसकी धुरी हो. इसलिए उनकी कोशिश है कि भाजपा–विरोधी ताकतवर क्षेत्रीय दल कांग्रेस से दूर ही रहें. इसलिए उनके प्रति थोड़ी नरमी दिखाना जरूरी है. इसलिए उत्तर प्रदेश में सपा–बसपा की तीखी आलोचना करते रहे मोदी को अब उन्हें स्वीकार्य कहना पड़ रहा है. कांग्रेस को देश की समस्त बुराइयों की जड़ बताकर मोदी इन क्षेत्रीय दलों को सचेत करना चाहते हैं कि उसके साथ न खड़े हों. क्षेत्रीय दलों को कांग्रेस से सावधान करनेवाली बातें मोदी पहले भी कहते रहे हैं. उन्होंने कांग्रेस के साथ गठबंधन में रहे दलों को कई बार याद दिलाया है कि कैसे वह पार्टी क्षेत्रीय नेताओं की उपेक्षा करती रही है. राजनीति में कांग्रेसी वर्चस्व के दिनों में ये क्षेत्रीय दल राज्यों की उपेक्षा और दादागिरी का आरोप लगाकर उसका विरोध करते रहे हैं. कई क्षेत्रीय दलों का जन्म कांग्रेस–विरोध से हुआ है. कांग्रेस को किसी गठबंधन से दूर रखने के लिए मोदी इन्हीं अंतरविरोधों को प्रकारांतर से सामने रख रहे हैं क्षेत्रीय दल कभी जो आरोप कांग्रेस पर लगाया करते थे, वैसा ही विरोध अब राष्ट्रीय पार्टी बन चुकी भाजपा को झेलना पड़ रहा है. हमारे संघीय ढांचे में किसी राष्ट्रीय दल की राजनीति की इस नियति के अपने कारण हैं. मोदीजी जो कह रहे हैं, उससे उनकी व्यग्रता ही प्रकट होती है. उनका सतत कांग्रेस भय बताता है कि उस पार्टी की जो जगह आज भाजपा ने ले ली है, वह वहां फिर काबिज हो सकती है.

जाति, गोत्र और धर्म का यह शोर!

कांग्रेस व भाजपा में इस वक्त धर्म, जाति व गोत्र पर जो बेहिस विवाद जारी है, वह न धर्म की परिभाषाओं के तहत है, न गुणों और मूल्यों को समर्पित। हिन्दू शास्त्रों में बताये गये धृति क्षमा दमोस्तेयं, शौचं इन्द्रियनिग्रहरू, धीर्विद्या सत्यं अक्रोधो, दसकं धर्म लक्षणम् में न तो ईश्वर में विश्वास शामिल है और न पूजापद्धति। ताकि धर्म व्यापक बनकर गुणों व मर्यादाओं का सृजन व रक्षा कर सके। तुलसीदास के रामचरितमानस में भी परहित सरिस धर्म नहिं भाई, परपीड़ा सम नहिं अधमाई कहकर धर्म को व्यापक ही बनाया गया है। धर्म दरअसल, वही है जो मनुष्यमात्र को उदात्त बनाये और उसके लिए सर्वथा लाभकारी हो। प्रसंगवश, जस्टिस वेंकेटचेलैया की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने अयोध्या विवाद पर विचार के वक्त विभिन्न धर्मों के पांच ऐसे उद्धरण दिये थे, जो धर्मनिरपेक्षता के पोषक और उसकी अनिवार्यता को चिन्हित करने वाले थे। सेवानिवृत्ति के बाद जस्टिस कुरियन ने भी संवाद माध्यमों से यही कहा था कि धार्मिक विवादों पर विचार के वक्त संविधान का अनुच्छेद–25 ऐसी लक्ष्मण रेखा है, जिसका उल्लंघन नहीं किया जा सकता। यही अनुच्छेद नागरिकों की अंतरूकरण की और धर्म के अबाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता को सुनिश्चित करते हुए कहता हैरू (1) लोक व्यवस्था, सदाचार, और स्वास्थ्य तथा अन्य उपबन्धों के अधीन रहते हुए सभी व्यक्तियों को अतरूकरण की स्वतंत्रता का और धर्म के अबाध रूप से मानने, आचरण करने और प्रचार करने का समान हक होगा। (2) इस अनुच्छेद की कोई बात किसी ऐसी विद्यमान विधि के प्रवर्तन पर प्रभाव नहीं डालेगी या राज्य को कोई ऐसी विधि बनाने से निवारित नहीं करेगी जो–(क) धार्मिक आचरण से सम्बद्ध किसी आर्थिक, वित्तीय, राजनीतिक, या अन्य लौकिक क्रियाकलाप का विनियमन या निर्बन्धन करती है। (ख) सामाजिक कल्याण और सुधार के लिए या सार्वजनिक प्रकार की हिन्दुओं की धार्मिक संस्थाओं को हिन्दुओं के सभी वर्गों और अनुभागों के लिए खोलने का उपबन्ध करती है। लेकिन राजनीतिक स्वार्थों पर आधारित संघर्ष में मुब्तिला ये दोनों बड़े दल ऐसे हिन्दू धर्म के नाम पर एक दूसरे को घेरना चाहते हैं, जो पहले तय मानकों के अनुसार धर्म ही नहीं है। इस धर्म में ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र चार वर्णों की व्यवस्था है, तो उन्हें व्याख्यायित भी किया गया है। श्ब्रह्मं जानाति यः सः ब्राह्मणः और क्षत्रायते इति क्षत्रियः जैसी व्याख्याओं को जातीय मान्यताओं का पोषक तो नहीं ही कहा जा सकता। क्योंकि कोई इन व्याख्यागत पहचानों से दूर है तो उस रूप में पहचान का दावा भी नहीं कर सकता। इन वर्णों के भीतर जातियों व उपजातियों का जन्म तो बाद में हुआ, जो मूल नहीं हैं। हिन्दू इस अर्थ में बड़ा व्यापक शब्द है, कि वह किसी जाति, आस्था या पूजापद्धति पर अवलम्बित नहीं है। तभी तो उसके षड्दर्शनों में न्याय, सांख्य और वैशेषिक को अनीश्वरवादी माना जाता है, जिसे लेकर कभी कोई विरोध नहीं हुआ, जबकि उनमें दिये गये सूत्रों, उनकी व्याख्याओं और अर्थों को लेकर निरंतर वैचारिक विमर्श होते रहे हैं। धर्मो रक्षति रक्षितरू में भी व्यापक अर्थों वाला धर्म ही है। जिस तत्व की हीनता से पदार्थ का अस्तित्व ही न रहे, वही मूलरूप में धर्म है। हमारे इतिहास में एक के बाद एक नये धर्मों का उदय होता रहा है। इसी क्रम में ढाई हजार साल पहले आये बौद्ध और जैन धर्मों में ईश्वर के बजाय प्रणेताओं को प्रमुख माना गया तो उनके खिलाफ अभियान भी चले। यह कहकर कि ये ब्राह्मण मान्यताओं के विरोधी हैं। लेकिन गौतम बुद्ध भारत में जन्म लेकर विदेशों में ज्यादा स्वीकार्य हुए और इस समय ईसाई व इस्लाम के बाद बौद्ध दुनिया का तीसरा बड़ा धार्मिक समुदाय है। हिन्दू धर्म उसके बाद आता है। पूजा पद्धतियों के आधार पर धर्म की परीक्षा हो तो याद रखना होगा कि मूर्तियों का जन्म तो काफी बाद में छठीं व सातवीं शताब्दी में हुआ, जबकि बौद्ध व जैन धर्मों में भी अहिंसा के साथ ही सत्य, दया, करुणा, स्नेह और मानवीयता को गुण माना गया है। कहा तो यह भी जाता है कि दो हजार साल पहले आये ईसाई धर्म में भी बौद्ध धर्म के दया, करुणा, स्नेह और अहिंसा जैसे गुणों को स्वीकार किया गया है। इसी प्रकार 1400 वर्ष पूर्व जन्मा इस्लाम भी व्यापक मनुष्य को ऊंचा बनाने, संकुचित धारणाओं से मुक्त करने तथा मूर्तिपूजा को अस्वीकार करने वाला बताया जाता है। सिख धर्म भी पूरे समाज को जोड़ने वाले गुणों का ही वाहक है। सो, किसी धर्म को आतंकवाद का पोषक व समर्थक कहना उचित नहीं है। आमतौर पर इसके लिए जो मिसालें प्रस्तुत की जाती हैं, वे गलत अर्थों व व्याख्याओं पर आधारित होती हैं। ऐसे में चुनावों के अवसर पर जाति, गोत्र व धर्म के नाम पर उठाया गया विवाद कैसे ग्राह्य हो सकता है या कि इसे समाज के विभाजन का लाभ उठाने के दूषित लोकतांत्रिक प्रयत्नों से अलग कैसे देखा जा सकता है? नये प्रयोग के रूप में जिसे साम्यवाद कहा जाता है, वसुधैव कुटुम्बकम के लिहाज से देखें तो वह वास्तव में परिवारवाद ही है। विश्व एक परिवार है तो उसमें क्षमतानुसार श्रम और योग्यतानुसार प्रतिपूर्ति ही उचित आदर्श होगा। हां, परिवार में बीमार, कमजोर व असमर्थ को अलग करने के बजाय उसकी आवश्यकताओं की खास तरह से पूर्ति कर उन दोषों का निवारण करना ही होगा, जो उसे अक्षम या बीमार बनाते हैं। इसी दृष्टिकोण से भारत के लोकतांत्रिक संविधान में आरक्षण की व्यवस्था की गयी है और उसका अर्थ आरक्षितों को अलग मानकर हमेशा के लिए अलग करना नहीं है। अस्पतालों में दाखिल रोगी अंततरू स्वस्थ होकर परिवारों को वापस ही होते हैं और परिवार की कल्पना का आधार भी जाति और गोत्र नहीं है। इसीलिए पिछड़ेपन को भी सामाजिक और शैक्षणिक आधार पर ही खोजा और माना जाता है कि यह मानव समाज की विकृति है, जिससे मुक्ति के लिए विशेष व्यवस्था की आवश्यकता है। राजनीतिक दलों की बात करें तो वे भी विभिन्न स्वार्थों पर आधारित होते हैं। कांग्रेस भी जाति और धर्म पर आधारित संगठन नहीं ही थी। 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बना तो उसे हिन्दुओं को जोड़ने वाला संगठन बताया गया था। इसके लिए हिन्दुओं को बांटने वाली विभिन्न आस्थाओं, पूजापद्धतियों और मान्यताओं से मुक्ति आवश्यक थी। लेकिन आरम्भ में ही मान लिया गया कि हिन्दू–मुसलमान दो अलग–अलग जातियां हैं, जो एक साथ रह ही नहीं सकती। इसलिए अलगाव ही विकल्प है। मुस्लिम लीग का जन्म तो 1932 में हुआ और उसके द्वारा देश के विभाजन की मांग बहुत देर में हुई।बहरहाल, इस समय भाजपा व कांग्रेस एक दूजे को अच्छा या बुरा, कट्टर या उदार हिन्दू बताने का जो अभियान चला रही हैं, वे खुद नहीं बता सकतीं कि वह किस प्राचीन हिन्दू मान्यता या शास्त्र के अनुरूप है। इस पर सम्यक विचार होगा तो उसकी उपयोगिता और सार्थकता पर प्रश्न चिन्ह लगेगा ही। कांग्रेस जैसी खुद को धर्मनिरपेक्ष बताने वाली पार्टी इस अंधी दौड़ में शामिल होकर कुछ जता रही है तो यही कि वह भी साध्य के लिए साधनों की पवित्रता आवश्यक नहीं मानती और कोई भी अनुचित साधन अपनाने को तैयार है।ऐसे में दो टूक कहें तो संविधान ही देश का सबसे बड़ा निर्णायक आधार है। ऐसे में जो लोग उसकी शपथ लेकर संकीर्णताओं के प्रतिपादक व प्रचारक बन गये हैं, वे सत्ता में है तो माना यही जायेगा कि संविधान के प्रति निष्ठा के विपरीत आचरण कर रहे हैं। कांग्रेस जैसे संगठन भी उन्हीं जैसा आचरण करेंगे तो उनकी श्रेष्ठता व विशिष्टता पर भी शंकाएं होंगी ही। इसलिए जाति, गोत्र और धर्म को आधार मानकर राजनीतिक लाभ पाने के जो प्रयत्न हो रहे हैं, उनकी समाप्ति होनी ही चाहिए।

जहां दफन कर दी गई अतीत की तल्खी

यह ऐसी जगह है, जिसकी चर्चा अब भारत और पाकिस्तान, दोनों में बहुत ज्यादा नहीं होती। हालांकि लाहौर के गुरुद्वारा शहीद गंज से दोनों ही मुल्क बहुत कुछ सीख सकते हैं। पाकिस्तान के सबसे पुराने शहर के नौलखा

बाजार में बने इस गुरुद्वारे के पिछली लगभग ढाई सदी के इतिहास में ऐसा बहुत कुछ है, जो हमें बताता है कि अतीत के तल्ख विवादों से कैसे निपटा जाता है?. कहा जाता है कि पुराने लाहौर में, जहां यह गुरुद्वारा है, वहां कभी एक मस्जिद हुआ करती थी, जो शायद 1653 के आस–पास कभी बननी शुरू हुई थी। यह उस समय की बात है, जब मुल्क के बादशाह शाहजहां ने अपने शहजादे दारा शिकोह को सूबेदारी सौंपकर लाहौर भेजा था। इस मस्जिद को अब्दुल्ला खान ने बनवाया था, जो कभी दारा शिकोह के खानसामा थे, बाद में वह तरक्की पाते हुए शहर कोतवाल बन गए। दिल्ली दरबार के सत्ता–संघर्ष में जब दारा शिकोह के छोटे भाई औरंगजेब ने सबको परास्त कर दिया, तो कहानी बदल गई। यह वह दौर था, जब मुगलों और सिख फौजों में लंबी लड़ाई शुरू हो चुकी थी। कहते हैं, तब यही वह जगह थी, जहां सिखों को पकड़कर लाया और प्रताड़ित किया जाता था। सिख इतिहासकार बताते हैं कि यहां पर बड़ी संख्या में सिखों को लाकर मारा गया। कहते हैं, इस मस्जिद के सामने चौराहे पर सिखों के स्थानीय नेता भाई तारू सिंह को औरंगजेब के सूबेदार मीन मन्नू ने अपने सामने इतना प्रताड़ित करवाया कि उनकी जान चली गई। बाद में जब पंजाब में सिखों का शासनकाल शुरू हुआ, तो इस चौराहे का नामकरण शहीद तारू सिंह चौक कर दिया गया। जहां मस्जिद थी, उसी परिसर में गुरुद्वारा शहीद गंज बनाया गया। 1849 में महाराजा रणजीत सिंह के निधन के बाद जब पंजाब का शासन ब्रिटिश फौज के हाथ आ गया, तो चीजें एक बार फिर बदलने लगीं। 1850 में लाहौर निवासी नूर मोहम्मद खुद को मस्जिद का मुतवल्ली घोषित करते हुए इस पर कब्जे के लिए अदालत पहुंच गए, लेकिन अदालत उनके तर्कों से सहमत नहीं हुई। 1883 तक उन्होंने कई अदालतों का दरवाजा कई बार खटखटाया, लेकिन हर बार उनकी अपील खारिज हो गई। इसके बाद के लंबे दौर तक गुरुद्वारा महंत हरनाम सिंह के संरक्षण में रहा।

नई सदी आई, तो पंजाब में गुरुद्वारा सुधार आंदोलन शुरू हो गया। लंबे आंदोलन के बाद सिख गुरुद्वारा ऐक्ट बना और गुरुद्वारे का प्रबंधन शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के पास आ गया। इस बीच 1935 में लाहौर जिला अदालत में उस जगह को मस्जिद घोषित करने के लिए एक और याचिका डाली गई, लेकिन इस बार भी अदालत ने कहा कि वहां यथास्थिति को बरकरार रखा जाना चाहिए। कहा जाता है कि इसके बाद गुरुद्वारा प्रबंधक समिति ने उस इमारत को गिराकर गुरुद्वारा बनाने का काम बड़े पैमाने पर शुरू कर दिया। सिख इतिहास में इसके अलावा कोई दूसरा उदाहरण नहीं है, जब किसी धर्मस्थल को गिराकर गुरुद्वारा बनाया गया हो। दूसरी तरफ यह भी कहा गया कि इमारत एक तो जर्जर थी और दूसरे, वह सिखों की धार्मिक प्रक्रियाओं के अनुकूल नहीं थी, इसलिए उसका पुनरोद्धार का काम किया जा रहा है। सच जो भी हो, शहर में खबर फैलते ही दंगा भड़क उठा। कई लोगों की जान गई और कर्फ्यू लगाना पड़ा। यह मामला 1940 में बंबई हाईकोर्ट की तीन सदस्यीय पीठ के सामने फिर से रखा गया। फैसले में अदालत ने माना कि कभी वहां मस्जिद थी, लेकिन याचिकाकर्ता एक तो ऐसा कोई प्रमाण नहीं पेश कर पाए कि वहां कभी नमाज अता की जाती थी, दूसरे इस जगह का कब्जा सिख समुदाय के पास 171 साल से था, इसलिए यथास्थिति को बरकरार रखा गया।

जब पाकिस्तान बना, तो कुछ लोगों को लगा कि अब यह यथास्थिति बदल जाएगी। गुरुद्वारा शहीद गंज समेत पाकिस्तान के तमाम गैर इस्लामिक धर्मस्थलों के मामले इस नए बने इस्लामिक मुल्क में औकाफ विभाग के हवाले कर दिए गए। लेकिन यह विभाग भी स्थिति को नहीं बदल पाया। 1950 में इसके लिए लाहौर उच्च न्यायालय में एक याचिका इस उम्मीद से डाली गई कि इस बार इस्लामिक मुल्क की अदालत कुछ नया फैसला देगी। लेकिन याचिका फिर खारिज हो गई। भारत–पाकिस्तान के रिश्तों के उतार–चढ़ाव और दोनों देशों के बीच हुए युद्धों के बीच कई याचिकाएं आई और गईं, लेकिन हर बार अदालत इसी नतीजे पर पहुंची कि मौजूदा कानून बदलाव की इजाजत नहीं देते।

अयोध्या में बाबरी विध्वंस के दो साल बाद इस गुरुद्वारे के पुनरूनिर्माण की इजाजत मांगी गई। यह खबर आई, तो कुछ संगठनों ने इसका विरोध किया। धरना, जुलूस, प्रदर्शन जैसी चीजें शुरू हो गईं। दिलचस्प यह है कि नौलखा बाजार के स्थानीय दुकानदार, जो लगभग सभी मुसलमान थे, पुनरूनिर्माण के पक्ष में खड़े हो गए। बेशक उन्हें यह दिख रहा था कि अगर यहां काफी संख्या में तीर्थयात्री आते हैं, तो उनकी दुकानदारी चमकेगी। लेकिन उनके इस रवैये ने उन लोगों की दुकानदारी खत्म कर दी, जो इससे अपनी राजनीति चमकाना चाहते थे। आंदोलन भी धीरे–धीरे खत्म हो गया। लंबे समय तक टालने के बाद आखिर पाकिस्तान सरकार ने पुनरूनिर्माण की इजाजत दे दी और 2004 में गुरुद्वारा शहीद गंज की दो मंजिला सफेद इमारत बुलंद हो गई। यह उस दौर में हुआ, जब पाकिस्तान से गुरुद्वारों और मंदिरों पर कब्जा करने और उनकी इमारत गिराने की खबरें भी आती रहीं। आसिफ अली जरदारी जब राष्ट्रपति थे, तो उन्हें ऐसे सौ मंदिरों और गुरुद्वारों की सूची सौंपी गई थी, जिन पर कब्जा कर लिया गया। लेकिन गुरुद्वारा शहीद गंज के साथ इस दौरान भी कुछ नहीं हुआ। पाकिस्तानी अखबार डॉन की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह गुरुद्वारा जिस इलाके में है, वहां लोहे का सामान बनाने की कई वर्कशॉप हैं। दिन में इन्हीं वर्कशॉप की ठक–ठक के बीच गुरुद्वारे का निशान साहिब लहराता रहता है और शाम को जब ठक–ठक बंद होती है, तो वहां गुरुद्वारे से गुरुवाणी के शब्द गूंजते हैं। गुरुद्वारा शहीद गंज सिर्फ एक गुरुद्वारा नहीं, एक स्मारक भी है, जहां अतीत की तल्खी को इतिहास में दफन कर दिया गया है।

अब नहीं दिखेगा ''गंभीर' खेल

देश के बाएं हाथ के दूसरे सबसे सफल टेस्ट ओपनर गौतम गंभीर ने आखिरकार क्रि केट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। वह फिरोजशाह कोटला मैदान पर 9 दिसम्बर से आंध्र प्रदेश के खिलाफ खेले जाने वाले रणजी ट्रॉफी मैच में दिल्ली के लिए खेलकर संन्यास लेंगे। इस तरह उन्होंने जिस मैदान से खेलने की शुरुआत की, उसी मैदान से कॅरियर का अंत करेंगे। भले ही गौतम गंभीर ने संन्यास की घोषणा अब की है। पर उनका अंतरराष्ट्रीय कॅरियर नवम्बर 2016 में राजकोट में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में बुलाए जाने का फायदा नहीं उठाने के समय ही खत्म हो गया था। गंभीर का टेस्ट कॅरियर अगस्त 2014 तक सही चलता रहा। लेकिन 2014 के आखिरी इंग्लैंड दौरे पर मैनचेस्टर और ओवल टेस्ट में सिर्फ 25 रन बनाने पर ही उनके कॅरियर की समाप्ति के संकेत मिल गए थे। वहीं वनडे कॅरियर जनवरी 2013 और टी–20 अंतरराष्ट्रीय कॅरियर दिसम्बर 2012 में ही समाप्त हो गया था। गौतम गंभीर के अंतरराष्ट्रीय कॅरियर पर लगाम लगने के बाद भी उनको आईपीएल कॅरियर चमक बिखेर रहा था, इससे उनके मन में भारतीय टीम में वापसी की उम्मीदें जोर मारतीं रहती थीं। लेकिन पिछले साल कोलकाता नाइट राइडर्स ने उन्हें खरीदना जरूरी नहीं समझा और दिल्ली डेयर डेविल्स टीम में लिये जाने के बाद बीच सीजन में कप्तानी छोड़ने के समय ही गंभीर की समझ में आ गया होगा कि कॅरियर पर विराम लगाने का समय आ गया है।

इस रणजी सीजन में जब उन्होंने राजधानी से बाहर के मैच खेलने से मना कर दिया था, तब यह अंदाजा हो गया था कि वह संन्यास लेने की घोषणा करने जा रहे हैं। गंभीर को टीम इंडिया से बाहर होने के बाद काफी समय तक लगता रहा कि वह वापसी कर सकते हैं। लेकिन जब पृवी शॉ जैसे युवा ओपनर उभर आए तो उन्हें शायद अपनी स्थिति का सही आकलन करने में मदद मिली होगी। पर हमारे यहां कई बार खिलाड़ी संन्यास का फैसला करने में काफी देर कर देते हैं। अगर गंभीर ने 2016 में वापसी करने के समय संन्यास पर फैसला ले लिया होता तो उन्हें कम–से–कम विदाई टेस्ट खेलने को मिल सकता था। पर अब लगता है कि क्रि केटरों के लिए विदाई टेस्ट से कुछ कमाई करने के कोई खास मायने नहीं रह गए हैं क्योंकि इस दौर तक पहुंचते–पहुंचते मालामाल हो चुके होते हैं। साथ ही उनके लिए कमेंटेटर बनने के विकल्प हमेशा खुले रहते हैं। इसलिए वह संन्यास जैसा कुछ भी महसूस नहीं करते हैं। गंभीर अपने विचारों को खुलकर रखने में विास रखते हैं। वह ट्विटर पर कई बार कड़क अंदाज में अपने विचार रखते दिखे हैं। असल में वह अक्सर राष्ट्रीय मसलों पर अपने विचार रखने में कभी परहेज नहीं करते हैं। पाकिस्तान से क्रि केट संबंधों के बारे में एक साक्षात्कार में गंभीर ने कहा कि सिर्फ क्रि केट संबंध तोड़ने से कुछ होने वाला नहीं है। हमें पाकिस्तान से फिल्मों, संगीत और सभी तरह के संबंधों पर उस समय तक पाबंदी लगाने की जरूरत है, जब तक दोनों पड़ोसियों के संबंध सुधर नहीं जाते हैं। गंभीर के इस विचारों की वजह से उनके सोशल मीडिया पर खासे समर्थक भी हैं। इस साक्षात्कार के बाद एक दिलचस्प घटना यह घटी कि एक अमेरिकी पत्रकार डेनिस फ्रीडमैन जो कि भारतप्रेमी हैं। वह अपने ट्विटर को डेनिस जय हिंद नाम से चलाते हैं। उन्होंने गंभीर के इन विचारों के बाद गंभीर को ''वर्बल टेरेरिस्ट' कह दिया। इस पर वह जबर्दस्त ढंग से ट्रोल कर दिए गए। गंभीर के ट्वीट अक्सर राष्ट्रीयता वाले होते हैं।

इसलिए उन्हें भाजपा 2019 में लोक सभा का चुनाव लड़ा दे तो हैरत नहीं होनी चाहिए। गंभीर भले ही बिग शॉट खेलने वाले खिलाड़ी नहीं रहे हैं पर भरोसेमंद ओपनर जरूर रहे हैं। उनकी और सहवाग की ओपनिंग जोड़ी भारतीय टेस्ट इतिहास की सफलतम ओपनिंग जोड़ी रही है। गंभीर भले ही अपनी पारियों को शतक में बदलने के लिए नहीं जाने जाते हैं पर वह अहम मौकों पर विजयी पारी खेलना बखूबी जानते थे।

सोनिया-राहुल को धक्का

नेशनल हेराल्ड मामले में आयकर जांच की कार्रवाई रोकने की सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अस्वीकृति कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और उनकी मां सोनिया गांधी के लिए बहुत बड़ा धक्का है। न्यायालय ने हालांकि कहा है कि मामला लंबित होने तक आयकर विभाग कोई कार्रवाई नहीं करेगा, किंतु वह 2011–12 के कर निर्धारण के मामलों को फिर से खोल सकता है। इसे रोकने के लिए ही इन्होंने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। यह ठीक है कि न्यायालय के अगले आदेश के पहले आयकर विभाग कर निर्धारण से संबंधित आदेश पर अमल नहीं करेगा, किंतु वह शेष प्रक्रिया पूरी कर सकता है। न्यायालय ने मामले की सुनवाई की तारीख 8 जनवरी तय की है और उस दिन देखना होगा वह क्या फैसला देता है? नेशनल हेराल्ड मामले में राहुल गांधी, सोनिया गांधी सहित दूसरे अरोपित यानी ऑस्कर फर्नांडिस, मोतीलाल वोरा आदि को अदालत से अभी तक निराशा ही हाथ लगी है। न्यायालय से केवल उन्हें जमानत मिली हुई है। राहुल और सोनिया को निचले न्यायालय ने 19 दिसम्बर, 2015 को जमानत दी थी। वर्ष 2011–12 के कर निर्धारण को फिर से खोलने के आयकर विभाग के फैसले को पहले इन्होंने दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी, जो पिछले 10 सितम्बर को खारिज हो गई। उसी के विरुद्ध ये सर्वोच्च न्यायालय गए हैं। भाजपा नेता सुब्रह्मण्यम स्वामी की याचिका पर नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेताओं के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई चल रही है। स्वामी ने वित्त मंत्री को भी कर चोरी के बारे में याचिका दी थी। इसमें सामान्य पूंजी से एक नई कंपनी बनाकर धोखाधड़ी एवं साजिश के तहत करोड़ों का गबन करने का आरोप है। आरोप है कि 50 लाख रुपये से नवम्बर 2010 में यंग इंडिया का सृजन किया गया था और उसने नेशनल हेराल्ड अखबार चलाने वाले एसोसिएटेड जर्नल्स के लगभग सारे शेयर अवैध तरीके से ले लिये। आयकर विभाग का कहना था कि यंग इंडिया में राहुल के जो शेयर हैं, उससे उन्हें पहले कर निर्धारण के अनुसार 154 करोड़ रुपये की आमदनी होगी। आयकर विभाग पहले ही यंग इंडिया को वर्ष 2011–12 के लिए 249 करोड़ रुपये के मांग का नोटिस जारी कर चुका है। वैसे कर निर्धारण मामले में सर्वोच्च न्यायालय के विपरीत फैसले से भी मुख्य मामले पर कोई अंतर नहीं आएगा। कांग्रेस के वकील अभी तक मामले को लंबा खींचने में सफल हैं, किंतु यही स्थिति अनवरत नहीं रह सकती।

बुलंदशहर घटना पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने यूपी सरकार को जारी किया नोटिस

लखनऊ । बुलंदशहर में गोवंश के अवशेष मिलने पर कई हिंदू संगठनों ने विरोध प्रदर्शन शुरु कर दिया। स्याना रोड पर पथराव भी किया गया। इस दौरान पुलिस इंस्पेक्टर सुबोध कुमार सिंह को गोली लग गई। इस घटना ने कानून व्यवस्था पर कई सवाल खड़े किए हैं। इस घटना के बाद राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने यूपी सरकार को नोटिस जारी किया है। इस घटना में एक युवक की भी मौत हो गई थी। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने पुलिस इंस्पेक्टर और युवक की मौत पर यूपी सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। बता दें कि सोमवार दोपहर को घटी इस घटना में अब तक चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस संबंध में मंगलवार को एडीजी आनंद कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर कहा है कि मृतक इंस्पेक्टर सुबोध कुमार सिंह को गॉड ऑफ ऑनर दिया जाएगा। साथ ही यह भी कहा कि सुबोध के परिवार की हर संभव मदद की जाएगी। घटना का मुख्य आरोपी बजरंग दल के जिला संयोजक योगेश राज हैं, जिनकी तलाश जारी है।

विधायक ने गरीबों को सर्दी के लिए दी राहत

गोण्डा । गोंडा जिले में ठंडक में गरीबों और निर्धनों को वस्त्र व ठंडी के कपड़े उपलब्ध कराना सबसे बड़ा पुण्य का काम है। यह कार्य सभी को करना चाहिए, जो कपड़े धनाढ्य के लिए उपयोगी नहीं है लेकिन हो सकता है कि वही कपड़े गरीब निर्धन के लिए जीवन रक्षक साबित हो सके। इसलिए सभी को यह पुण्य का काम करना चाहिए। ये बातें बीजेपी विधायक प्रेम नारायण पांडेय ने दिव्यांग रामदेव निवासी गौहानी व रामतेज निवासी अहिरन पुरवा को कंबल वितरित करते हुए कहीं। विधायक श्री पांडेय ने कहा कि नेकी की दीवार गरीबों के लिए ईश्वर का आशीर्वाद है। इस अवसर पर मंडलप्रमुख श्रीनारायण पांडेय, स्वच्छता प्रेमी घनश्याम जायसवाल, संदीप मिश्रा रहे।

वी.एस.आर. मेमोरियल मेडिकल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रोपैथी एण्ड हॉस्पिटल के स्थापना दिवस को लेकर हुई बैठक

रसूलाबाद कानपुर देहात । इलेक्ट्रोपैथी के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. संतोष सिंह चौहान की अध्यक्षता में वी.एस.आर. मेमोरियल मेडिकल इंस्टिट्यूट ऑफ इलेक्ट्रोपैथी एण्ड हॉस्पिटल रसूलाबाद के सभागार में मीटिंग का आयोजन किया गया। इस मौके पर संस्थान के प्राचार्य डॉ.ए.पी.थाथम उपप्राचार्य डॉ.धर्मेंद्र गुप्ता, डॉ. प्रमोद सिंह, डॉ.गजेंद्र सिंह, डॉ. लोकेश सिंह चौहान, डॉ.नागेंद्र सिंह व छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। इस मीटिंग में वी.एस.आर. मेमोरियल मेडिकल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रोपैथी एंड हॉस्पिटल का 17 वां स्थापना दिवस समारोह 22 दिसंबर 2018 को बड़े धूमधाम से मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए उप प्राचार्य डॉ.धर्मेंद्र गुप्ता जी को कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

युवा सपा नेता के साथ ध्रुव ट्रैवल की बस में हुई मारपीट व छीना झपटी, पुलिस शिकायत

कानपुर देहात । कानपुर से बाराजोड़ एक ध्रुव ट्रैवल की बस से अकबरपुर आ रहे समाजवादी पार्टी के युवा जन सेवक सौरभ सिंह देवेन्द्र के साथ बस कंडक्टर के मुताबिक पूरा किराया देने के बाद भी स्थान आने पर गाड़ी नहीं रोकी और मेरे साथ मारपीट की। जिसमें जनसेवक सपा नेता के कपड़े फट गये और सोने की चेन, घडी, 8700 रूपये, कुछ कागज, पेन और चश्मा सब गाड़ी में गिर गए। लेकिन मुझे खुद को बचाना लक्ष्य रहा और गाड़ी से कूद कर खुद की जान बचाई। युवा सपा नेता द्वारा घटना की तहरीर अकबरपुर कोतवाल को देते हुए आवश्यक कार्यवाही की मांग की गई।

विश्व एड्स दिवस पर ममता अहाना एनजीओ ने बालिकाओं को दी जानकारी

कानपुर देहात । सदर कस्बा अकबरपुर में संचालित बालिका इंटर कॉलेज में ममता अहाना एनजीओ के माध्यम से विश्व एड्स दिवस पर प्रोजेक्ट ऑफिसर कुमारी. अंकित तिवारी द्वारा बालिकाओं को जानकारी देते हुए उससे बचाव के उपाय व उनके लक्षणों के बाबत विधवत जानकारी दी गई। इस दौरान विद्यालय की प्रधानाचार्य मुन्नी देवी, डीटीओ ज्ञानेंद्र सिंह चौहान, फील्ड ऑफिसर नरेंद्र सिंह, व डीपीसी कुलदीप सिंह की मौजूदगी में बच्चों के बीच आवश्यक प्रतियोगिता भी आयोजित कराई गई। प्रोजेक्ट ऑफिसर अहाना कु. अंकित तिवारी द्वारा बच्चों को कार्यक्रम के बीच–बीच बच्चों को बुलाकर उन्हें लेखन सामग्री भेंट करते हुए प्रोत्साहित भी किया गया।

वार्षिकोत्सव समारोह में बच्चों ने मन मोहा

लखनऊ । देखते देखते क्या से क्या हो गए ... ऐ दिल लाया है बहार जैसे गीतों पर शानदार नृत्य प्रस्तुति देकर बच्चों ने मन मोह लिया। पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। मौका था मंगलवार को गांधी भवन सभागार में आयोजित माउण्ट ग्लोरी मैपल पब्लिक हाईस्कूल, ठाकुरगंज के वार्षिकोत्सव समारोह का। जहां बच्चों ने एक से बढ़कर गीत संगीत की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का शुभारम्भ विधायक नीरज बोरा ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद श्रद्धा सिंह व पूजा श्रीवास्तव ने डोल रे डोल रे डोला गीत पर नृत्य प्रस्तुत कर सभी का दिल जीत लिया। वहीं अनुष्का ने तुम से अच्छा कौन है गीत की शानदार प्रस्तुति देकर सभी को तालियां बजाने को मजबूर कर दिया। बच्चों ने नृत्य नाटिका के जरिए झांसी की रानी की वीरता का प्रदर्शन किया। साथ ही नाटक के जरिए साफ–सफाई के प्रति लोगों को जागरुक भी किया। स्कूल के निदेशक संजय शाह ने बच्चों को पढ़ाई लिखाई के साथ खेल– कूद में भी आगे रहने की सीख दी। उन्होंने कहा कि खेलने से शरीर स्वस्थ रहता है। शरीर स्वस्थ रहेगा तभी पढ़ाई लिखाई का मन करेगा।

सरकार की नई आबकारी नीति के खिलाफ शराब कारोबारियों ने खोला मोर्चा

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में बियर और शराब पर कोटा निर्धारित किये जाने से यूपी के शराब कारोबारियों में उबाल है। लखनऊ में प्रेस वार्ता के माध्यम से शराब कारोबारियों ने सरकार को चेताया है कि कोटा निर्धारित नीति वापस ले वर्ना इसके खिलाफ कारोबारी सड़क पर उतरने को मजबूर हो जायेंगे। यहाँ तक शराब कारोबारियों इसके खिलाफ सामूहिक आत्मदाह करने की भी धमकी दी है। लखनऊ के एक निजी होटल में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर शराब कारोबारियों ने सरकारी की आबकारी नीति 2019– 20 का जमकर विरोध किया है। शराब व्यापारियों का कहना है कि योगी सरकार की आबकारी नीति 2018–19 में पहले ही उनका उत्पीड़न किया गया। इसमें व्यापारियों को काफी नुकसान हुआ है। व्यापारी अभी इसकी भरपाई भी नहीं कर पाए थे कि नई आबकारी नीति में उनके व्यवसाय को खत्म करने के लिए आबकारी विभाग ने साजिश रची है। आरोप लगाया है कि साजिश के तहत ही आबकारी विभाग ने नई आबकारी नीति 2019– 20 में बियर और शराब पर कोटा निर्धारित करने जा रही है। कारोबारियों के मुताबिक सरकार कोटा निर्धारित की शर्त को खत्म करें।

स्वामी ब्रह्मानंद महाराज की 124वीं जयंती मनी

आगरा । अखिल भारतीय लोधी युवा महासभा के तत्वाधान में शिक्षा के सागर स्वामी ब्रह्मानंद की 124वीं जयंती के उपलक्ष्य में दहतोरा में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जहां जरुरत मंद निर्धन बच्चों को स्कूल बैग व शिक्षण सामग्री भेंट की गयी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय लोधी युवा महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद लोधी रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अखिल भारतीय लोधी युवा महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुख्य अतिथि आनंद लोधी ने स्वामी ब्रह्मानंद की तस्वीर पर माल्यार्पण कर की। विचार गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए आनंद लोधी ने स्वामी ब्रह्मानंद के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्वामी जी अंधविश्वास, अशिक्षा जैसी कुरितियों का जीवन भर विरोध करते रहे। उनका जन्म साधारण किसान परिवार में बुंदेलखंड के हमीरपुर जिले में हुआ था। 24 वर्ष की अल्पआयु में परिवार का मोह त्याग कर उन्होंने सन्यास लिया। स्वतंत्रता आंदोलन में उन्होंने बढ़चढ़ कर भाग लिया। देश की आजादी के बाद 1966 में गो हत्या निषेद कानून के लिए लाखों लोगों के साथ संसद का घेराव किया, तब स्वामी जी को पकड़ कर जेल भेज दिया। तब स्वामी जी ने प्रण लिया कि अब संसद में ही जाकर गौ हत्या कानून की आवाज संसद के अंदर उठायेंगे, और 1967 में हमीरपुर से सांसद चुनकर संसद पहुंच गौवध के विरोध में एक घंटे तक संसद में एतिहासिक भाषण दिया। अखिल भारतीय लोधी युवा महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद लोधी ने स्वामी ब्रह्मानंद की जयंती पर बुंदेलखंड विश्वविद्यालय का नाम स्वामी ब्रह्मानंद विश्वविद्यालय करने की मांग उत्तर प्रदेश सरकार से की। इसके लिए अखिल भारतीय लोधी महासभा का प्रतिनिधि मंडल उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री व राज्यपाल को मिलकर ज्ञापन सौंपेगी।

प्रदेश महामंत्री हरिओम लोधी ने कहा कि स्वामी ब्रह्मानंद ने सर्व समाज के लिए अपना सब कुछ त्याग कर जीवन पर्यात लोगों को सामाजिक कुरीतियों व शिक्षा के लिए जागरूक करते रहे। ऐसे महान व्यक्तित्व को सरकार को सम्मान देना चाहिए। अखिल भारतीय लोधी महासभा जल्द ही स्वामी जी को भारत रत्न देने की भारत सरकार से मांग करेगी व इसके लिए चरणबद्ध रूप में आंदोलन चलाएगी। बैठक की अध्यक्षता जिलाअध्यक्ष अभिषेक लोधी व महेश प्रधान व संचालन डॉ. सुनील राजपूत ने किया। प्रमुख रूप से डॉ. सुनील राजपूत, वीरेन्द्र राजपूत, गंगा सिंह लोधी, पवन चौधरी, राजकुमार लोधी, नरेश राजपूत, राकेश लोधी, जितेंद्र राजपूत, भगवानसिंह, राधा किशन लोधी, राहुल लोधी, आकाश राजपूत, दीपक राजपूत, विष्णु, रामबाबू, गौरव राजपूत, चौब सिंह राजपूत, महेश लोधी,पूरन सिंह, चंदू राजपूत, बाबूराम लोधी,धनिराम राजपूत,घनश्याम लोधी, बच्चू सिंह लोधी, लखन राजपूत, पतिराम लोधी, डॉ अतर सिंह , पूरन लोधी, अमित राजपूत, प्रेमचन्द लोधी,मालती राजपूत, अजय लोधी, पंकज राजपूत, रोशन सिंह, दीपक लोधी, मूलचंद लोधी, कोमल सिंह लोधी, देशराज लोधी, कमलेश राजपूत आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

संस्कार हमारी पूंजी है तो मातृभाषा हमारी पहचान : रवि किशन

डिसेंट बॉय फिल्म शिक्षा प्रणाली पर करेगी चोट

लखनऊ । कई देश ऐसे हैं जो अपनी मातृभाषा को लेकर चल रहे है और आगे बढ़ रहे हैं। वहीं भारत में अंग्रेजी बोलने वालों को यहां ज्यादा इज्जत मिलती है इसके लिए हर इंडस्ट्री के लोगों को अपनी मानसिकता बदलने की जरूरत है। यह बातें अभिनेता रवि किशन ने मंगलवार को हजरतगंज स्थित होटल में अपनी नई मूवी डिसेंट बॉयज के प्रमोशन के दौरान कहीं। रवि ने कहा कि शिक्षा पर आधारित मूवी में हिंदी मीडियम स्कूल की शिक्षा को प्रोत्साहित किया गया है। जिससे मातृभाषा पर हमारे बच्चों को गर्व हो। बाबी खान द्वारा लिखित और निर्देशित मूवी के निर्माता शाहब इलाहाबादी और पुष्पेंद्र मलिक हैं। निर्देशक बाबी खान ने बताया कि यह मूवी उन लोगों की सोच पर चोट करती है जो भारत की संस्कृति सभ्यता संग यहां की भाषा को हीन दृष्टि से देखते हैं। उन्होंने बताया कि राजधानी हुनर के सितारों से भरी है जिनको तराशने के लिए थिएटर के मंच को निखारने की जरूरत है। जहां बाल कलाकार देवांश मलिक संग रवि किशन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे वहीं जीत सिंह, मंजुल, आजाद, कलश, कनिका, मेराज का दमदार अभिनय दर्शकों को देखने को मिलेगा।

भाजपा नेता की हत्या में दो गिरफ्तार

लखनऊ । बादशाहनगर स्थित पेट्रोल पंप के सामने युवा भाजपा नेता प्रत्यूषमणि त्रिपाठी (40) की हत्या के मामले में पुलिस ने दो नामजद अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है, अन्य फरार आरोपितों की तलाश में पुलिस टीमें लखनऊ, कानपुर समेत अन्य जगहों पर दबिश दे रही हैं। पकड़े गए हत्यारोपितों में पत्थर वाली गली मॉडल हाउस निवासी सलमान व अदनान हैं। एएसपी पश्चिम विकास चंद्र त्रिपाठी के मुताबिक दोनों पकड़े गए अभियुक्त वकील से बात करके सरेंडर करने कचहरी के गेट तक पहुंच गए थे, जहां पहले से सक्रिय कैसरबाग और वजीरगंज थाने की पुलिस ने दोनों को दबोच लिया। प्रत्यूष की हत्या के मामले में पकड़े गए अभियुक्त सलमान, अदनान के साथ शीबू, ध्रुव वर्मा, रोहित सिंह समेत दो दर्जन से अधिक अज्ञात लोगों पर महानगर कोतवाली में हत्या, सात सीएलए एक्ट समेत अन्य आइपीसी की अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। सभी अभियुक्त भाजपा नेता के घर में घुसकर मारपीट के भी आरोपित हैं। पुलिस, क्राइम ब्रांच, सर्विलांस समेत अन्य टीमें फरार अभियुक्तों की तलाश में लगी हैं। एएसपी पश्चिम का कहना है कि भाजपा नेता पर अमीनाबाद और कैसरबाग में दो छेड़खानी के मुकदमे दर्ज थे। भाजपा नेता पर पकड़े गए अभियुक्त की बहन को फेसबुक पर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजने का आरोप है और उसे स्वीकार न करने पर युवती को रोककर छेड़खानी की बात सामने आई है। इसी बात से नाराज लोगों ने भाजपा नेता के घर में घुसकर हमला किया था। पहला मुकदमा भाजपा नेता की ओर से और दूसरा युवती के भाई की ओर से दर्ज हुआ था। इंस्पेक्टर महानगर विकास पांडेय के मुताबिक घटनास्थल के आसपास समेत अन्य जगहों पर सौ से अधिक सीसी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, लेकिन अभी फुटेज में कातिल दिखते हुए नहीं दिखे हैं। घटना स्थल के पास एक अंडे का ठेला वाला मौजूद था, उसकी तलाश की जा रही है।

हंसते–खिलखिलाते देखा तो डॉक्टर दीदी ने ले लिया गोद

आगरा । भागती दौड़ती जिंदगी में हम अक्सर ऐसे लोगों से टकरा जाते हैं, जिनकी शारीरिक दुर्बलता या निर्धनता उनकी जिंदगी में चुनौती बन गई हो, पर डा. निहारिका मल्होत्रा जैसे लोग भी हैं जो ऐसे तमाम लोगों के हौसलों को उडान दे रहे हैं। अपने डॉक्टरी पेशे को परे रखते हुए जब भी उन्हें समय मिलता है वह बच्चों के बीच पहुंचकर समय गुजारना पसंद करती हैं। बच्चों से अपने इसी खास लगाव की वजह से वह उनकी डॉक्टर दीदी बन गई हैं। आगरा व आस–पास के क्षेत्रों में स्मृति संस्था कन्या भ्रूण हत्या रोकने, बेटियों की शिक्षा, महिला सशक्तिकरण जैसे तमाम मुद्दों पर लंबे समय से काम कर रही है। अब डा. निहारिका मल्होत्रा के निर्देशन में संस्था ने दो विद्यालयों मउ रोड, कालिंदीपुरम स्थित समर्पण बधिर विद्यालय और रामबाग स्थित श्रीमती जया देवी विद्या मंदिर को गोद लिया है, जिनमें से एक दिव्यांग बच्चों के शिक्षण–प्रशिक्षण तो दूसरा निर्धन परिवारों के बच्चों की पढ़ाई को समर्पित है। इसके तहत पहले चरण में विश्व दिव्यांग दिवस और स्व. डा. प्रभा मल्होत्रा के 86 वें जन्मदिवस के अवसर पर स्व. क. सुभाष गुलाटी, स्व. हनवत बीर सिंह, श्रीमती हरबंश कौर बिंद्रा जी की स्मृति में दोनों ही विद्यालयों में पठन–पाठन व अन्य सामग्री भेंट की गई। स्मृति संस्था की निदेशक डॉ निहारिका ने बताया कि संस्था इन बच्चों को पढाई में लगने वाली जरूरत की सामग्री, स्वास्थ्य सेवाएं व अन्य सामग्री उपलब्ध कराएगी। जिससे वे बिना किसी चिंता या परेशानी के अपनी पढाई ठीक से पूरी कर सकें। सदस्यों ने बताया कि वे समय–समय पर यहां आएंगे। स्टॉफ को अपने मोबाइल नंबर उपलब्ध करा दिए हैं। उनसे सूचना मिलने पर भी वे यहां आएंगे, बच्चों से मुलाकात करेंगे और जरूरी सामग्री उपलब्ध कराएंगे। रेनबो ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरएम मल्होत्रा ने बच्चों को साफ–सफाई का महत्व समझाते हुए अनुशासन और विद्यार्थी जीवन की बारीकियां समझाईं। संस्था अध्यक्ष डा. नरेंद्र मल्होत्रा ने बताया कि भविष्य में फर्नीचर, बोर्ड व्यवस्था, कंप्यूटर्स, स्वच्छ जल, खेलकूद का सामान, संगीत, वॉल पेंटिंग, मेडिकल कैंप, तकनीकी गुणवत्ता सुधारने का काम करने की योजना संस्था ने बनाई है। इस अवसर पर संट फैलिक्स स्कूल के फादर भास्कर, डॉ. जॉली गोयल, डॉ. आलोक मित्तल, समर्पण बधिर विद्यालय के प्रबंधक सुनील यादव, श्री जया देवी विद्या मंदिर की एमडी ममता गोयल, प्रधानाचार्य साधना गोयल, रेनबो हॉस्पिटल के मेडिकल सुप्रिटेंडेंट डॉ. राजीव लोचन शर्मा, महाप्रबंधक राकेश आहूजा, केशवेंद्र सिसोदिया, विश्वदीपक, नवनीत आदि मौजूद रहे।

मनुष्य को श्री मद् भागवत कथा के रसपान करने से ही प्राप्त होता है वैराग्य: आचार्य

कानपुर देहात । सदर कस्बा अकबरपुर के वार्ड नंबर 14 नेहरू नगर हाईडे सर्विस लाइन किनारे पूर्व शिक्षक पं. रामकृष्ण मिश्र के आवास पर आयोजित हो रही श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ कथा के तीसरे दिवस कथा वाचक आचार्य सुशील देव महाराज द्वारा ध्रुव चरित्र के साथ भरत चरित्र का वर्णन करते हुए कथा का रसपान कराया गया। अपनी मधुर व कर्णप्रिय एवं सुंदर वाणी का प्रयोग करते हुए आचार्य सुशील देव जी महाराज द्वारा कहा गया कि मनुष्य को वैराग्य श्री मद् भागवत कथा के रसपान करने से ही प्राप्त होता है और जिसे वैराग्य प्राप्त हो जाए उसे संसार असान लगता है और मन परमार्थ चिंतन में रहता है। भरत चरित्र में आचार्य द्वारा बताया गया कि मनुष्य को यह चाहिए कि घर में रहकर ही सन्यास का प्रेक्टिकल करते हुए यदि घर में रहकर संन्यास की प्रयास नहीं किया है और सीधे वैराग्य वेश धारण कर जंगल भी चला गया है तो उसका वैराग्य सार्थक नहीं हो सकता है। गृहस्थ में सर्व संपन्नता होने के बाद भी आसक्त न हो संसाधनों का उपयोग न करें यह त्याग है सन्यास तो शुरु है आचार्य ने शास्त्रों के माध्यम से भक्तों को भगवत में सरोबर कर दिया भक्तों ने अपूर्व श्रद्धा से भागवत रस रूप अमृत का पान किया। परीक्षित के रूप में पूर्व शिक्षक पंडित रामकृष्ण मिश्र द्वारा सपत्नीक कथाकार रसपान करते हुए व उनके पुत्र विनीत मिश्रा उनकी धर्मपत्नी के साथ अनेकों भक्तों जिनमें राजाराम शुक्ला, रतन कुमार मिश्रा, सुरेश मिश्रा, सुरेश चंद्र शर्मा, अरविंद कुमार पांडेय, ध्रुव कांत द्विवेदी सहित सैकड़ों भक्तों ने कथा का रसपान किया। वहीं आयोजित हो रही कथा में सहायक आचार्य पं. सुरेश शास्त्री व पं. शिवम शास्त्री ने वेद मंत्रों का स्पष्ट उच्चारण कर पूजन प्रक्रिया कर शास्त्र विधि से संपन्न किया। वहीं ताल वादक के रूप में उत्तम सिंह व शिवकुमार ने तालवादन कर मौजूद भक्तों और नगर वासियों को स्नेही करते हुए बांसुरी की अलाप विद्याओं के माध्यम से सनेही लाल द्वारा श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया गया।

अपहरण के मामले में वांछित 15 हजार रुपये का इनामी गिरफ्तार

औरैया । सदर कोतवाली क्षेत्र के कानपुर रोड स्थित एक होटल के पास बदमाशों ने एसडीओ के पुत्र का अपहरण कर लिया था। मंगलवार को पुलिस ने फरार चल रहे एक और आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपित के कब्जे से एक तमंचा व कारतूस बरामद किया गया है। पुलिस चार नामजद आरोपितों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पकड़े गए बदमाश पर 15 हजार का इनाम भी है। शहर के कानपुर रोड स्थित एक होटल के पास बदमाशों ने बिजली विभाग के एसडीओ गजेंद्र सिंह के 15 वर्षीय पुत्र सदेव सिंह का अपहरण कर लिया था। एसडीओ ने कोतवाली में मामले की रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। घटना के दो दिन बाद पुलिस ने सदेव सिंह को अपहरणकर्ताओं के चुंगल से छुड़ा लिया था और महोवियां टोला निवासी प्रखर मिश्रा, भियांपुर निवासी शिवम, नारायनपुर निवासी निखिल व अमित उर्फ नागेश निवासी भियांपुर को गिरफ्तार किया था। जबकि भियांपुर निवासी लवकुश तिवारी फरार चल रहा था। एसपी प्रो. त्रिवेणी सिंह ने लवकुश तिवारी पर 15 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

सड़क दुर्घटना में छात्रा की मौत, भड़के ग्रामीणों न दो डंपर फूंका, सड़क जाम

वाराणसी । रोहनिया थाना क्षेत्र के मिसिरपुर गांव में डंपर की चपेट में आने से छात्रा की दर्दनाक मौत हो गयी। दुर्घटना से भड़के ग्रामीणों ने बवाल कर दिया। ग्रामीणों ने दो डंपर में आग लगाने के साथ ही मिक्सिंग प्लांट में जमकर तोडफोड़ की।

ग्रामीणों ने शव रख कर सड़क जाम कर दिया। सूचना पर कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गयी। पुलिस ने लोगों को समझाने का प्रयास किया लेकिन वह नहीं माने। रोहनिया विधायक सुरेन्द्र नारायण सिंह भी घटनास्थल पर गये और किसी तरह ग्रामीणों को समझा कर शांत कराया। भदोही के इटहा निवासी प्रतीक्षा यादव (13) अपने चाचा के यहां पर 10 साल से रह रही थी। गांव के ही मेमोरियल स्कूल में कक्षा छह की छात्रा थी और स्कूल की छुट्टी होने पर साइकिल से अपने चाचा के यहां पर लौट रही थी। प्रतीक्षा अभी मिसिरपुर गांव के पास बने गिट्टी के मिक्सिंग प्लांट के पास पहुंची थी कि प्लांट से गिट्टी लाद कर एक डंपर निकला था। डंपर भदवर हाइवे की तरफ जा रहा था कि उसी समय प्रतीक्षा सामने आ गयी और डंपर से उसे कुचल दिया। दुर्घटनास्थल पर ही छात्रा की मौत हो गयी। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण आक्रोशित हो गये। ग्रामीणों ने रोहनिया पुलिस पर आरोप लगाते हुए बवाल कर दिया। ग्रामीणों का कहना था कि रोहनिया पुलिस के संरक्षण में ही बड़े वाहनों को छोड़ा जाता है जिससे आये दिन दुर्घटना होती रहती है। ग्रामीणों ने सबसे अधिक नुकसान मिक्सिंग प्लांट को पहुंचाया। वहां पर खड़े दो डम्परों को आग के हवाले करने के साथ ही जनरेटर में भी आग लगा दी। ग्रामीणों ने जमकर तोफोड़ की। मुआवजे की मांग को लेकर ग्रामीणों ने छात्रा के शव को सड़क पर रख कर जाम लगा दिया। मौके पर एसपीआर एमके सिंह समेत कई थानों की फोर्स पहुंच गयी थी। पुलिस ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया लेकिन वह नहीं माने। इसके बाद रोहनिया के बीजेपी विधायक सुरेन्द्र नारायण सिंह व एसडीएम राजातालाब ने मृतक के परिजनों को हर संभव मदद दिलाने का आश्वासन दिया। ग्रामीणों के शांत होते ही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

खंडहर वीरान हो चुकी चौकी का इंचार्ज महेन्द्र ने बदला कायाकल्प, एसपी ने सराहा

राजपुर कानपुर देहात । बीते 15 वर्षो पूर्व से खंडहर बन चुकी कस्बा राजपुर की पुलिस चौकी के लिए मसीहा बनकर आये नवांगतुक चौकी प्रभारी महेंद्र सिंह ने अपने निजी धन से पुलिस चौकी को कायाकल्प कर दिया। वहीं सोमवार को पुलिस अधीक्षक राधेश्याम ने पुलिस चौकी का जीर्णोद्धार का फीता काटकर शुभारंभ किया। वहीं व्यापारियों ने पुलिस अधीक्षक के समक्ष एसओ व चौकी प्रभारी की कार्यशैली पर प्रसन्ता जाहिर की।बताते है कि कस्बा राजपुर की पुलिस चौकी बीते करीब 15 वर्षो से खंडहर बनी हुयी थी। चौकी प्रभारी बन कर आये कई दरोगा थाना राजपुर से ही अपनी ड्यूटी चलाते रहे किसी ने भी अपनी पुलिस चौकी को पीछे मुड़कर नही देखा। बीते कई वर्षो पूर्व चौकी प्रभारी बनकर आये दरोगा हरदयाल सिंह पुलिस चौकी में साफ सफाई रखते थे लेकिन उनके स्थानांतरित हो जाने के बाद पुलिस चौकी खंडहर में तब्दील हो गयी। बीते 13 अक्टूबर को तैनाती मिलने के बाद 15 अक्टूबर को कस्बा राजपुर की चौकी प्रभारी का पदभार संभालते ही महेंद्र सिंह ने अपने निजी धन से पुलिस चौकी का कायाकल्प कर दिया। लोगो के दिलो मे मित्रता की पहचान बना चुके चौकी प्रभारी महेंद्र कुमार सिंह पुलिस चौकी मे बैठकर फरियादियो की फरियाद सुनते है इसके अलावा एसओ रोहित तिवारी के साथ मिलकर पुलिस बल के साथ कस्बा के सर्राफा बाजार से लेकर रोड गश्त करते है। सोमवार को पुलिस चौकी पहुंचे पुलिस अधीक्षक राधेश्याम ने सीओ सिकन्दरा रामकृष्ण मिश्रा, एसओ रोहित तिवारी व चौकी प्रभारी महेंद्र सिंह के साथ मिलकर पुलिस चौकी के मुख्यद्वार पर फीता काटकर पुलिस चौकी का जीणोउद्धार का शुभारंभ किया। वहीं पुलिस अधीक्षक राधेश्याम व सीओ सिकन्दरा रामकृष्ण मिश्रा का राजपुर प्रधान पति अनवार खॉं सहित प्रधान प्रतिनिधि रमेश सिंह, डाढ़ापुर प्रधान शिवकुमार, समाजसेवी मातूराम अवस्थी व गुलबदन कटियार सहित पुलिस स्टाप मौजूद रहा।

हर्ष फायरिंग रोकने के लिए लॉन में लगाये सीसीटीवी कैमरे

❑ बारात में सड़क पर हुई अतिशबाजी तो होगी विधिक कार्रवाई

वाराणसी । एसपी ट्रैफिक सुरेश चन्द्र रावत ने आठ दिसम्बर से वैवाहिक सीजन तेज हो जाने के पहले ही एडवाइजरी जारी कर दी है। मैरिज लॉन के बाहर हर्ष फायरिंग प्रतिबंध का बोर्ड लगाने के साथ सीसीटीवी भी लगाना होगा। बारात के दौरान सड़क पर आतिशबाजी की या फिर नाचने–गाने के चलते रोड जाम हुआ तो भी कानून का चाबुक चलेगा। एसपी ट्रैफिक के एडवाइजरी के अनुसार मैरिज लॉन सिर्फ वाहनों के पार्किंग की व्यवस्था कर ली जाये। शादी से पहले ही वर व वधु पक्ष से वाहनों की संख्या का अनुमान लगा ले और फिर उसी अनुसार तैयारी करे। बारात घर के बाहर न्यूनतम चार ट्रैफिक वालिंटियर्स, जिनके पास टार्च व सीटी व ट्रैफिक रिबन उपलब्ध हो की व्यवस्था कर ले। यदि ट्रैफिक वालिंटियर्स उपलब्ध नहीं है तो यातायात विभाग के हेल्पलाइन नम्बर 7317202020 पर सम्पर्क कर विभाग से प्रशिक्षित कर्मचारी प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए दो दिन पूर्व प्रार्थना पत्र देना होगा और प्रति व्यक्ति 350 रुपये की दर से भुगतान करना होगा। एसपी ट्रैफिक सुरेश चन्द्र रावत ने कहा कि यदि किसी घर या लॉन के बाद पार्किंग की जगह नहीं है तो आस–पास के खाली स्थान, स्कूल आदि से सम्पर्क कर व्यवस्था कर ले। यदि पार्किंग स्थल दूर है तो वहां तक वाहनों को ले जाने के लिए दो गाड़ी की अलग से व्यवस्था की जाये। एसपी ट्रैफिक ने स्पष्ट कर दिया है कि निजी आवास या अन्य खाली स्थान पर वैवाहिक कार्यक्रम होने पर पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये। यदि पार्किंग के कारण वहां पर जाम लगता है तो कार्यक्रम आयोजक व मैरिज लॉन संचालक के खिलाफ नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जायेगी। एसपी ट्रैफिक सुरेश चन्द्र रावत ने कहा कि यदि सड़क पर नाचने–गाने के चलते जाम लगा या सड़क को बाधित कर बारात निकाली तो भी कानूनी कार्रवाई होगी। सड़क पर अतिशबाजी करने से राहगीरों के घायल होने की संभावना रहती है और ट्रैफिक व्यवस्था भी प्रभावित हो जाती है ऐसे में सड़कों पर अतिशबाजी को प्रतिबंधित किया गया है। मैरिज लॉन या समारोह स्थल पर ही आतिशबाजी करे। उन्होंने कहा कि यदि सड़क संकरी है और उसका एक चौथाई हिस्सा से अधिक की सड़क को घेर कर चले तो भी कानूनी कार्रवाई होगी।

466 शिकायतों में केवल 20 का निस्तारण

औरैया । मंगलवार को जिले की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय तहसील दिवस का आयोजन अजीतमल तहसील में हुआ। यहां पर आइजी व कमिश्नर ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि पीड़ितों की समस्याओं का अविलंब हर हाल में निस्तारण करें। कार्य के प्रति लापरवाही बरतने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

अजीतमल तहसील में आयोजित जिलास्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस में दूरदराज इलाकों से आए 109 फरियादियों ने अपनी अपनी फरियाद मंडलायुक्त सुभाष चंद्र शर्मा, आईजी आलोक सिंह के समक्ष रखीं। दोनों अधिकारियों ने डीएम श्रीकांत मिश्र, एसपी त्रिवेणी सिंह के साथ मिलकर तीन शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया। मंडलायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने कार्यालयों में प्रातः नौ से 11 बजे तक उपस्थित होकर जनता दर्शन में जनता की शिकायतें सुनें एवं इससे संबंधित एक रजिस्टर बनाएं जो हमेशा अपडेट रहे। डीएम को निर्देशित किया कि वह सघन चेकिंग करें और न मिलने पर कार्रवाई किए जाने की भी बात कही। इस दौरान एसडीएम विजय प्रताप सिंह, तहसीलदार प्रेमनारायण प्रजापति, नायब तहसीलदार वन्दना कुशवाहा, सीओ लालता प्रसाद शुक्ला, सीएमओ एके राय समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इसी प्रकार बिधूना तहसील में सीडीओ सत्येंद्र नाथ चौधरी ने समस्याएं सुनी। यहां पर कुल 164 आई शिकायतों में 13 का त्वरित निस्तारण किया गया।

भाजपा नेता कृष्ण प्रताप सिंह के नेतृत्व में शुरू निकली पथ यात्रा, ग्रामीणों को बताई सरकार की योजनाएं

कानपुर देहात । भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर गांधी स्मृति 150वीं जयंती के उपलक्ष में पदयात्रा कानपुर देहात के झींझक मंडल में भाजपा नेताओं ने सेक्टर लक्ष्मणपुर पिलख में संपर्क किया। भाजपा के युवा नेता टोली बनाकर बूथों में संपर्क करके भाजपा सरकार द्वारा जनहित में चलाई जा रही योजनाओं को ग्रामीणों को बताया एवं ग्रामीणों की सफाई शौचालय एवम् आवास संबंधी समस्याओं को भाजपा नेता कृष्ण प्रताप सिंह ने फोन पर अधिकारियों से बात करके शीघ्र उनकी समस्याओं का निस्तारण करने का आश्वासन दिया,एवम् ग्रामीणों को मोदी एवम् योगी सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को बताया ,युवाओं की टोली ने सेक्टर पिलख के बूथ जगदीशपुर बूथ अध्यक्ष विवेक तिवारी, बूथ पिपरी बूथ अध्यक्ष मनोज कुमार एवम् बूथ प्रधनपुर बूथ अध्यक्ष प्रदीप सहित पूरी टीम के साथ गांव में भ्रमण किया। प्रमुख रूप से भाजपा किसान मोर्चा युवा विभाग के प्रदेश सहसंयोजक कृष्ण प्रताप सिंह सेंगर, टोली प्रमुख गजेन्द्र पाल, मण्डल प्रमुख राघव अवस्थी, मण्डल महामंत्री अवधेश सविता, रंजन शुक्ला, मण्डल मंत्री गौरव दुवे, मण्डल अध्यक्ष चेतराम राजपूत, धर्मेन्द्र राजपूत, विजय सिंह, गुड्डू दुवे, सत्येन्द्र तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

साइबर ठगों ने बैंककर्मी बन युवक के खाते से रुपए निकाले

लखनऊ । साइबर ठगों ने बैंककर्मी बन युवक के खाते से बीस हजार रुपए निकाल लिए। गौरा निवासी कमल कुमार का बैंक ऑफ बड़ौदा मोहनलालगंज ब्रांच में सेविंग अकाउंट है। मंगलवार दोपहर उनके मोबाइल पर एक कॉल आई। फोन करने वाले ने अपनी पहचान बैंक कर्मी के रूप में देते हुए केवाईसी पूरी नहीं होने की बात कही। झांसे में फंसा कर ठग ने कमल कुमार से एटीएम कार्ड की डिटेल हासिल कर ली। कुछ देर बाद ही उनके खाते से 20 हजार रुपए निकाल लिए गए। मैसेज आने पर कमल कुमार को ठगी का पता चला। उन्होंने मोहनलालगंज कोतवाली में धोखाधड़ी की एफआईआर दर्ज कराई है।

डा अम्बेडकर का निर्वाण दिवस मनाएगी कांग्रेस

लखनऊ । कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग छह दिसम्बर को डा. भीमराव अम्बेडकर के निर्वाण दिवस पर सभी जिला मुख्यालयों पर गोष्ठी का आयोजन करेगा। यह जानकारी अनुसूचित जाति विभाग की उपाध्यक्ष व मीडिया प्रभारी सिद्धिश्री ने दी है। उन्होंने कहा कि विभाग के सभी जिला, शहर अध्यक्ष व प्रदेश पदाधिकारी संबंधित जिला कांग्रेस कमेटी मुख्यालयों पर डा. अम्बेडकर के निर्वाण दिवस पर गोष्ठी का आयोजन कर उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर चर्चा करेंगे।

बंद घर से चोरों ने लाखों का माल उड़ाया

जौनपुर । गोपालापुर गांव में चोरों ने बंद पड़े मकान से लाखों का माल पार कर दिया। गांव निवासी विनोद कुमार मिश्रा परिवार सहित मुंबई में रहते हैं। सोमवार की रात चोर मकान के मेन दरवाजे का ताला तोड़ कर घर के अंदर रखे अलमारी व बक्सा तोड़ कर चांदी के जेवर, पीतल के बर्तन व कीमती कपड़े चुरा ले गए। सुबह घर का ताला टूटा देख पड़ोसी अभय राज मिश्रा ने जंघई पुलिस चौकी को सूचना देते हुए मुंबई में रह रहे मकान मालिक को फोन से सूचना दिया।लोगों ने बताया कि पीड़ित परिवार ने उन्हें बताया कि घर के अंदर रखा गया लगभग तीस हजार नकद, 25 हजार चांदी के आभूषण समेत लगभग पचास हजार रुपये के पीतल के बर्तन चोर उठा ले गए। आए दिन चोरी की घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल व्याप्त है।

दो रुपये के लिए दबंगों ने पिता–पुत्र को पीटा

जौनपुर । गोरारी बाजार में मंगलवार की देर शाम महज दो रुपये के विवाद को लेकर दबंगों ने अंडा विक्रेता व उसके पिता सरेआम पिटाई और तोड़फोड़ की। गोरारी गांव निवासी पूर्णमासी उर्फ बाबू गुप्ता बाजार में साइकिल मरम्मत की दुकान चलाते हैं। बगल में उनका पुत्र सचिन अंडे की दुकान लगाता है। पड़ोस के तीन युवक सचिन की दुकान पर अंडा खाने गए। सचिन ने प्रति उबला अंडा सात रुपये की दर से पैसा मांगा। तीनों युवक पांच रुपये की दर से दे रहे थे। सचिन के पूरे पैसे की मांग करने पर कहासुनी हो गई। तीनों युवक गालियां देते हुए उसे पीटने लगे। बीच–बचाव करने पहुंचे बाबू गुप्ता को भी पीट दिया। दबंगों ने दुकान पर रखे अंडे तोड़ डाले और सिलेंडर सड़क पर फेंककर चले गए। पीड़ित की सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

हत्या का फरार इनामी गिरफ्तार

लखनऊ । रायबरेली में ग्राम प्रन्नाान मंजू सिंह के पति रिन्कू सिंह की हत्या कर फरार हुए 25 हजार के इनामी बदमाश को निगोहां पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एसओ निगोहां जगदीश पाण्डेय ने बताया कि मंगलवार को सुदौली निवासी मनोज त्रिवेदी को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि 20 नवम्बर को मनोज ने साथियों संग मिल कर ग्राम प्रन्नाान सुदौली मंजू सिंह के पति रिन्कू सिंह उर्फ बृजेश की गोलियों से भून कर हत्या कर दी थी। वारदात के वक्त रिन्कू के साथ उसके पिता हरिशचन्द्र व चचेरे भाई भी थे। जिन्होंने बछरांवा थाने में जिला सहकारी बैंक के पूर्व डारेक्टर न्नार्मेन्द्र मिश्रा, मनोज त्रिवेदी, अमरेन्द्र दीक्षित, अजीम व पप्पू के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। एसओ निगोहां जगदीश पाण्डेय ने बताया कि चार आरोपितों को बछरांवा पुलिस पहले गिरफ्तार कर चुकी है। वहीं, मनोज त्रिवेदी फरार था। जिसकी गिरफ्तारी के लिए 25 हजार रुपए का इनाम रखा गया था।

आग से झुलसी महिला की इलाज के दौरान मौत

औरैया । थाना क्षेत्र के मोहल्ला मोतीपुर में एक महिला संदिग्न्ना हालातों में आग से जलकर झुलस गई थी। जिसका उपचार चल रहा था। सोमवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। शव कस्बा में पहुंचते ही मायके पक्ष के लोग भड़क गए और उन्होंने हंगामा करना शुरू कर दिया।

काफी देर तक हंगामा चलने के बाद लोगों ने मायके पक्ष के लोगों को समझा–बुझाकर मामला शांत कराया। तब कहीं जाकर महिला का अंतिम संस्कार हो सका। विगत 13 नवंबर को रान्नाा ससुराल में संदिग्न्ना हालातों में आग से जलकर गंभीर रूप से झुलस गई थी। परिजनों ने रान्नाा को सैफई में भर्ती कराया था। जहां सोमवार को उसकी मौत हो गई। रान्नाा की मौत होने के बाद ससुरालीजन उसे गांव ले आए। जब रान्नाा की मौत की सूचना मायके पक्ष के लोगों में मिली तो वह फफूंद पहुंच गए और ससुरालीजनों पर आरोप लगाते हुए हंगामा मचाना शुरू कर दिया। ससुरालीजन मृतका का अंतिम संस्कार करने जा रहे थे लेकिन मायके पक्ष के लोगों ने वहां पर पहुंचकर अंतिम संस्कार नहीं होने दिया।

अपने दौर की बिंदास अभिनेत्री तनुजा 75 की उम्र में भी हैं जिंदादिल, बेटी काजोल ने शेयर की फोटो

मुंबई। आज की पीढ़ी उन्हें काजोल की मां और अजय देवगन की सास के नाम से ज्यादा जानती है। लेकिन, कभी उनकी गिनती बॉलीवुड के ग्लैमरस, बेबाक और बिंदास अभिनेत्री के रूप में होती थी। हम बात कर रहे हैं अदाकारा तनुजा की। काजोल इन दिनों अपनी मॉम संग सिंगापुर में छुट्टियां मना रही हैं।

बॉलीवुड एक्ट्रेस तनुजा ने हाल ही में 23 सितंबर को अपना जन्मदिन मनाया है। बता दें कि काजोल की मॉम तनुजा के पिता कुमारसेन समर्थ एक फिल्म डायरेक्टर थे और मां शोभना समर्थ एक कामयाब एक्ट्रेस। उनका पूरा परिवार फिल्मों से जुड़ा रहा है। आपको पता ही होगा कि अपने जमाने की मशहूर एक्ट्रेस नूतन उनकी बड़ी बहन थीं। बहरहाल, सिंगापुर से आई इन तस्वीरों में आप मां–बेटी का ये प्यारा सा अंदाज देख सकते हैं। सिंगापुर में ही अजय–काजोल की बेटी निसा भी पढ़ाई कर रही है। लगता है ये दोनों उसी से मिलने गयी हैं। आज भी तनुजा जब कभी कहीं नजर आती हैं तो उनके चेहरे से उनकी जिंदादिली साफ महसूस की जा सकती है!बात तनुजा की करें तो उन्होंने अपने फिल्मी सफर की शुरूआत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट साल 1950 में आई फिल्म 'हमारी बेटी' के जरिए की थी। बतौर लीड एक्ट्रेस उनकी पहली फिल्म 'छबीली' थी। साल 1961 में आई फिल्म श्हमारी याद आएगीश तनुजा के करियर में एक अहम पड़ाव साबित हुई। तनुजा ने 'आज और कल', 'दो चोर', 'दो दूनी चार', 'बहारें फिर भी आएंगी', 'घराना', 'हाथी मेरे साथी', 'ज्वेल थीफ', 'जीयो और जीने दो' और 'प्रेमरोग' जैसी कई यादगार फिल्मों में काम किया। इन्होंने हिंदी ही नहीं मराठी, बंगाली और गुजराती फिल्मों में भी काम किया है। उन्हें फिल्मफेयर से दो बार बेस्ट स्पोर्टिंग एक्ट्रेस का पुरस्कार मिला। साल 2014 में उन्हें फिल्मफेयर ने लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से भी सम्मानित किया।

कहते हैं बचपन में तनुजा को अपनी मां शोभना समर्थ और दीदी नूतन का इतना अधिक लाड़–प्यार मिला कि वो काफी फ्री सी हो गयी और इसलिए भी 50 के दशक में उन्हें टॉम ब्वॉय का खिताब मिल गया। एक खुलापन झलकता था उनके रवैये से। वे पार्टियों में बोल्ड कपड़े पहनतीं, खुलेआम सिगरेट और शराब पीतीं और इस वजह से उस दौर की ट्रेडिशनल एक्ट्रेसेस से हटकर तनुजा काफी बिंदास मानी जाती थीं। जिसका असर उनकी फिल्मी किरदारों में भी दिखा। देव आनंद की 'ज्वेलथीफ' में वैजयंती माला लीड रोल में थी, लेकिन तनुजा पर फिल्माया गाना श्रात अकेली हैश काफी प्रसिद्ध हुआ था जो आज भी लोगों को याद है।

बलराज साहनी के बेटे परीक्षित साहनी की पहली फिल्म श्पवित्र पापीश में तनुजा ने यादगार परफोर्मेंस दिया। इसके बाद वो भाभी, मौसी और मां के रोल ज्यादा करने लगी। उन्होंने कुछ टीवी सीरियल्स में भी काम किया। साल 1943 बंगाली डायरेक्टर शोमू मुखर्जी के साथ शादी के बंधन में बंधी तनुजा की दो बेटियां काजोल और तनीषा हैं। शादी के कुछ साल बाद ही तनुजा और शोमू अलग हो गए थे, लेकिन उन्होंने कभी तलाक नहीं लिया।

अपने दौर की बिंदास अभिनेत्री तनुजा 75 की उम्र में भी हैं जिंदादिल, बेटी काजोल ने शेयर की ये फोटो

आखिरी बार बड़े पर्दे पर तनुजा साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म 'सन ऑफ सरदार' में दिखाई दी थी। इस फिल्म में अजय देवगन लीड रोल में थे।

मुंबई। आज की पीढ़ी उन्हें काजोल की मां और अजय देवगन की सास के नाम से ज्यादा जानती है। लेकिन, कभी उनकी गिनती बॉलीवुड के ग्लैमरस, बेबाक और बिंदास अभिनेत्री के रूप में होती थी। हम बात कर रहे हैं

अदाकारा तनुजा की। काजोल इन दिनों अपनी मॉम संग सिंगापुर में छुट्टियां मना रही हैं।

बॉलीवुड एक्ट्रेस तनुजा ने हाल ही में 23 सितंबर को अपना जन्मदिन मनाया है। बता दें कि काजोल की मॉम तनुजा के पिता कुमारसेन समर्थ एक फिल्म डायरेक्टर थे और मां शोभना समर्थ एक कामयाब एक्ट्रेस। उनका पूरा परिवार फिल्मों से जुड़ा रहा है। आपको पता ही होगा कि अपने जमाने की मशहूर एक्ट्रेस नूतन उनकी बड़ी बहन थीं। बहरहाल, सिंगापुर से आई इन तस्वीरों में आप मां–बेटी का ये प्यारा सा अंदाज देख सकते हैं। सिंगापुर में ही अजय–काजोल की बेटी निसा भी पढ़ाई कर रही है। लगता है ये दोनों उसी से मिलने गयी हैं। आज भी तनुजा जब कभी कहीं नजर आती हैं तो उनके चेहरे से उनकी जिंदादिली साफ महसूस की जा सकती है!

बात तनुजा की करें तो उन्होंने अपने फिल्मी सफर की शुरूआत बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट साल 1950 में आई फिल्म 'हमारी बेटी' के जरिए की थी। बतौर लीड एक्ट्रेस उनकी पहली फिल्म 'छबीली' थी। साल 1961 में आई फिल्म श्हमारी याद आएगीश तनुजा के करियर में एक अहम पड़ाव साबित हुई। तनुजा ने 'आज और कल', 'दो चोर', 'दो दूनी चार', 'बहारें फिर भी आएंगी', 'घराना', 'हाथी मेरे साथी', 'ज्वेल थीफ', 'जीयो और जीने दो' और 'प्रेमरोग' जैसी कई यादगार फिल्मों में काम किया। इन्होंने हिंदी ही नहीं मराठी, बंगाली और गुजराती फिल्मों में भी काम किया है। उन्हें फिल्मफेयर से दो बार बेस्ट स्पोर्टिंग एक्ट्रेस का पुरस्कार मिला। साल 2014 में उन्हें फिल्मफेयर ने लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से भी सम्मानित किया।

कहते हैं बचपन में तनुजा को अपनी मां शोभना समर्थ और दीदी नूतन का इतना अधिक लाड़–प्यार मिला कि वो काफी फ्री सी हो गयी और इसलिए भी 50 के दशक में उन्हें टॉम ब्वॉय का खिताब मिल गया। एक खुलापन झलकता था उनके रवैये से। वे पार्टियों में बोल्ड कपड़े पहनतीं, खुलेआम सिगरेट और शराब पीतीं और इस वजह से उस दौर की ट्रेडिशनल एक्ट्रेसेस से हटकर तनुजा काफी बिंदास मानी जाती थीं। जिसका असर उनकी फिल्मी किरदारों में भी दिखा। देव आनंद की 'ज्वेलथीफ' में वैजयंती माला लीड रोल में थी, लेकिन तनुजा पर फिल्माया गाना श्रात अकेली हैश काफी प्रसिद्ध हुआ था जो आज भी लोगों को याद है।

बलराज साहनी के बेटे परीक्षित साहनी की पहली फिल्म श्पवित्र पापीश में तनुजा ने यादगार परफोर्मेंस दिया। इसके बाद वो भाभी, मौसी और मां के रोल ज्यादा करने लगी। उन्होंने कुछ टीवी सीरियल्स में भी काम किया। साल 1943 बंगाली डायरेक्टर शोमू मुखर्जी के साथ शादी के बंधन में बंधी तनुजा की दो बेटियां काजोल और तनीषा हैं। शादी के कुछ साल बाद ही तनुजा और शोमू अलग हो गए थे, लेकिन उन्होंने कभी तलाक नहीं लिया।

10 अप्रैल 2008 में बीमारी के कारण शोमू मुखर्जी का निधन हो चुका है। बड़ी बेटी काजोल की चुलबुली और शोखी भरी एक्टिंग में तनुजा की झलक मिलती है। आखिरी बार बड़े पर्दे पर तनुजा साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म 'सन ऑफ सरदार' में दिखाई दी थी। इस फिल्म में काजोल के पति और तनुजा के दामाद अजय देवगन लीड रोल में थे।

गौ–रक्षक दल के कार्यकर्ता घायल गायों के इलाज में अपने जान की बाजी लगाने से नहीं रहे है चूक

मुंगीसापुर कानपुर देहात । डेरापुर के ग्राम नंन्थू जहली में बेसहारा गौमाता के घायल होने की सूचना रात में मिली सुचना मिलते ही संगठन के कार्यकर्ताओ ने तत्काल वहां पहुंचकर गौ माता का इलाज किया। दिन और रात की परवाह किए बगैर गौ रक्षक दल के कार्यकर्ता घायल गायों के इलाज में अपने जान की बाजी लगाने से भी नहीं चूक रहे हैं। सोमवार की देर रात भी घायल गाय का इलाज करने के लिए गौ रक्षक सर्दी गर्मी की परवाह किए बगैर दूसरे गांवों में दौड़ते हुए नजर आए। गौ रक्षक कार्यकताओं को सूचना मिली कि डेरापुर के ग्राम नंथू जहली में एक गाय किसी हादसे का शिकार हो घायल हो गई है, सूचना मिलते ही गौ रक्षक वहां पहुंच गए और घायल गाय का रात्रि में ही इलाज किया। इस मौके पर बजरंगदल व राष्ट्रीय गौ रक्षक दल के कार्यकर्ता अंकुर तिवारी, ऋषि तिवारी, शोभित श्रीवास्तव, अनूप कुमार, लवी तिवारी, ओमजी श्रीवास्तव, सौरभ तिवारी, अभिषेक अग्निहोत्री, अनुरुद्ध राठौर आदि मौजूद रहे। इसीक्रम में राष्ट्रीय गौ रक्षक दल जिलाध्यक्ष ऋषि तिवारी ने कार्यकर्ताओं के साथ सोमवार को नेशनल हाईवे के किनारे करीब आधा दर्जन ट्रक, बसों, कारों की चपेट में आई गाय व बछड़ों का उपचार कराया । प्राप्त जानकारी के अनुसार गौ रक्षक दल जिलाध्यक्ष ऋषि तिवारी के नेतृत्व में करीब चार माह से सड़क किनारे ट्रक कार व खेतों में लगे कटिले तारों की चपेट मे आने से बेसहारा गौवंशो गंभीर रूप से घायल गाय, बछड़ों का इलाज गौ रक्षक दल व बजरंगदल समिति द्वारा उपचार कराया जा रहा है आज करीब आधा दर्जन गाय व बछड़ों को वाहन से लादकर गांव थनवापुर में इलाज किया गया है । गौ रक्षक दल व बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने आसपास के लोगों से अपील की है कि जिन लोगों को घायल अवस्था में गाय और बछड़े आदि मिलते हैं गौ रक्षक दल व बजरंग दल कार्यकर्ताओं तक सूचना दें जिससे कि उनका समय पर उपचार कराया जा सके वहीं गौ रक्षक दल व बजरंग दल कार्यकर्ताओं द्वाराघायल गौ वंशों का इलाज करने का संकल्प लिया गया है। इस मौके पर ऋषि तिवारी राष्ट्रीय गौ रक्षक दल जिलाध्यक्ष, छुन्नी तिवारी, मुनी तिवारी, हिमांशु, आशु सिंह, राहुल मिश्रा, गोरे सिंह, गुरई अवस्थी, शशांक पांडे, प्रजापति, सत्यम शुक्ला, भोलू तिवारी, शानू दुबे, नवीन द्विवेदी, पवन राठौड़, नीलेश कटियार, मृत्युंजय त्रिवेदी, कार्तिकेय सचान, अंकुर तिवारी, ओम जी श्रीवास्तव, मनिंदर सिंह, छोटू सिंह, शिवम तिवारी, पीलू तिवारी, मोहन, दीपक शर्मा, निखिल मिश्रा, स्वदेश तिवारी, विनय तिवारी, विशाल तिवारी, अथर्व सिंह, शांतनु शर्मा, मोहन दिवाकर, पुती दिवाकर, मन्नू पांडे समेत कई लोग मौजूद रहे ।

डीएम ने दिया प्रिंसिपल को हटाने का निर्देश, 5 अध्यापकों का रोका वेतन

गोण्डा । गोंडा जिले में मंगलवार को डीएम कैप्टेन प्रभांशु श्रीवास्तव ने प्राथमिक विद्यालय गांधी ग्राम शिक्षा क्षेत्र झण्झरी तथा प्राथमिक विद्यालय कहोबा मनकापुर में औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में मिली खामियों पर नाराज डीएम ने गांधी ग्राम की प्रिन्सपल आरती पाण्डेय को तत्काल हटाकर बभनजोत ब्लॉक में पोस्ट करने और कहौबा प्राथमिक विद्यालय के पाँच अध्यापकों का वेतन तत्काल प्रभाव से रोकने के आदेश बीएसए को दिए हैं।डीएम ने गांधी ग्राम विद्यालय में शिक्षा की क्वालिटी चेक करने के बच्चों से सवाल पूछे तो ज्यादातर बच्चे डीएम को पहाड़ा नही सुना पाए। विद्यालय में एक भी बच्चे को अब तक स्वेटर नही मिला हैं।लापरवाही से नाराज डीएम ने वर्षों से विद्यालय में तैनात प्रिंसिपल का स्थानांतरण ब्लॉक झण्झरी से बभनजोत करने के आदेश बीएसए को दिए हैं।इसके अलावा अन्य अध्यापकों को शिक्षा के स्तर में सुधार के लिए पंद्रह दिनो का टाइम दिया हैं। यहां से निकल कर डीएम प्राथमिक विद्यालय कहौबा शिक्षा क्षेत्र मनकापुर पहुंचे। पंजीकरण 101 बच्चों के सापेक्ष मात्र 40 बच्चे उपस्थित मिले। बच्चों से डीएम ने पहाड़ा पूछा तो बच्चे नही सुना सके। मानक के आधार पर आवश्यकता से अधिक अध्यापकों को तत्काल हटाकर बभनान स्थानांतरित करने व नवम्बर माह से लेकर अग्रिम आदेशों तक वेतन निर्गत न करने के आदेश बीएसए को दिए हैं। एसपी आरपी सिंह व सीडीओ अशोक कुमार मौजूद रहे।

विद्यालय में बीएसए को मिले दो शिक्षक व दो बच्चे

औरैया । ग्रामीण क्षेत्र में सरकारी प्राथमिक विद्यालयों की हालत बेहद दयनीय है। यही रहा तो इन्हें बंद करने की भी नौबत आ सकती है। कुछ जगहों पर तो विद्यालयों में बच्चों की नामांकन संख्या के सापेक्ष उपस्थिति दहाई तक नहीं पहुंच रही है। इस बात की जानकारी होने पर मंगलवार को बीएसए ने सहार ब्लाक के एक विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। यहां विद्यालय में दो अन्नयापकों के साथ केवल दो बच्चे ही मौजूद मिले। जिसे देखकर उनका पारा चढ़ गया। उन्होंने शिक्षकों को प्रतिकूल प्रविष्टि देकर एक माह का समय दिया है। जिला बेसिक शिक्षा अन्निाकारी एसपी सिंह ने मंगलवार को सहार ब्लाक के अमरपुर गांव स्थित परिषदीय प्राथमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में प्रन्नाानान्नयापक न्नार्मेंद्र सिंह व सहायक अन्नयापक पूजा तोमर उपस्थित मिलीं। विद्यालय में कुल 14 बच्चों का नामांकन है। जिसमें से केवल दो ही मौके पर मिले। जिसे देख वह गुस्साए और उन्होंने सभी दस्तावेजों की गहनता से जांच पड़ताल की। उपस्थिति रजिस्टर देखने पर पता चला कि पिछले कई दिनों से विद्यालय में बच्चों की संख्या कम है।

भाजपा नेता की हत्या में ट्रॉमा सेन्टर में हंगामा, कैसरबाग इंस्पेक्टर सस्पेंड

लखनऊ । राजधानी के महानगर में भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश मंत्री प्रत्युषमणि त्रिपाठी (36) की चाकू से गोदकर हत्या के बाद नाराज परिवारीजनों और कार्यकर्ताओं ने मंगलवार सुबह खूब हंगामा किया। इन लोगों ने ट्रॉमा सेन्टर, फिर पोस्टमार्टम हाउस पर डीएम और एसएसपी को हटाने की मांग को लेकर नारेबाजी की। अफसर किसी तरह इन्हें शांत करने के लिए मशक्कत करते रहे। करीब तीन घंटे बाद पुलिस अफसर सख्त कार्रवाई का आश्वासन देकर इन्हें मना सके। इसके बाद ही शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा सका। उधर इस मामले में कैसरबाग इंस्पेक्टर धीरेन्द्र कुमार कुशवाहा को निलम्बित कर दिया गया। साथ ही प्रत्युष की पत्नी की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया। आईजी सुजीत कुमार पाण्डेय ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें बनायी गई है। हत्या पुराने विवाद में की गई है। इसमें पहले भी पुराने विवाद को लेकर दोनों पक्षों में मुकदमा दर्ज हो चुका है। उधर घर वालों में इस बात को लेकर सबसे ज्यादा नाराजगी है कि 25 नवम्बर को कैसरबाग में घर के पास ही प्रत्युष पर हमला हुआ था लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई ही नहीं की। यही नहीं दूसरा पक्ष ही प्रत्युष पर कार्रवाई को लेकर अफसरों के यहां भागदौड़ करता रहा। पुलिस ने इस मामले में एक भी कदम आगे नहीं बढ़ाया था। जिसकी वजह से प्रत्यूष की हत्या हो गई। मंत्री बृजेश पाठक, भाजपा के कई कार्यकर्ता मंगलवार सुबह ही ट्रॉमा सेन्टर पहुंच गए। बृजेश पाठक को कार्यकर्ताओं ने बताया कि पुलिस की लापरवाही से ही हत्या हुई है। जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो जाती, वह लोग शव को पोस्टमार्टम के लिए नहीं भेजेंगे। इस बीच डीएम कौशल राज समेत कई अफसर भी वहां पहुंच गए। डीएम ने नाराज कार्यकर्ताओं को बताया कि कैसरबाग इंस्पेक्टर को सस्पेंड कर दिया गया है। पर, कार्यकर्ता एसएसपी के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग पर अड़े थे। कुछ कार्यकर्ता तो डीएम को हटाने के लिए भी नारेबाजी करने लगे। किसी तरह लोगों ने शांत कराया और कहा कि अभी इंस्पेक्टर नपे हैं, जांच के बाद और कार्रवाई होगी। इसके बाद कार्यकर्ता शांत हुए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा सका। कैसरबाग के तालाब गगनी शुक्ल मोहल्ले में रहने वाले प्रत्युषमणि त्रिपाठी सोमवार रात करीब 11 बजे बादशाहनगर रेलवे स्टेशन के बाहर घायल हालत में मिले थे। उनकी बाइक कुछ दूरी पर ही पड़ी थी। उन्हें अस्पताल ले जाया गया था जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इस बीच पहचान भाजपा नेता प्रत्युषमणि त्रिपाठी के रूप में होते ही हड़कम्प मच गया। देर रात तक परिवारीजन और कार्यकर्ता हंगामा करते रहे थे।

नौनिहालों को रूबेला और खसरा जैसी खतरनाक बीमारियों से बचाए जाने के क्रम में चला टीकाकरण अभियान

कानपुर देहात । सरकार द्वारा चलाए जा रहे देश के नौनिहालों को रूबेला और खसरा जैसी खतरनाक बीमारियों से बचाए जाने के क्रम में टीकाकरण अभियान के तहत आज अकबरपुर प्राथमिक विद्यालय में व बगल में ही संचालित हो रहे बालिका इंटर कॉलेज में बच्चों को टीकाकरण किया गया। प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका शिवानी यादव व मौजूद सहायक अध्यापक अंकिता द्विवेदी एवं मांडवी भारद्वाज ने टीम के साथ टीकाकरण करने पहुंची अर्चना का पूरा सहयोग करते हुए कुल पंजीकृत 106 बच्चों में 104 बच्चों को प्रतिरक्षित करने का कार्य किया। वहीं बालिका इंटर कॉलेज में भी बच्चों को प्रतिरक्षित किया गया। बताया गया कि प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत दो बच्चों जिनमें स्वाति व रिया पुत्री भजन लाल निवासी वार्ड नंबर 12 शंकर दयाल नगर द्वारा बच्चों को टीका लगवाने से मना कर दिया गया। इसके साथ ही विद्यालय की शिक्षिकाओं के साथ में अपशब्द भाषा का प्रयोग भी किया गया। विद्यालय की शिक्षिकाओं द्वारा बताया गया कि कुल पंजीकृत 106 बच्चों में 104 बच्चों को प्रशिक्षित किया जा सका है दो बच्चों को अभिभावक द्वारा सहयोग न किए जाने के चलते प्रतिरक्षित नहीं किया जा सका।

पैरामेडिकल छात्र–छात्राओं ने बेहतरीन कोरियोग्राफी का प्रदर्शन किया

लखनऊ । जो पैरामेडिकल और नर्सिंग स्टॉफ दिन रात मरीजों की सेवा करते हैं। मंगलवार को उन्हीं कर्मचारियों ने नृत्य, गीत की एकल और सामूहिक सुंदर प्रस्तुति से मौजूद लोगों का मन मोह लिया। इन्हीं पैरामेडिकल छात्र–छात्राओं ने बेहतरीन कोरियोग्राफी का प्रदर्शन भी किया। मौका था केजीएमयू के इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेस का वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम सिनर्जी 2018 के आयोजन का। निखरती है बच्चों में छिपी प्रतिभा केजीएमयू के अटल बिहारी वाजपेयी साइंटिफिक कंवेंशन सेंटर में सिनर्जी 2018 का धूमधाम से शुभारंभ मंगलवार सुबह हुआ। समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि लोहिया अस्पताल के निदेशक डॉ. डीएस नेगी और विशिष्ट अतिथि डॉ. डीवी आमला ने किया। केजीएमयू इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंसेस के अधिष्ठाता डॉ. विनोद जैन ने बताया कि ऐसे कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य छात्र–छात्राओं के सर्वांगीण विकास, उनके अंदर टीम भावना एवं आपसी सहयोग के संवर्धन के लिए आवश्यक है। ऐसे आयोजन से छात्र–छात्राओं में छिपी हुई प्रतिभा सामने आती है। उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि किसी भी व्यवसायिक कोरियोग्राफर की मदद के बगैर समारोह हुआ। छात्र–छात्राएं हुए पुरस्कृत पुरस्कार वितरण समारोह की मुख्य अतिथि अनामिका भट्ट, विशिष्ट अतिथि शिखा जैन ने सभी बच्चों को पुरस्कृत किया। पुरस्कार पाने वालों में भारतीय वेशभूषा प्रतियोगिता में शिवानी वर्मा व अरविंद गुप्ता ने बाजी मारी। सोलो डांस में स्वाति गुप्ता ने पुरस्कार अपने नाम किया तो एकल गायन में रवि कुमार विजयी हुए। पैट्रियाटिक ग्रुप डांस प्रतियोगिता में जलवा तेरा जलवा गाने पर स्वाति गुप्ता, इंद्रजीत, कृष्णा प्रजापति, अभिषेक, सचिन और शिवानी गुप्ता ने पुरस्कार जीता। समारोह में शालिनी गुप्ता, बीनू दुबे, मंझरी, राघवेंद्र, रचना का विशेष योगदान रहा।

कृषि व्यवस्था दुरुस्त करना जरूरी

कुछ महीने पहले 30,000 से ज्यादा किसानों ने एक लाख रुपये प्रति एकड़ की पूरी कृषि ऋण माफी के साथ 50,000 रुपये सूखा मुआवजे की मांग को लेकर ठाणे से मुंबई तक मार्च किया. इस समय नासिक और मराठवाड़ा जिले के अलग–अलग हिस्सों में कई गांवों को पानी की कमी (औसतन 30 फीसद) का सामना करना पड़ रहा

है, जबकि यहां के किसान पहले से ही कम फायदेमंद खरीफ फसलों में निवेश के चलते कर्ज तले दबे हुए हैं. अब यहां के ग्रामीणों को मजदूरी की तलाश में रोजाना पास के शहरी इलाकों में भटकते देखा जा सकता है. पिछले कुछ वर्षों में विदर्भ और देश के बहुत से दूसरे उपेक्षित इलाकों की अपनी यात्राओं के दौरान सीमांत किसानों की खस्ता हालत और कृषि कर्ज माफी के लिए उनकी जरूरतों से मेरा सामना हुआ है. इस साल कम बारिश को देखते हुए आगामी रबी की फसल से भी कम ही उम्मीद है. यह नयी बात नहीं है. हाल ही में बेंगलुरू में हजारों किसानों ने कृषि ऋण माफी की मांग के साथ विधानसभा का घेराव किया था. दूसरी तरफ, पंजाब के भटिंडा के दूरस्थ इलाके में सीमांत किसान राजिंदर सिंह जैसे लोग फसल के अवशेष को मशीनों की मदद से संसाधित करने के बजाय जलाने पर नेशनल मीडिया की तीखी आलोचना झेल रहे हैंय उनकी हरकत को प्रचंड विनाश की करतूत करार दिया जा रहा है. हालांकि इस तरह के तर्क देते समय, अपेक्षाकृत संपन्न राज्यों में भी मशीनीकरण अपनाने से जुड़े आर्थिक पहलू की अनदेखी कर दी जाती है. एक रिपोर्ट के मुताबिक, फसल अवशेष जलाने पर मोटे तौर पर करीब 2,500 रुपये प्रति एकड़ जुर्माना लगता हैय इसकी तुलना में फसल के अवशेष प्रसंस्करण की मशीनरी के किराये, डीजल की लागत और मजदूरी सहित तकरीबन 6,000 रुपये प्रति एकड़ लागत पड़ती है. यह देखते हुए कि वर्तमान में फसल अवशेष (पराली या फाने) का कोई आर्थिक मूल्य नहीं है और किसानों पर ऋण के लिए सख्त दबाव बनाया जाता है, इसे जलाना ही समझदारी लगता है. इस बीच, नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस की 2013 की रिपोर्ट के अनुसार, पंजाब में प्रति व्यक्ति औसत बकाया ऋण तकरीबन 1,19,500 रुपया है. पीटीआइ की नवंबर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पंजाब में किसानों द्वारा फसल ऋण का भुगतान नहीं करने के मामले बढ़ रहे हैं, जिस कारण कृषि क्षेत्र में एनपीए 9,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है. पंजाब जहां पर दशकों से कृषि विकास सबसे अच्छा रहा है, कृषि से जुड़ी अनिश्चितताओं से निबटने के लिए संस्थागत उपाय महत्वपूर्ण रूप से विकसित किये गये हैं. किसी की भी सरकार हो, सभी अक्सर संस्थागत ऋण के लिए ऋण माफी का सहारा लेती हैंय यह अलग बात है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बड़ी हिस्सेदारी गैर–संस्थागत ऋण (साहूकारों के ऋण) की है. कृषि संकट से निबटने के लिए व्यवस्था को फिर से दुरुस्त करना होगा. जिला ऋण निबटान फोरम (पंजाब कृषि कर्जदारी का समाधान अधिनियम, 2016) के अलावा ऋण समझौता बोर्ड (पंजाब कर्जदारी से राहत अधिनियम, 1934 के तहत) दशकों से अस्तित्व में है, लेकिन ऐसे संस्थान फंड और प्रतिभा की कमी के कारण किसी काम के नहीं रह गये हैं. इसके मुकाबले केरल को देखें, जहां राज्य ऋण राहत आयोग संस्थागत और गैर–संस्थागत ऋण दोनों तरह के मामले देखता है. इसके पास किसी क्षेत्र को आपदा–प्रभावित क्षेत्र घोषित करने के साथ ही सभी के लिए ऋण वसूली पर एकतरफा रोक का आदेश जारी करने का भी अधिकार है. राज्य सरकारों को केरल मॉडल से सीख लेनी चाहिए, जिसने भरपूर फंड के साथ ऐसा ऋण राहत आयोग बनाया है, जो पहले से काम के बोझ तले दबी और उदासीन सरकारी मशीनरी पर ऐसे कामों का बोझ डालने के बजाय फौरी राहत प्रक्रिया शुरू कर सकता है. ग्रामीण दिवालियापन की पीड़ा रहित घोषणा के लिए एक व्यापक ऋण निबटान मॉडल कानून की जरूरत है. हमें किसानों को खुद को दिवालिया घोषित करने की अनुमति देने से कतई हिचकिचाना नहीं चाहिए– निजी तौर पर किसानों के लिए नयी शुरुआत होनी चाहिए.

माइक्रो–फाइनेंस में और सुधार जरूरी हैं. हमें स्व–सहायता समूहों को प्रोत्साहित करना चाहिए, जो बचत के लिए एक सुरक्षित मौका देते हैं. जो छोटे बैंक की तरह काम करते हैं, सदस्यों को पैसे देते हैं. इनका सकारात्मक आर्थिक प्रभाव प्रमाणित है, खासतौर से बैंकिंग की आदत डालते हुए औसत शुद्ध आय और रोजगार जैसे मानकों पर. हालांकि, बैंक स्व–सहायता समूहों को बढ़ावा देने में फायदा पहचान पाने में नाकाम रहे हैं. स्व–सहायता समूहों के जरिये गरीबों को उधार देने में कम लागत है, और यह गलत चयन व नैतिक संकट से मुक्त है. स्व–सहायता समूह और बैंकिंग क्षेत्र के बीच का रिश्ता महत्वपूर्ण है. अध्ययनों ने दिखाया है कि आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में फेडरेशन बनाकर काम करने से स्व–सहायता समूह वित्तीय रूप से फायदेमंद हो सकते हैं और अर्थव्यवस्था को आगे ले जा सकते हैं.पायलट प्रोजेक्ट के जरिये नियमित व निर्बाध आधारभूत आय बढ़ाना और फिर धीरे–धीरे सावधानी से लागू किया जाना सीमांत किसानों के लिए फायदेमंद होगा. सेवा, यूनिसेफ 2014 के अध्ययन का कहना है कि नियमित बुनियादी आय होने से सीमांत किसानों को संकट में कर्ज के दुश्चक्र में फंसने के बजाय प्रभावी रूप से निबटने में मदद मिलेगी. यह बाल मजदूरी को भी कम कर सकता है, और माता–पिता को अपने बच्चों को स्कूलों भेजने के लिए प्रोत्साहित भी. इस तरह गांवों में बदलाव आयेगा और लोगों की आय में नियमित बढ़ोतरी होगी. भारत के वित्तीय विशेषज्ञों में किसानों को दी गयी किसी भी सरकारी मदद (अनुदान, भोजन का अधिकार, ऋण माफी) की पेशकश को खारिज करने की तीव्र इच्छा दिखती है, जबकि उद्योग को छूट देने पर उनका रुख नरमी भरा होता है. हमें अपने राष्ट्रीय बजट को कृषि की दिशा में मोड़ने की जरूरत है, कृषि क्षेत्र में मांग वाले उपकरणों का सुधार कार्यक्रम (मौजूदा सिंचाई पंप की जगह एनर्जी–सेवर मॉडल लाना) लागू करना होगा. हमें दीर्घकालिक ग्रामीण ऋण नीति को बढ़ावा देना चाहिए, जिसमें सूखे और बाढ़ की घटनाओं के प्रति लचीलापन हो. सरकार द्वारा प्रस्तावित फसल बीमा, बाजार और मौसम की अनिश्चितता के खिलाफ बीमा करने की आदत को संस्थागत बनाने की दिशा में एक स्वागतयोग्य कदम है. नहीं तो सीमांत किसान कर्ज में पैदा होगा, दरिद्रता में जीयेगा और इसी तरह आपदाओं से मर जायेगा.

आसान नहीं है चुनाव को काले धन से मुक्त करना

पांच राज्यों के चुनावों में काले धन के उपयोग का मुद्दा फिर सतह पर है। ओपी रावत ने मुख्य चुनाव आयुक्त पद से सेवानिवृत्त होने के बाद कहा है कि चुनाव में धन का दुरुपयोग भारत और भारतीय चुनावों के लिए मुख्य चिंता का विषय है। रावत से पहले के चुनाव आयुक्तों ने भी कहा कि चुनावों में बाहुबल पर तो काफी हद तक काबू पा लिया गया है, मगर धनबल को नियंत्रित करना कठिन हो रहा है। अभी पांच राज्यों के चुनावों में भी आयोग 200 करोड़ रुपये से ज्यादा पैसे जब्त कर चुका है। कर्नाटक के चुनाव में भी इतनी ही राशि जब्त हुई थी। चुनाव हमारे लोकतंत्र का मूल है और मूल में ही यदि भ्रष्ट तरीकों से पाया गया धन उपयोग हो रहा है, तो फिर इसके आगे हम पारदर्शिता की कल्पना नहीं कर सकते। हालांकि यह मानना गलत है कि चुनाव में काले धन को रोकने के लिए कुछ किया ही नहीं गया है। राजनीतिक दलों को होने वाली आय को पारदर्शी और स्वच्छ बनाने के लिए कदम उठाए गए हैं। 2017 के बजट में यह प्रावधान किया गया कि कोई भी 2,000 रुपये से ज्यादा का चंदा नकद नहीं दे सकता। पहले राजनीतिक पार्टियों को 20 हजार रुपये तक का चंदा किसने दिया, यह बताने की आवश्यकता नहीं थी। पार्टियां अपने हिसाब में अधिकतम चंदा 20 हजार या उससे नीचे घोषित करती रही हैं। यह स्थिति अब समाप्त हो गई है। इसके अलावा राजनीतिक दलों को चंदा देने के लिए बॉन्ड की व्यवस्था भी शुरू की गई है। लेकिन इसका जितना प्रचार होना चाहिए, नहीं हो रहा। यहां पर पार्टियों को चंदा देने के नाम पर बनाए गए ट्रस्ट की चर्चा भी जरूरी है। जब कंपनियों

पर गुप्त रूप से पार्टियों को चंदा देने और उनका गलत लाभ उठाने का आरोप ज्यादा लगने लगा, तो इन्होंने ट्रस्ट बनाकर उसके माध्यम से चंदा देना आरंभ किया। ट्रस्ट अपना हिसाब–किताब तो साफ रखते हैं, पर इसकी जांच करना जरा कठिन है कि इनका हिसाब–किताब बिल्कुल सही ही है। 15 चुनावी ट्रस्टों में से छह चुनावी ट्रस्ट ने 19 पार्टियों को 177.40 करोड़ रुपये का चंदा दिया। इसका ब्योरा ट्रस्ट ने चुनाव आयोग को दिया है। लेकिन 131. 65 करोड़ रुपए (अज्ञात स्रोत) के चंदे का ब्योरा ट्रस्ट ने नहीं दिया है। इसके अलावा पार्टियों को कॉरपोरेट चंदा भी मिलते हैं। आज की स्थिति में यह पता करना संभव नहीं है कि बड़ी कंपनियों या कॉरपोरेट सेक्टर ने ट्रस्ट के अलावा कितना चंदा दिया? चुनाव में जितना खर्च दिख रहा है, उसे देखते हुए यह माना नहीं जा सकता कि ये जितना चंदा दिखाते हैं, उतने में यह संभव है। जनप्रतिनिधि कानून–1951 की धारा 29–सी के तहत राजनीतिक दलों के लिए प्राप्त चंदों को सार्वजनिक करना जरूरी है। राजनीतिक दल को आयकर से छूट है, फिर भी आमदनी का ब्योरा आयकर विभाग को देना होता है। यानी दलों के आय और व्यय को पारदर्शी बनाने की व्यवस्थाएं वर्तमान ढांचे में हैं। इसके अलावा चुनाव आयोग ने तो खर्च पर नजर रखने तथा काला धन को रोकने के लिए सशक्त ढांचा विकसित किया हुआ है। आयोग ने 2010 में चुनाव खर्च निगरानी प्रकोष्ठ का गठन किया। इसमें आयकर विभाग, सतर्कता विभाग, उत्पाद शुल्क विभाग, पुलिस और अर्द्धसैनिक बलों की टीमों के अलावा एक सर्विलांस टीम सक्रिय रहती है। उनको गाड़ियों की तलाशी से लेकर छापा मारने और संदिग्ध धन या सामानों को जब्त करने का अधिकार है। चुनाव में काला धन को रोकने के लिए चुनाव आयोग का यही ढांचा पर्याप्त होना चाहिए था।

तेल का खेल अभी और चलेगा

तेल विश्व की राजनीति को सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाली वस्तु है। इसकी वजहें भी हैं। तेल अर्थव्यवस्था के लिए जरूरी है, इसका अपना सैन्य महत्व है और कुछ इलाकों में ही इसके भंडार सिमटे हैं। यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि आने वाले दिनों में तेल की कीमतें कितनी होंगी? क्योंकि तेल की दुनिया में अनिश्चितता ही निश्चित है। भू–राजनीति और भू–अर्थव्यवस्था में तेल का अव्वल स्थान है। इसका सामरिक महत्व भी है। यह अपने बूते पर दुनिया के तमाम देशों की अर्थव्यवस्था, भू–राजनीति और आंतरिक राजनीति में उथल–पुथल मचा सकता है। फ्रांस के दंगे इसके ताजा उदाहरण हैं। फ्रांस की सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर अतिरिक्त कर लगाकर इनकी कीमतें बढ़ा दीं। महंगाई के कारण जीवन–यापन में आ रही मुश्किलों से वैसे ही वहां हर कोई जूझ रहा था। सरकार के कदम ने इस आग में घी डालने का काम किया। परिवहन व्यवस्था मुख्यतरू तेल पर आधारित है और वहां इलेक्ट्रिक गाड़ियों की संख्या भी नगण्य है, इसलिए लोग पेट्रो–पदार्थों में हुई मूल्य–वृद्धि के खिलाफ सड़कों पर उतर आए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन को बल–प्रयोग करना पड़ा। मौत, गिरफ्तारियों और घायलों का सिलसिला शुरू हो गया। जाहिर तौर पर, इससे राष्ट्रपति मैक्रों की साख और लोकप्रियता में भी गिरावट आई है। फ्रांस सरकार की मानें, तो यह सब वैश्विक तापमान और जलवायु परिवर्तन पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से किया गया था। सरकार की सोच थी कि जीवाश्म ईंधन के उपयोग में कमी लाकर कार्बन फुटप्रिंट को कम किया जा सकता है। मगर जनता की नजर में बढ़ी कीमतों का नुकसान वास्तविक है और यह वर्तमान में उन्हें प्रभावित कर रहा है, जबकि वादा भविष्य का किया गया है, जो अभी संभावना मात्र है। नजरिये के इसी अंतर ने लोगों को सड़कों पर उतरने को मजबूर किया। इतिहास से सबक लेना बुद्धिमानी मानी जाती है। अतीत के अनुभवों का हमें लाभ लेना ही चाहिए। साल 1979 में इस्लामी क्रांति के बाद ईरान में तेल के दामों में भारी उछाल आया था। चूंकि तेल का दाम वैश्विक होता है, इसलिए इसका प्रभाव विश्व के तमाम देशों के पेट्रोल और डीजल के खुदरा मूल्यों पर पड़ा। अमेरिका भी इससे अछूता नहीं रह सका। 1980 के राष्ट्रपति चुनाव में तत्कालीन राष्ट्रपति जिमी कार्टर को जिस हार का सामना करना पड़ा, उसका बड़ा कारण पेट्रोल पंपों पर लगी लंबी–लंबी कतारें और पेट्रोल व डीजल के मूल्यों में वृद्धि को भी माना जाता है। ईरान संकट के दौरान राष्ट्रपति कार्टर ने तेल के महत्व को देखते हुए 'कार्टर डॉक्ट्रिनश की घोषणा की थी। यह आने वाले दशकों में पश्चिम एशिया में अमेरिकी–रणनीति की बुनियाद बनी। इस डॉक्ट्रिन के तहत अमेरिका ने घोषणा की कि वह पश्चिम एशिया में अपने सामरिक हितों की रक्षा के लिए बल प्रयोग का विकल्प अपना सकता है। आने वाले दशकों में अमेरिका ने कई बार ऐसा किया भी। खाड़ी युद्ध और इराक पर सैन्य हमला इसके उदाहरण हैं। जिमी कार्टर के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति बने रोनाल्ड रेगन ने भी इस 'डॉक्ट्रिनश को आगे बढ़ाते हुए सऊदी अरब की सुरक्षा के लिए सैन्य हस्तक्षेप करने की घोषणा की। इसके पहले 1976 में अमेरिका और सऊदी घराने के बीच इसी प्रकार का एक समझौता हुआ था, जिसने 'पेट्रो–डॉलर्सश को जन्म दिया था। अभी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ट्विटर के माध्यम से सऊदी अरब पर दबाव बनाकर तेल के दाम को संतुलित व नियंत्रित रखने के प्रयास को इसी परिप्रेक्ष्य में देखना चाहिए। पेट्रो–पदार्थों के दामों को नियंत्रित रखना राष्ट्रपति ट्रंप की घरेलू राजनीतिक मजबूरी है। तेल के दाम में अप्रत्याशित तेजी को रोकने के लिए जरूरी है कि सऊदी अरब का उत्पादन लगातार बना तो रहे ही, साथ–साथ प्रतिबंध की वजह से ईरान द्वारा निर्यात किए जा रहे तेल की मात्रा में आई कमी की भरपाई भी वह करे। पत्रकार जमाल खाशोगी की हत्या के बाद घटे घटनाक्रम ने भी राष्ट्रपति ट्रंप के हाथों को मजबूत किया है। सऊदी अरब 'ओपेक प्लसश यानी ओपेक देश व रूस के उत्पादन में कमी या सीमित रखकर तेल के दाम में वृद्धि करने में जुटा है। यह उसकी आर्थिक मजबूरी भी है, क्योंकि उसके बजट में अनुमानित राजस्व के लक्ष्य को पाने के लिए तेल का मूल्य लगभग 80 डॉलर प्रति बैरल होना चाहिए। फ्रांस के आंदोलन को देखते हुए संभावना है कि राष्ट्रपति ट्रंप तेल के दाम को एक निर्धारित दायरे में रखने के लिए और कारगर कार्रवाई कर सकते हैं।

गोहत्या के नाम पर

जब हम ''भारत के लोग' अपना नया स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं, बाबा नागार्जुन की एक प्रसिद्ध कविता का वह सवाल पहले से ज्यादा प्रासंगिक हो गया है, जिसमें पहले वे पूछतैहैं : किसकी है जनवरी, किसका अगस्त है? बाबा अपने सवाल को कौन त्रस्त, कौन पस्त और कौन मस्त तक भी ले जाते हैं, तो लगता है कि उन्हें आज की तारीख में हमारे सामने उपस्थित विकट हालात का पहले से इल्म था। इन हालात की विडम्बना देखिए : एक ओर तो अब हमारे नेता देश को समता, स्वतंत्रता और न्याय पर आधारित संपूर्ण प्रभुत्व–संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने का 26 नवम्बर, 1949 को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित संकल्प को संविधान की पोथियों में भी चौन से नहीं रहने देना चाहतेय और दूसरी ओर गैर–बराबरी का भस्मासुर न सिर्फ हमारी बल्कि दुनिया भर की जनतांत्रिक शक्तियों के सिर पर अपना हाथ रखकर उन्हें धमकाने पर आमादा है कि लोकतंत्र की अपनी परिकल्पनाओं को लेकर किसी मुगालते में न रहें। अमीरी का जाया यह असुर उनके सारे के सारे मूल्यों को तहस–नहस करने का मंसूबा लिए उन्मत्त होकर आगे बढ़ा आ रहा है, और आरजू या मिनती कुछ भी सुनने के मूड में नहीं है। अभी जब हम अपना पिछला गणतंत्र दिवस मनाने वाले थे, गरीबी उन्मूलन के लिए काम करने का दावा करने वाले ऑक्सफेम इंटरनेशनल ने एक सर्वेक्षण में बताया गया था कि आर्थिक विषमता की, जो सभी तरह की स्वतंत्रताओं और इंसाफों की साझा दुश्मन है, दुनिया भर में ऐसी पौ–बारह हो गई है कि पिछले साल बढ़ी 762 अरब डॉलर की संपत्ति का 82 फीसदी हिस्सा एक प्रतिशत धनकुबेरों के कब्जे में चला गया है, अधिसंख्य आबादी को जस की तस बदहाल रखते हुए। इस संपत्ति के रूप में धनकुबेरों ने गरीबी को सात बार सारी दुनिया से खत्म कर सकने का सार्मय इस एक साल में ही अपनी मुट्ठी में कर लिया तो क्या आश्चर्य कि गरीबों के लिए ''कर लो दुनिया मुट्ठी में' का अर्थ एक संचार सेवाप्रदाता कंपनी के झांसे का शिकार होना भर हो गया है। तिस पर अनर्थ यह कि 50 प्रतिशत अत्यंत गरीब आबादी को आर्थिक वृद्धि में कतई कोई हिस्सा नहीं मिल पाया है, जबकि अरबपतियों की संख्या बढ़कर 2,043 हो गई है। इनमें 90 फीसदी पुरु ष हैं यानी यह आर्थिक ही नहीं लैंगिक असमानता का भी मामला है, पितृसत्ता के नये सिरे से मजबूत होने का भी। बताने की जरूरत नहीं कि यह अनर्थ भूमंडलीकरण की वर्चस्ववादी नीतियों से पोषित अर्थ नीति का अदना–सा ''करिश्मा' है, और यह गरीबों के ही नहीं, बढ़ते धनकुबेरों के प्रतिद्वंद्वियों के लिए भी हादसे से कम नहीं है क्योंकि इन कुबेरों ने यह बढ़त कठिन परिश्रम और नवाचार से नहीं, बल्कि संरक्षण, एकाधिकार, विरासत और सरकारों के साथ साठगांठ के बूते कर चोरी, श्रमिकों के अधिकारों के हनन और ऑटोमेशन की राह चलकर स्पर्धा का बेहद अनैतिक माहौल बनाकर पाई है। निश्चित ही यह इस अर्थनी ति की निष्फलता का द्योतक है क्योंकि इन कुबेरों द्वारा संपत्ति में ढाल ली गई पूंजी अंततरू अर्थ तंत्र से बाहर होकर पूरी तरह अनुत्पादक हो जानी है, और उसे इस तय से कोई फर्क नहीं पड़ना कि कई अरब गरीब आबादी बेहद खतरनाक परिस्थितियों में भी ज्यादा देर तक काम करने और अधिकारों के बिना गुजर–बसर करने को मजबूर है। अपने देश की बात करें तो यहां 2017 में उत्पन्न कुल संपत्ति का 73 प्रतिशत हिस्सा ही एक प्रतिशत सबसे अमीरों के नाम रहा है। यह विश्वव्यापी औसत 82 से कम है, लेकिन देश की जिस अर्थव्यवस्था के अभी हाल तक ''दुनिया की सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था' होने का दावा किया जाता रहा है, उसमें अमीरों द्वारा सब–कुछ अपने कब्जे में करते जाने की रफ्तार इतनी तेज हो गई है कि 2016 में 58 प्रतिशत संपत्ति के स्वामी एक प्रतिशत अमीरों के कब्जे में अब 73 प्रतिशत संपत्ति है यानी 2017 में उनकी कुल संपत्ति में 20.7 लाख करोड़ की बढ़ोतरी हुई, जो उसके पिछले साल 4.89 लाख करोड़ रु पये ही थी। चूंकि हमने बेरोकटोक भूमंडलीकरण को सिर–माथे लेकर अनेकानेक विदेशी कंपनियों को देश में कमाया मुनाफा देश से बाहर ले जाने की छूट भी दे रखी है, इसलिए विदेशी अरबपतियों को खरबपति बनाने में भी हमारा कुछ कम योगदान नहीं है। ऐसे में यह समझने के लिए अर्थशास्त्र की बारीकियों में बहुत गहरे पैठने की जरूरत नहीं कि यह अमीरी ज्यादा से ज्यादा लोगों को आर्थिक विकास का फायदा देकर यानी ''सबका साथ, सबका विकास' के नारे को सदाशयता से जमीन पर उतारकर संभव ही नहीं थी। इसलिए विकास के सारे लाभों को लगातार कुछ ही लोगों तक सीमित रखकर हासिल की गई है। तथाकथित आर्थिक सुधारों के उस मानवीय चेहरे पर अमानवीयतापूर्वक तेजाब डालकर, जिसकी चर्चा 24 जुलाई, 1991 को देश में भूमंडलीकरण की नीतियों का आगाज करते हुए उसके सबसे बड़े पैरोकार तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने की थी। गैर–बराबरी के ये आंकड़े हमारे लिए इस लिहाज से ज्यादा चिंतनीय हैं कि ये हमारे दुनिया का सबसे ''महान' जनतंत्र होने के दावे की कनपटी पर किसी करारे थप्पड़ से कम नहीं हैं। इसलिए और भी कि जहां कई अन्य छोटे–बड़े देशों ने भूमंडलीकरण के अनर्थो को पहचानना और उनसे निपटने के प्रतिरक्षात्मक उपाय करना शुरू कर दिया है, हमारे सत्ताधीश कतई किसी पुनर्विचार को राजी नहीं हैं। उन्हें इस सवाल से कतई कोई उलझन नहीं होती कि अगर इस जनतंत्र के सात दशकों का सबसे बड़ा हासिल यह एक प्रतिशत की अमीरी ही है, तो बाकी निन्यानवे प्रतिशत के लिए इसके मायने क्या हैं?बड़े–बड़े परिवर्तनों के दावे करके आई नरेन्द्र मोदी सरकार को भी अपने चार सालों में इस अनर्थ नीति को बदलना गंवारा नहीं है। भले ही यह नीति कम से कम इस अर्थ में तो भारत के संविधान की घोर विरोधी है कि यह किसी भी स्तर पर उसके समता के मूल्य की प्रतिष्ठा नहीं करती और उसके संकल्पों के उलट आर्थिक ही नहीं, प्राकृतिक संसाधनों के भी अंधाधुंध संकेंदणग्रपर जोर देती है। यह सरकार इस सीधे सवाल का सामना भी नहीं करती कि किसी एक व्यक्ति के अमीर बनाने के लिए कितनी बड़ी जनसंख्या को गरीबी के हवाले करना पड़ता है, और क्यों हमें ''हृदयहीन' पूंजी को ब्रह्म और ''श्रम के शोषक' मुनाफे को मोक्ष मानकर ''सहृदय' मनुष्य को संसाधन की तरह संचालित करने वाली अर्थव्यवस्था के लिए अनंतकाल तक अपनी सारी लोकतांत्रिक–सामाजिक नैतिकताओं, गुणों और मूल्यों की बलि देते रहना चाहिए? एक ओर इन सवालों के जवाब नहीं आ रहे और दूसरी ओर इन्हें पूछने वाले हकलाने लग गए हैं, तो साफ है कि हमारे लोकतंत्र में जनतांत्रिक विचारों की कमी खतरनाक स्तर तक जा पहुंची है। यह कमी ऐसे वक्त में कोढ़ में खाज से कम नहीं है कि गरीबों को और गरीब और अमीरों को और अमीर बनाने वाली आर्थिक नीति के करिश्मे अब किसी एक देश तक सीमित नहीं हैं। वे घ्सारे लाभों को अमीर देशों के लिए सुरक्षित कर उन्हें और अमीर जबकि गरीब देशों को और गरीब बना रही हैं। एक प्रतिशत लोगों की अमीरी की यह उड़ान हमें कितनी महंगी पड़ने वाली है, जानना हो तो बताइए कि गरीबों के लिए इस गैरबराबरी से उबरने की कल्पना भी दुष्कर हो जाएगी तो वे क्या करेंगे? गोहत्या के नाम पर हत्यारी भीड़ ने फिर दो बेकसूर इंसानों की जान ले ली है। इस मर्तबा यह दर्दनाक वाकिया दिल्ली से महज 130 किमी. दूर बुलंदाहर जिले के स्याना में पेश आया। गोकशी के शक में भीड़ ने पहले तो भयंकर हंगामा किया और फिर हिंसा पर उतर आई। जमकर पथराव किया। वहां खड़ी अठारह गाड़ियां फूंक दीं। गुस्साए कथित गोरक्षकों की ोहसा में एक पुलिस इंस्पेक्टर की मौत हो गई। हिंसक भीड़ ने पुलिस चौकी के भीतर ही सीओ समेत अन्य पुलिसवालों को बंधक बना लिया और बाहर से आग लगा दी। वह तो बैरक का रोशनदार तोड़कर ये लोग बाहर निकल आए वरना मामला ज्यादा गंभीर हो सकता था। बचाव में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की तो एक नौजवान की जान चली गई। घटना में कई लोग और पुलिसकर्मी घायल हुए। जिस घटना से बुलंदशहर जिले समेत पूरा पश्चिमी उत्तर प्रदेश पल भर में अशांत हो गया, वह घटना स्याना कोतवाली इलाके के महाव गांव की है। जहां खेतों में अज्ञात लोगों ने कुछ मवेशी मार दिए थे। सूचना मिलने पर स्थानीय निवासियों में आक्रोश फैल गया। गुस्साए लोग गोवंश अवशेषों को ट्रैक्टर ट्राली में भरकर चिंगरावठी पुलिस चौकी ले गए। पुलिस ने मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली। लेकिन गुस्साई भीड़ संतुष्ट नहीं हुई और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए बुलंदशहर–गढ़मुक्तेश्वर स्टेट हाईवे पर ट्रैक्टर ट्राली लगाकर रास्ता जाम कर दिया। स्याना कोतवाली के इंस्पेक्टर सुबोध कुमार ने पुलिस बल के साथ सैंकड़ों लोगों की इस भीड़ को समझाने की पूरी कोशिश की लेकिन वे नहीं माने। पुलिस का कहना है कि जब उसने जाम खुलवाना चाहा तो भीड़ ने पथराव कर दिया। वहीं स्थानीय लोगों का इल्जाम है कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने फायरिंग शुरू कर दी जिसमें पुलिस इंस्पेक्टर समेत एक नागरिक की मौत हो गई। जिन लोगों ने भी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर घटना के वीडियो देखे हैं, उनसे साफ मालूम चलता है कि हिंसक भीड़ ने किस बेरहमी से पुलिस इंस्पेक्टर को मारा और जमकर सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान किया। क्या आदमी गुस्से की आग में इतना वहशी भी हो सकता है कि पीट–पीटकर किसी की हत्या कर दे? समाज में कोई अपराध घटता है, तो अपराधी को पकड़ने के लिए पुलिस है, और उसे सजा दिलाने के लिए कानून। कानून की एक तयशुदा प्रक्रिया है, जिसमें कोई भी हस्तक्षेप नहीं कर सकता। कैसा भी अपराध हो, लोग कानून हाथ में नहीं ले सकते। लोग खुद ही इंसाफ करने लगेंगे तो पुलिस और कानून की क्या भूमिका होगी? गोरक्षा के नाम पर कथित गोरक्षकों द्वारा की जा रही हिंसा का यह पहला मामला नहीं है, बल्कि इस तरह के मामले आये दिन सामने आते रहते हैं। इन मामलों में शीर्ष अदालत की कड़ी फटकार और स्पष्ट दिशा–निर्देशों के बाद भी गोरक्षकों की हिंसा में कोई कमी नहीं आई है। बीते साल जुलाई में शीर्ष अदालत ने जब केंद्र सरकार से इस मामले में जवाब तलब किया तो अदालत में अपना हलफनामा दाखिल करते हुए उसने कहा था कि केंद्र किसी भी तरह ऐसे अपराधियों के संरक्षण की आलोचना करता है। देश के अधिकांश राज्यों में गोहत्या और गो तस्करी के खिलाफ सख्त कानून हैं।

फिर गोरक्षकों को कानून हाथ में लेने का क्या हक है? बुलंदशहर मामले को देखें तो सच है कि खेतों में गोवंश अवशेष मिले। लेकिन गोहत्या किसने और क्यों की?, यह जांच के बाद ही मालूम चलेगा। इसके पीछे कोई बड़ी साजिश भी हो सकती है? पश्चिमी उत्तर प्रदेश सांप्रदायिक दृष्टि से बेहद संवेदनशील है, घटना की आड़ में कहीं इस पूरे क्षेत्र को सुलगाने की कोशिश तो नहीं हो रही जिससे वोटों की फसल काटी जा सके। गोरक्षा के नाम पर जो गुंडागर्दी कर रहे लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जरूरी है। वे चाहे किसी पार्टी या संगठन से जुड़े हुए हों। बुलंदशहर मामले की जांच के लिए कहने को योगी सरकार ने एसआईटी बना दी है। लेकिन एसआईटी निष्पक्ष जांच करेगी, इंसाफपसंदों का इस बात का जरा–सा भी यकीन नहीं है। सरकार इस मामले की जांच के लिए वाकई गंभीर है तो अदालत की निगरानी में एसआईटी का गठन करे ताकि इस घटना का पूरा सच सामने आ सके। उन तथाकथित गोरक्षक संगठनों पर पाबंदी लगाई जाए जो गोहत्या के नाम पर बेकसूरों को जान से मारने से भी नहीं हिचकते। अफसोस सरकारें तत्परता से काम नहीं करतीं। यही वजह है कि कभी राजस्थान के अलवर, उत्तर प्रदेश के बिसाहड़ा, सहारनपुर तो कभी झारखंड के जमशेदपुर से भीड़ द्वारा हिंसक घटनाओं के होने की खबरें आती हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के तत्काल जरूरी है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष ढंग से जांच कराए और जांच में जो भी दोषी पाया जाए उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जाए।

12 हजार घंटो में तैयार हुआ प्रियंका चोपड़ा का लहंगा, 80 कलाकार और 22 कैरेट गोल्ड भी

मुंबई। आम जनता भी जब शादी करती है तो अपने लहंगे और हर फंक्शन के आउटफिट

को हुई थी। इस वेस्टर्न वेडिंग में प्रियंका ने पहना था राल्फ एंड लॉरेन का यह खूबसूरत व्हाइट हैण्ड मेड एम्ब्रोइडेड

हैण्ड मेड एम्ब्रोइडरी से बना है जिस पर कोलकाता के 110 तरीके के एम्ब्रोइडरी डिजाइन्स हैं। मुगल ज्वेलरी के साथ इस लहंगे को बनाने में 3720 घंटे यानि तकरीबन 5 महीने लगे हैं। प्रियंका की ज्वेलरी में अनकट डायमंड्स और जापानीज पर्ल्स के साथ 22 कैरेट सोना लगा है।

आइये आपको बताते हैं प्रियंका के शादी के जोड़े और रिसेप्शन वाले लहंगे से जुड़ी कुछ खास पर शॉकिंग डिटेल्स–

मुंबई। आम जनता भी जब शादी करती है तो अपने लहंगे और हर फंक्शन के आउटफिट पर खासा ध्यान देती है। हजारो और लाखों रूपये सिर्फ आउटफिट पर लग जाते हैं, फिर ये तो बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा हैं। सोचिये, प्रियंका की शादी के लहंगे और हर आउटफिट में कितना कुछ स्पेशल होगा, हिंट देते हुए बता दें कि इनके लहंगे पर तकरीबन 80

चल रहे थे। प्रियंका के हाथ में थे उनके पसंदीदा फ्लॉवर्स ज्नइम तवेमे। यह मोमेंट प्रियंका के लिए थोड़ा भावुक था, क्योंकि वेस्टर्न वेडिंग में जब बेटी ।पेसम पर चलती है तो उसके साथ उसके पिता होते हैं मगर, प्रियंका के पिता अशोक चोपड़ा का देहांत साल 2013 में कैंसर से लड़ते हुए हुआ था, इसलिए उनके साथ इस शादी में उनकी मां मधु थीं। इसके बाद प्रियंका ने 2 दिसम्बर को हुई अपनी इंडियन वेडिंग की कुछ तस्वीरें भी अपने सोशल अकाउंट पर साझा कीं, जिनमें वो लाल रंग के जोड़े में बेहद सुन्दर लग रही थीं। बताते चलें कि प्रियंका और निक दोनों ने ही इस खास दिन के लिए मशहूर डिजाइनर सब्यसाची को चुना था। सब्यसाची ने अपने इन्स्टा पर इनकी तस्वीरें शेयर करते हुए प्रियंका और निक के आउटफिट की कुछ खास डिटेलिंग दी है। आप जानकर चौंक जाएंगे कि प्रियंका का यह लाल जोड़ा हैण्ड मेड एम्ब्रोइडरी से बना है जिस पर कोलकाता के 110 तरीके के एम्ब्रोइडरी डिजाइन्स हैं। मुगल ज्वेलरी के साथ इस लहंगे को बनाने में 3720 घंटे यानि तकरीबन 5 महीने लगे हैं। प्रियंका की ज्वेलरी में अनकट डायमंड्स और जापानीज पर्ल्स के साथ 22 कैरेट सोना लगा है। शादी का जोड़ा तो कुछ भी नहीं, बीती रात दिल्ली में हुए

रिसेप्शन पर प्रियंका ने जो व्हाइट सिल्वर लहंगा पहना है, उसकी डिटेलिंग जानकार तो आपके होश उड़ जाएंगे। फाल्गुनी शाने पीकॉक इंडिया के इस लहंगे को बनने में 12 हजार घंटे लगे हैं, मतलब तकरीबन डेढ़ साल। 80 कलाकारों ने मिलकर इस लहंगे पर मिलियन्स क्रिस्टल सजाए हैं। हाथों में लाल चूड़ा, डायमंड नैकलेस, बालों में गजरा और मांग में लाल सिंदूर... प्रियंका का यह अवतार यकीनन आपकी आंखों से नहीं उतरेगा।

पर खासा ध्यान देती है। हजारो और लाखों रूपये सिर्फ आउटफिट पर लग जाते हैं, फिर ये तो बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा हैं। सोचिये, प्रियंका की शादी के लहंगे और हर आउटफिट में कितना कुछ स्पेशल होगा, हिंट देते हुए बता दें कि इनके लहंगे पर तकरीबन 80 कलाकारों की मेहनत है, जिसे परफेक्ट बनाने में इन्हें महीनों लग गए।

जी हां, प्रियंका की शादी की खबरों ने पिछले कई महीनों से बॉलीवुड बाजार में खलबली मचा रखी है। और जब भी कोई बॉलीवुड सेलेब शादी करता है तो उनके फैन्स सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हो जाते हैं। आम जनता जानना चाहती है कि उनके फेवरेट सेलेब्स अपनी शादी में क्या पहन रहे हैं, कैसे ज्वेलरी मैच कर रहे हैं और शादी कहां और कैसे हो रही है... जैसी हर डिटेल्स पर आम जनता की भी पैनी नजर रहती है। आइये आपको बताते हैं प्रियंका की शादी के जोड़े और रिसेप्शन वाले लहंगे से जुड़ी कुछ खास पर शॉकिंग डिटेल्स–सबसे पहले बात करते हैं प्रियंका की इंग्लिश वेडिंग की, जो 1 दिसम्बर

गाउन। इसके साथ प्रियंका का यह टमपस 75 फिट लम्बा था और जब प्रियंका अपनी मां के साथ ।पेसम पर चलीं तो 6 लोग प्रियंका का यह 75 फिट लम्बा टमपस उठाकर चल रहे थे। प्रियंका के हाथ में थे उनके पसंदीदा फ्लॉवर्स ज्नइम तवेमे। यह मोमेंट प्रियंका के लिए थोड़ा भावुक था, क्योंकि वेस्टर्न वेडिंग में जब बेटी ।पेसम पर चलती है तो उसके साथ उसके पिता होते हैं मगर, प्रियंका के पिता अशोक चोपड़ा का देहांत साल 2013 में कैंसर से लड़ते हुए हुआ था, इसलिए उनके साथ इस शादी में उनकी मां मधु थीं।इसके बाद प्रियंका ने 2 दिसम्बर को हुई अपनी इंडियन वेडिंग की कुछ तस्वीरें भी अपने सोशल अकाउंट पर साझा कीं, जिनमें वो लाल रंग के जोड़े में बेहद सुन्दर लग रही थीं। बताते चलें कि प्रियंका और निक दोनों ने ही इस खास दिन के लिए मशहूर डिजाइनर सब्यसाची को चुना था। सब्यसाची ने अपने इन्स्टा पर इनकी तस्वीरें शेयर करते हुए प्रियंका और निक के आउटफिट की कुछ खास डिटेलिंग दी है। आप जानकर चौंक जाएंगे कि प्रियंका का यह लाल जोड़ा

कलाकारों की मेहनत है, जिसे परफेक्ट बनाने में इन्हें महीनों लग गए। जी हां, प्रियंका की शादी की खबरों ने पिछले कई महीनों से बॉलीवुड बाजार में खलबली मचा रखी है। और जब भी कोई बॉलीवुड सेलेब शादी करता है तो उनके फैन्स सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हो जाते हैं। आम जनता जानना चाहती है कि उनके फेवरेट सेलेब्स अपनी शादी में क्या पहन रहे हैं, कैसे ज्वेलरी मैच कर रहे हैं और शादी कहां और कैसे हो रही है... जैसी हर डिटेल्स पर आम जनता की भी पैनी नजर रहती है। आइये आपको बताते हैं प्रियंका की शादी के जोड़े और रिसेप्शन वाले लहंगे से जुड़ी कुछ खास पर शॉकिंग डिटेल्स– सबसे पहले बात करते हैं प्रियंका की इंग्लिश वेडिंग की, जो 1 दिसम्बर को हुई थी। इस वेस्टर्न वेडिंग में प्रियंका ने पहना था राल्फ एंड लॉरेन का यह खूबसूरत व्हाइट हैण्ड मेड एम्ब्रोइडेड गाउन। इसके साथ प्रियंका का यह टमपस 75 फिट लम्बा था और जब प्रियंका अपनी मां के साथ ।पेसम पर चलीं तो 6 लोग प्रियंका का यह 75 फिट लम्बा टमपस उठाकर

दिल्ली रिसेप्शन से पहले पापा जोनस ने लिखी भावुक पोस्ट, प्रियंका-निक को बताया अपनी 'जन्नत'

मुंबई। प्रियंका चोपड़ा ने जोधपुर के उम्मेद भवन पैलेस में निक जोनस से शादी कर ली। दिल्ली में आज शाम रिसेप्शन होना है,

जिसमें गई गणमान्य और मशहूर लोगों के मौजूद रहने की सम्भावना है। इस बीच प्रियंका के ससुर पॉल केविन जोनस ने अपनी बहू का परिवार में स्वागत किया है।

पॉल ने मेहंदी सेरेमनी से प्रियंका की एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वो रंग–बिरंगी पोशाक पहनकर घूम रही हैं। इस तस्वीर के साथ पॉल ने लिखा है– ''क्या अद्भुत अनुभव रहा। बधाई प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस। दोनों को खुब्ब प्यार, डैड।शप्रियंका के ससुर का पूरा नाम पॉल केविन जोनस सीनियर है, जिन्हें परिवार में प्यार से पापा जोनस कहा जाता है। 53 साल के पॉल धार्मिक व्यक्ति हैं और शुरुआत में वो चर्च के अधिकारी और पादरी रह चुके हैं। हालांकि सांग राइटिंग और सिंगिंग उनका पेशा रहा है। बेटों के बतौर सिंगर स्थापित होने के बाद पापा जोनस ने रिटायरमेंट ले लिया है और अब वो अपने बेटों के मैनेजर की तरह काम करते हैं। जोनस एंटरप्राइज की स्थापनी भी उन्होंने की है। विभिन्न म्यूजिकल टूर्स पर जोनस सीनियर बच्चों के साथ जाते हैं। इसके अलावा जोनस नेलीज सदर्न किचन नाम से बेलमॉन्ट में एक रेस्तरां भी चलाते हैं। अगस्त में प्रियंका और निक की सगाई फंक्शन में पॉल जोनस अपनी पत्नी डेनिस मिलर के साथ शामिल हुए थे। प्रियंका ने अपनी इंडियन वेडिंग को बेहद स्पेशल बना दिया है। किसी फिल्मी दृश्य की तरह उनकी शादी का हर नजारा खुशियों के रंगों और मस्ती की रौशनी से सजा हुआ था। रविवार को प्रियंका चोपड़ा ने संगीत समारोह की फोटो और वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किये थे, जिनमें देखा जा सकता है कि जोनस फैमिली ने किस कदर एंजॉय किया। सभी सदस्यों के चेहरों से खुशी फूट रही थी।

दोनों परिवारों ने भी दूल्हा–दुल्हन को स्पेशल फील करवाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। शादी के माहौल को और दिलचस्प बनाने के लिए दूल्हा और दुल्हन की टीमों के बीच डांस प्रतियोगिता रखी गयी थी, जिसे सभी ने खुब्ब एंजॉय किया। इस मौके पर सभी घर वाले और बाराती भारतीय पारम्परिक लिबासों में सजे नजर आये। दूल्हा निक ने ब्लू और क्रीम काम्बिनेशन की शेरवानी पहनी तो उनके भाई केविन, जो और फ्रैंक भी इंडियन अवतार में दिखे। जोनस ब्रदर्स के आउटफिट्स अबु जानी और संदीप खोसला ने डिजाइन किये हैं। डिजाइन जोड़ी ने इंस्टाग्राम पर बताया है कि जोधपुर फेयरीटेल को उन्होंने ही कांसेप्चुएलाइज और विजुएलाइज किया है।

उधर, मंगलवार को दिल्ली के रिसेप्शन से चंद घंटे पहले प्रियंका और निक ने अपनी दोनों शादियों की फोटो सोशल मीडिया में रिलीज कीं। एक दिसम्बर को हुई क्रिश्चियन वेडिंग और 2 दिसम्बर को हुई हिंदू शादी की पीपुल मैगजीन द्वारा भी शेयर की गयी हैं। मैगजीन के कवर पेज पर भी दुल्हा–दुल्हन नजर आएंगे। पापा जोनस ने इस कवर को शेयर करते हुए भावुक पोस्ट लिखी है।नीचे की तस्वीर 4 दिसम्बर को दिल्ली में हुए रिसेप्शन की है। पापा जोनस, मामा डोनस, प्रियंका, निक और प्रियंका की मॉम मधु चोपड़ा तस्वीर में हैं।

शाही शादी के बाद कुछ ऐसा है निकयंका का हनीमून प्लान

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा और अमेरिकन सिंगर निक जोनस हमेशा– हमेशा के लिए एक हो गए हैं। दोनों मे 1 दिसंबर और 2 दिसंबर को कैथोलिक और हिन्दू रीति– रिवाज मे शादी रचाई। वहीं बीते दिन दिल्ली में दोनों ने ग्रैंड रिसेप्शन दिया। वहीं अब शादी और रिसेप्शन के बाद प्रियंका और निक हनीमून पर जाने की भी डिटेल सामने आ गई है। खबरों की मानें तो निकयंका क्रिसमस के दौरान एक ब्रेक लेंगी।इस दौरान वह हनीमून पर जाएंगे। प्रियंका 27 दिसंबर के आस–पास भारत से रवाना होगीं और जनवरी के पहले हफ्ते वापिस आ जाएंगी। खबरों की मानें तो प्रियंका हनीमून से लौटने के बाद फिल्म स्काई इज पिंक की शूटिंग शुरु करेंगी। फिल्म की शूटिंग अहमदाबाद में होगी। शूटिंग शेड्यूल खत्म करने के बाद निक– प्रियंका एक लंबे

हॉलीडे पर जाएंगे। बता दें कि बीते दिनों ही दोनों की शादी की तस्वीरें सामने आ गईं हैं। तस्वीरों को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। दरअसल, प्रियंका– निक ने एक इंटरनेशल मैगजीन के साथ करार किया था जिस वजद से प्रियंका–निक और शादी में शामिल तमाम लोगों को तस्वीरें खींचने और शेयर करने की अनुमति नहीं थी। इन तस्वीरों का करार 17 करोड़ था। प्रियंका की कैथोलिक शादी में पहने अपने गाउन को लेकर काफी सुर्खियों में है। इस दौरान प्रियंका ने फैशन डिजाइनर राल्फ लॉरेन का डिजाइन किया फ्लोरल गाउन पहना। प्रियंका का हाई नेक कॉलर, फुल लॉन्ग स्लीव गाउनमें 23 लाख सीक्वेंस से कारीगरी की गई है। उनक यह गाउन 75 फीट लंबा है। इतना ही नहीं इस गाउन को लेस, मोती और स्वारोवस्की क्रिस्टल से सजाया गया है। खबरों की मानें तो इस गाउन को तैयार करने में 1826 घंटे लगे। प्रियंका के गाउन का सेंटर ऑफ अटरेक्शन उनका वेल ही है। प्रियंका के इस वेल गाउन को संभालने के लिए 5 लोग उनके साथ थे प्रियंका ने अपनी शादी में सब्यसाची का लंहगा पहना था। इस लंहगे को बनाने में 110 कारीगर ने काम किया है और इसे बनाने में पूरे 3720 घंटे लगे ।दिल्ली में रिसेप्शन देने के बाद निकयांका 15 या 16 दिसंबर को मुंबई में रिसेप्शन देंगे। इस रिसेप्शन में बॉलीवुड की तमाम हस्तियां शामिल होंगी।

शादी के बाद दीपिका ने करवाया फोटोशूट, सामने आई सेकसी तस्वीरें

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका

पादुकोण ने हाल ही में एक्टर रणवीर सिंह संग शादी रचाई है। शादी के बाद ही दीपिका ने एक हॉट फोटोशूट करवाया है। ये फोटोशूट उन्होंने फेमस मैगजीन ळफ के लिए करवाया है। इस फोटोशूट में वह बेहद ही हॉट लग रही है। इस दौरान दीपिका बिकिनी में तहलका मचा रही है। वही उनकी लॉन्ग सेक्सी लैग्स इंटरनेट का तापमान बढ़ा रही है।

दीपिका का ये अंदाज देख उनके फैंस मदहोश होने वाले है। दीपिक इस महीने की ळफ मैगजीन के कवर पर नजर आ रही है। इसका एक कवर दीपिका ने अपने इंस्टा पर भी शेयर किया है। जहां दीपिका कई तस्वीरों में स्विमसूट में नजर आ रही है और कहीं बिकिनी में नजर आ रही है। एक तस्वीर में दीपिका ब्लू कलर एंड ब्लैक कलर के कॉस्ट्यूम में नजर आ रही हैं। साथ ही साथ उन्होंने सर बंदाना लगाए हुए और अगर मेकअप की बात करें तो दीपिका ने न्यूड मेकअप किया है। 'जीक्यू इंडिया मैगजिन ने इस तस्वीर को अपने इन्स्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। तस्वीर में दीपिका काफी हॉट और सेक्सी लग रही हैं। कवर पेज पर छपी दीपिका की तस्वीर को कैप्शन दिया गया है कि, फियरलेस एंड फैबुलस है। बता दें कि रणवीर और दीपिका ने 14 और 15 नवंबर को इटली के लेक कोमो के विला देल बलबियानेलो में शादी की थी। इनकी शादी में सिर्फ परिवार वाले ही शामिल हुए थे। दोनों ने 21 नवंबर को पहली रिसेप्शन बेंगलुरु में की थी। वहीं इसके अलावा दूसरी रिसेप्शन इन्होंने मुंबई के होटल ग्रेंड हयात में दी थी, इसमे भी इनके कुछ करीबी शामिल हुए थे। वहीं तीसरी रिसेप्शन पार्टी भी दीपवीर ने मुंबई के होटल ग्रेंड हयात में दी थी, इस पार्टी में बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियां पहुंची थी।

मलाइका अरोड़ा ने कराया बोल्ड फोटोशूट, जूतों की कीमत जान लगेगा झटका

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा इन दिनों अर्जुन कपूर के साथ अपने अफेयर की खबरों को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। हाल ही में अब मलाइका ने बोल्ड फोटोशूट करवाया है जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में मलाइका ब्लू और यैलो कलर की ड्रेस पहने हुए बेहद ग्लैमरस अंदाज में नजर आ रही हैं। ड्रेस के साथ उन्होंने न्यूड मेकअप और लिपस्टिक लगाई है। वहीं स्मोकी आई उनके लुक को कम्पलीट कर रही हैं। ड्रेस के साथ मलाइका ने पोनी की है जिसमें वह बेहद खूबसूरत अंदाज में दिख रही हैं। बोल्ड ड्रेस के

साथ उन्होंने हील्ज पहनी है जिनकी कीमत 90 हजार बताई जा रही है। बीते दिनों मलाइका ने एक पेंडेंट की तस्वीर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की थी। जिसे देखने के बाद लोग इस पेंडेंट में। को अर्जुन कपूर का नाम देने लगे और मलाइका ट्रोल करने लगे। इतना ही नहीं मलाइका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट का नाम मलाइका अरोड़ा खान से बदलकर मलाइका अरोड़ा रख दिया। वहीं उन्होंने फैंस को बताया कि ।ड नहीं ड। है यानी मलाइका अरोड़ा। मलाइका अर्जुन अपनी शादी की खबरों को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। आए दिन दोनों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होती रहती हैं। बीते दिनों खबरें सामने आईं थी कि दोनों ने मुंबई में प्रॉपर्टी भी खरीदी है। खबरों के मुताबिक दोनों ने पॉश लोकेशन में एक घर खरीदा है। अर्जुन और मलाइका ने लोखंडवाला के करीब एक प्लश सोसाइटी में एक फ्लैट खरीदा है। अब ये दोनों साथ में रहते हैं या नहीं फिलहाल इसके बारे में कुछ कह पाना मुश्किल है, लेकिन इस वक्त ये दोनों इस फ्लैट के इंटीरियर पर काम कर रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो अर्जुन फिल्म इंडियाज मोस्टवांटेड की शूटिंग पूरी करने के बाद एक्टर आशुतोष की पानीपत– में लीड रोल निभाते हुए नजर आएंगे। वहीं मलाइका इन दिनों इंडियाज गॉट टैलेंट में जज की भूमिका निभा रही हैं

हिन्दुस्तान के बाद चाइना को 'ठगने' चले आमिर खान, इस दिन होगी रिलीज

मुंबई। करीब 300 करोड़ लगा कर भारत में जैसे तैसे 150 करोड़ तक पहुंची आमिर खान और अमिताभ बच्चन की ठग्स ऑफ हिंदोस्तान को चीन में इसी साल 28 दिसंबर को रिलीज किया जायेगा स फिल्म की घोषणा किये जाने के साथ नए पोस्टर भी जारी कर दिए गए हैं। फिल्म वहां कितने स्क्रीन्स पर रिलीज होगी इसकी घोषणा होनी अभी बाकी है स अभी पिछले हफ्ते ही अमिताभ बच्चन और ऋषि कपूर की फिल्म 102 नॉट आउट चीन में रिलीज हुई और अक्षय कुमार की पैड मैन चार दिसंबर को रिलीज होगी।

हाल ही में आमिर खान ने मुंबई में हुए एक कार्यक्रम में कहा है कि ठग्स ऑफ हिंदोस्तान चीन में रिलीज की जाने वाली है और वहां के लोगों का रिएक्शन जानने के लिए बेताब हैं ।खबर थी कि चीन के डिस्ट्रीब्युटर्स और सिनेमाघर मालिक अब भी इस बात को लेकर पशोपेश में हैं कि क्या फिल्म को अपने यहां रिलीज करना रिस्क तो नहीं होगा। वैसे पिछले दिनों ये खबर आई थी कि फिल्म को चीन में रिलीज किया जाना है जिसके लिए फिल्म को 110 करोड़ रूपये की मिनिमम गारंटी मिली है। बताते हैं कि यशराज ने चीन की डिस्ट्रीब्यूशन फर्म ईस्टार फिल्मस को वहां के लिए राइट्स बेचे हैं। डील 110 रूपये की मिनिमम गारंटी में तय हुई है। यह जानकारी मिली थी कि चीन में इस फिल्म को दिसंबर के महीने में रिलीज करने की योजना है यानि भारत सहित दुनिया के कई देशों में रिलीज के करीब एक महीना बाद ।फिल्म को 110 करोड़ की गारंटी मिलना विशुद्ध रूप से आमिर खान की पिछली फिल्मों के बिजनेस को देखते हुए संभव हुआ है। भारत में फिल्म ने चार दिन में 118 करोड़ रूपये की कमाई कर ली है लेकिन 52 करोड़ रूपये से अधिक की ओपनिंग लेने के बाद ये फिल्म दिनों दिन घटती कमाई का मुंह देख रही हैस आमिर खान को चीनी बॉक्स ऑफिस का सुल्तान माना जाता है। पिछले चार वर्षों में आमिर की सभी फिल्मों ने चीन ने भर भर कर कमाई की है। उनका रुतबा आज भी बना हुआ है क्योंकि चीनी दर्शक आमिर की एक्टिंग के कायल हैं।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक
हेमन्त कुमार मिश्रा
द्वारा पिन वर्क पब्लिकेशन हाउस, दादाबाड़ी कम्पाउन्ड, ठाकुरगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित
संपादक
हेमन्त कुमार मिश्रा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न किसी भी प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद लखनऊ न्यायालय होगा।

इस अंक में प्रकाशित समाचारों में किसी प्रकार की आपत्ति होने पर सात दिन के अंदर खंडन भेजे अन्यथा समाचार ''सत्य'' माना जायेगा।
संपादक
crimereview2012@gmail.com
मो: 9454552222